CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :36°C
न्यूनतम: 22°C

देहरादून, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 260 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख शुक्ल पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2083 9 जिलकदा 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

UPES UNIVERSITY OF TOMORROW
India's AI-FIRST University
Top Law firm partners as Professors of Practice
Alumni serving as Law firm partners, Judges and Corporates
LL.B. ADMISSIONS 2026
BA LL.B. (Hons.) | BBA LL.B. (Hons.) LL.B.*
Apply through ULSAT Entrance Test
SCAN TO APPLY
Upto 25% FEE WAIVER for Uttarakhand Domicile Students^ | LAST DATE TO APPLY - APRIL 29, 2026

पुतिन से मिले अराघची, ईरान की हिमायत में खुलकर आया रूस

■ रूसी राष्ट्रपति बोले: ईरान अपनी आजादी के लिए लड़ रहा, ट्रम्प के अफसरों के साथ बैठक करेंगे

तेहरान/ मास्को। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। बैठक में रूस ने ईरान के प्रति खुला समर्थन जताया।

रूसी मीडिया के मुताबिक, पुतिन ने कहा कि ईरानी जनता साहस और वीरता के साथ अपनी आजादी और संप्रभुता के लिए लड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का संदेश मिला है। अराघची की यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ईरान रूस का समर्थन मजबूत करने में जुटा है। साथ ही पुतिन ने कहा कि हम हर वो काम करेंगे जो ईरान के हित में होगा। दोनों नेताओं की वार्ता के बाद ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने रूसी राष्ट्रपति का धन्यवाद किया।इस मीटिंग के बाद से पश्चिमी एशिया में चल रहा युद्ध का माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है, क्योंकि सभी जानते हैं कि इस युद्ध में ईरान का समर्थन रूस कर रहा है। साथ ही चीन भी रूस के पीछे-पीछे चल रहा है।

पहले खुले होर्मुज, फिर होगी परमाणु मुद्दे पर बात: ईरान

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और शांति वार्ता के ठप पड़ने के बीच ईरान ने अमेरिका को एक नया दो-चरणीय शांति प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए वाशिंगटन तक पहुंचाया गया है, जिसमें सबसे पहले होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और क्षेत्रीय युद्ध को समाप्त करने की बात कही गई है।

अमेरिकी न्यूज आउटलेट एक्सियोस के अनुसार, ईरान चाहता है कि परमाणु मुद्दों पर बातचीत को बाद के चरण में रखा जाए। ईरान की प्रस्तावित दो-चरणीय योजना के अनुसार पहले होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और अमेरिका की नाकेबंदी खत्म करने पर जोर दिया गया है। इसके बाद युद्धविराम या स्थायी शांति समझौते की बात है, जबकि परमाणु मुद्दों पर बातचीत बाद में की जाएगी। यह प्रस्ताव पाकिस्तान और ओमान के जरिये अमेरिका तक पहुंचा है। पहले चरण में होर्मुज स्ट्रेट को -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के पास युद्धविराम पर सिर्फ तीन दिन: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी। उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए युद्धविराम पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा, क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने भारतीय रासायनिक टैंकर को बनाया निशाना

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में समुद्र के रास्ते व्यापार करना लगातार खतरनाक होता जा रहा है। भारत सरकार ने बताया ईरान ने भारतीय चालक दल वाले एक रासायनिक टैंकर को अपना निशाना बनाया। ओमान की समुद्री सीमा के पास हुई इस फायरिंग की घटना ने सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि, भारत सरकार पूरे हालात पर करीब से नजर बनाए हुए है और देशवासियों को खाद और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर भी बड़ा भरोसा दिया है।

राजस्थान में बारिश बीकानेर-गंगानगर में ओले गिरे

नई दिल्ली। देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री सेल्सियस के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8 डिग्री सेल्सियस, बांदा 46.6डिग्री सेल्सियस, वर्धा और बाड़मेर 46.4डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर और यवतमाल 46डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ हीटवेव की चपेट में हैं। इस बीच राजस्थान के बीकानेर और गंगानगर में सोमवार को बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 डिग्री पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43डिग्री पर बना हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने बंगालवासियों के नाम लिखा पत्र

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यवासियों के नाम एक पत्र और एक ऑडियो संदेश जारी किया है। बता दें कि, राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होगा और इसके नतीजे 4 मई को जारी होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लिखा कि पश्चिम बंगाल के पूरे चुनाव अभियान के दौरान मुझे अपने परिवारजनों का जो अपार स्नेह और आशीर्वाद मिला है, उसने एक नई ऊर्जा से भर दिया है।

पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली। कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान-इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों में विशिष्ट तथा असाधारण उपलब्धियों के लिए दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के नामांकन और सिफारिश आगामी 31 जुलाई तक की जा सकती है। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन या सिफारिशें भेजने की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें राष्ट्रीय पद्म पुरस्कार पोर्टल पर केवल ऑनलाइन की जा सकती हैं। पद्म पुरस्कार यानी पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं।

'आप' के सात सांसदों का भाजपा में विलय

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने दी मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ राज्यसभा में भाजपा सांसद 106 से बढ़कर 113 हुए
■ केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तीन पर सिमटी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले के बाद राज्यसभा में आप की संख्या घटकर 3 रह गई है, जबकि भाजपा सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। जो सात सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इन सांसदों को भाजपा के सदस्यों के रूप में दिखाया गया है। आप ने रविवार को सभापति से सातों सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की थी। संजय सिंह ने भी लेटर लिखकर उन्हें दलबदल कानून के उल्लंघन का दोषी बताते हुए अयोग्य घोषित करने की अपील की। संजय सिंह के मुताबिक, आप ने एडवोकेट कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है। कपिल सिब्बल ने कहा था कि संविधान की 10वीं अनुसूची के मुताबिक सबसे पहले पार्टी को प्रस्ताव पास करके दूसरी पार्टी विलय करना पड़ेगा। कोई भी सांसद दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकते। आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार को भाजपा जाइन कर ली थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा सभापति को आवेदन देकर खुद को भाजपा सांसद के रूप में मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है।

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय की उम्मीद खत्म: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी मामले में सुनवाई से हटने की (रिक्युजल) याचिका खारिज होने के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से पेश होने से इन्कार कर दिया है। यह घटनाक्रम जस्टिस शर्मा के उस विस्तृत आदेश के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने मामले की सुनवाई से हटने से इनकार कर दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि 'दबाव में झुकने से न्याय नहीं मिलता' और न्यायाधीश किसी वादी की निराधार आशंकाओं के आधार पर खुद को सुनवाई से अलग नहीं कर सकते। जस्टिस शर्मा ने यह भी टिप्पणी की थी कि उन पर व्यक्तिगत हमले न्यायपालिका पर हमले के समान हैं और याचिका को 'अनुमानों' और 'कथित झुकाव' पर आधारित बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद, श्री केजरीवाल ने पत्र लिखकर कहा कि उन्होंने इस अदालत से 'न्याय मिलने की उम्मीद खो दी है।

महिला अधिवक्ता पर पति के हमले को लेकर सुप्रीम संज्ञान, पुलिस कमिश्नर को सख्त निर्देश

अस्पतालों ने इलाज से क्यों किया इन्कार, सीजेआई ने पूछे सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में महिला अधिवक्ता पर कथित बर्बर हमले के मामले का सोमवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को कई सख्त निर्देश दिए। अदालत ने मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने का आदेश दिया और कहा कि जांच अधिकारी महिला अधिकारी हो तो बेहतर होगा, जो एसीपी या डीसीपी रैंक की हो।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग वाला पत्र मिला था, जिसके बाद स्वतः संज्ञान लिया गया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पीड़िता के पति, जो हमले का मुख्य आरोपी है, को 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी मनोज कुमार, जो सोनिया विहार का निवासी है, जिसे रविवार को खजूरी खास इलाके से पकड़ा गया। आरोप है कि उसने 22 अप्रैल को अपनी 38 वर्षीय पत्नी पर चाकू से हमला किया। पूछताछ में उसने पारिवारिक विवाद के चलते वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक गंभीर पहलू पर भी चिंता जताई। अदालत ने दिल्ली को निर्देश दिया कि यह जांच की जाए कि घायल महिला को तीन अलग-अलग अस्पतालों ने भर्ती करने से कथित रूप से इन्कार क्यों किया। अदालत ने कहा कि अगर गंभीर हालत में किसी पीड़ित को समय पर इलाज नहीं मिलता है, तो यह बेहद चिंताजनक विषय है और इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। पीठ ने शिकायत में लगाए गए उस आरोप पर भी संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया कि पीड़िता के ससुराल पक्ष दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गया है और उनका पता नहीं चल पा रहा। अदालत ने पुलिस को दोनों बच्चों का तत्काल पता लगाने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच अधिकारी को मामले की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश करने का आदेश दिया है। फिलहाल पुलिस घरेलू विवाद समेत सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

2030 राष्ट्रमंडल खेल: गुजरात में जमीन वापस लेने की कार्रवाई पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश देते हुए विवादित जमीन मामले में 4 मई तक यथास्थिति बनाए रखने को कहा है। यह मामला स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के अहमदाबाद स्थित आश्रम की जमीन से जुड़ा है, जिसे गुजरात सरकार 2030 राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारी के लिए लेना चाहती है। करीब 45,000 वर्ग मीटर जमीन, जहां यह आश्रम बना हुआ है, अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास स्थित है। सरकार इस जमीन पर सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम कर रही है। इस मामले में संत श्री आसाराम ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ट्रस्ट ने गुजरात उच्च न्यायालयके 17 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने सरकार द्वारा जमीन वापस लेने के फैसले को सही ठहराया था। सरकार का आरोप है कि ट्रस्ट ने जमीन की लीज की शर्तों का उल्लंघन किया और आसपास की सरकारी जमीन पर भी कब्जा किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता शामिल हैं, ने पहली नजर में कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रस्ट को सही तरीके से नोटिस नहीं दिया गया था।

80 की उम्र कोर्ट में लड़ने की नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सोना ग्रुप विवाद में दी मध्यस्थता की सलाह

नई दिल्ली। भारत के बड़े कॉर्पोरेट घरानों में संपत्ति और व्यापार पर नियंत्रण को लेकर विवाद होना आम बात हो गई है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में दो प्रमुख व्यापारिक घरानों- सोना ग्रुप और गाडफ्रे फिलिप्स के पारिवारिक विवादों पर अहम सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे पारिवारिक व्यापारिक झगड़ों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए लंबी मुकदमेबाजी के बजाय शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया है। ऑटोमोटिव सेक्टर की जानी-मानी कंपनी सोना ग्रुप के भीतर इन दिनों एक बड़ा कानूनी विवाद चल रहा है। यह विवाद 80 वर्षीय रानी कपूर और उनकी बहू प्रिया सचदेवा कपूर के बीच है। रानी कपूर ने रानी कपूर फैमिली ट्रस्ट के गठन को चुनौती देते हुए आरोप लगाया है कि यह ट्रस्ट धोखे से बनाया गया था। रानी कपूर के अनुसार, 2017 में स्ट्रोक (लकवा) आने के बाद उनकी खराब सेहत का फायदा उठाया गया। उनका आरोप है कि उनके दिवंगत बेटे संजय कपूर और बहू प्रिया कपूर ने प्रशासनिक काम का बहाना देकर उनसे खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए और उनकी सारी संपत्ति ट्रस्ट में डाल दी। पिछले साल जून में संजय कपूर के निधन के बाद यह विवाद और बढ़ गया।

एस्ट्रोनॉट कैडर पहली बार आम नागरिकों के लिए खुलेगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सिविल एक्सपर्ट को भी अंतरिक्ष में भेजेगा इसरो
■ गगनयान मिशन के एस्ट्रोनॉट के दूसरे बैच में शामिल होंगे
■ ट्रेनिंग में साढ़े चार साल लगेंगे, सिलेक्शन कमेटी ने सिफारिश की

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पहली बार अपने एस्ट्रोनॉट कैडर को आम नागरिकों के लिए खोलने का फैसला किया है। इसरो की एस्ट्रोनॉट सिलेक्शन कमेटी ने इसकी सिफारिश की है। हालांकि इसका क्राइटेरिया अभी जारी नहीं किया गया है।

कमेटी की सिफारिश में कहा गया है कि गगनयान मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के दूसरे बैच में वायुसेना के 6 पायलट के साथ 4 सिविलियन स्पेशलिस्ट शामिल किए जाएं। ये सिविलियन साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ बैकग्राउंड से होंगे। पहला बैच सिर्फ पायलटों का, दूसरे में आम लोगों के एंट्री होगी। एक एस्ट्रोनॉट को चुनने से लेकर उसकी ट्रेनिंग और मिशन की तैयारी में करीब साढ़े 4 साल (54 महीने) का समय लगता है। कमेटी ने लक्ष्य रखा है कि दूसरे बैच को अगले 72 महीनों में और तीसरे बैच को 96 महीनों में पूरी तरह तैयार कर लिया जाए। भले ही दूसरे बैच में सिविलियंस को शामिल किया जा रहा है, लेकिन वे तुरंत अंतरिक्ष में नहीं जाएंगे। कमेटी की योजना के अनुसार, सिविलियन एस्ट्रोनॉट्स को चौथे मानव मिशन से चालक दल का हिस्सा बनाया जाएगा। दुनिया भर में यह परंपरा रही है कि तकनीक के परिपक्व होने से पहले मिलिट्री बैकग्राउंड वाले पायलटों को ही भेजा जाता है, इसके बाद ही नागरिकों की बारी आती है। मिशन गगनयान इसरो का पहला क्रू वाला स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम है, जो 2027 तक लॉन्च होगा। ये 3 दिन का एक मिशन होगा। इसमें 3 एस्ट्रोनॉट्स 400 किमी की यात्रा कर अंतरिक्ष में जाएंगे। उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए डिजाइन किया गया है। पहले बैच में चार एस्ट्रोनॉट्स शामिल हैं। इसरो के पहले बैच में इंडियन एयरफोर्स के टेस्ट पायलट शामिल थे। इसमें चार एस्ट्रोनॉट्स को सिलेक्ट किया गया था। इन एस्ट्रोनॉट्स को सिलेक्ट करने का उद्देश्य पहले क्रू मिशन को सुरक्षित पहुंचाना है। पहले बैच में फाइटर प्लेन के एयर कमांडर प्रशांत बी. नायर, जीपी कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जीपी कैप्टन अजीत कृष्णन, जीपी कैप्टन अंगद प्रताप शामिल हुए थे। दूसरे बैच में इंडियन आर्मी के फाइटर जेट के लड़ाकू हेलीकॉप्टर पायलट भी शामिल हो सकते हैं। सातवें मिशन के बाद इसरो अपने मिशन की क्षमता को बढ़ाएगा, जिससे एक साथ 3 एस्ट्रोनॉट्स अंतरिक्ष में जा सकेंगे। इसके लिए तीसरे बैच में 12 एस्ट्रोनॉट्स की जरूरत होगी। इस बैच में रेशियो पूरी तरह बदल जाएगा, जिसमें केवल 2 मिशन पायलट और 10 सिविलियन स्पेशलिस्ट शामिल किए जाएंगे। इसरो अब एक स्थायी एस्ट्रोनॉट कैडर बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

■ द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में एक नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में सोमवार को एक नए युग की शुरुआत हुई। दोनों देशों ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो व्यापार, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाला है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल व न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष टाड मैक्ले की उपस्थिति में इस महत्वपूर्ण समझौते को आधिकारिक रूप दिया गया। यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था और निर्यातकों के लिए वैश्विक बाजार में एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत मानी जा रही है। इस एफटीए की सबसे खास बात इसकी गति रही है। 16 मार्च, 2025 को शुरू हुई बातचीत को रिकॉर्ड नौ महीनों के भीतर संपन्न कर लिया गया। इस समझौते के लागू होने से भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। इसके परिणामस्वरूप, न्यूजीलैंड को होने वाले शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर अब कोई टैरिफ (सीमा शुल्क) नहीं लगेगा। वर्तमान में न्यूजीलैंड द्वारा भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया जाता था। नए समझौते के तहत यह शुल्क खत्म हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यात को भारी बढ़ावा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला को कार ने मारी टक्कर, भीड़ ने चालक की कर दी हत्या

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम घमहापुर में सड़क किनारे बर्तन धोते समय महिला को कार से टक्कर लग जाने के बाद हुए विवाद में परिजनों और ग्रामीणों ने कार चालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि 26 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे एक कार ने अनियंत्रित होकर घमहा. पुर निवासी बिदू देवी (40) को टक्कर मार दी। घटना के बाद कार चालक मनीष सिंह (घमहापुर निवासी) के साथ घायल महिला के परिजनों और ग्रामीणों ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट इतनी बुरी तरीके से हुई कि मनीष सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके परि. जनों ने उन्हें इलाज के लिए बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर ले जाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जम्मू-कश्मीर: शोपियां के मदरसे पर शिकंजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शोपियां जिले के इमाम साहिब इलाके में स्थित दारुल उलूम जामिया सिराज-उल-उलूम को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया है। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 के तहत की गई है। प्रशासन ने प्रति. बंधित संगठन से कथित संबंधों, वित्तीय अनियमितताओं और परिसर के दुरुपयोग का हवाला दिया है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में संस्था पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह कार्रवाई शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) द्वारा 24 मार्च 2026 को भेजे गए एक विस्तृत डोजियर के आधार पर की गई है, जिसमें संस्था की गति. विधियों को लेकर कई आपत्तियां दर्ज की गई थीं।

पंजाब सरकार पर माकन का हमला

नई दिल्ली, वार्ता

■ आप 'अरबपतियों की पार्टी': अजय माकन

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने पंजाब के हालात को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि पंजाब में अलगाववादी ताकतें एक बार फिर सिर उठाने लगी हैं। माकन ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि देश की सरहद की रक्षा करने वाले अहम राज्य पंजाब में गैंगवार, ड्रोन के जरिए ड्रग्स की सप्लाई और बढ़ता अपराध 1980 के दशक जैसे हालात की ओर इशारा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब भी अलगाववाद बढ़ता है, उससे पहले ड्रग्स और अपराध का ग्राफ ऊपर जाता है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में मात्र 6.6 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली पार्टी को अब राज्यसभा में 85.7 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिल गया है, जो लोकतांत्रिक भावना के खिलाफ है। माकन ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी इस असंतुलन को जनता के सामने कैसे जायज ठहराएंगे। इसके साथ ही, माकन ने आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने आप को 'बीजेपी की बी टीम' और 'अरबपतियों की पार्टी' करार देते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने योग्य लोगों की जगह धनकुबेरों को राज्यसभा भेजा है। उन्होंने दावा किया कि आप से राज्यसभा पहुंचे और बाद में बीजेपी में शामिल हुए सांसदों के एफिडेविट के अनुसार उनकी औसत संपत्ति करीब 818 करोड़ रुपये है। माकन ने कहा कि ऐसे में सवाल उठता है कि यह 'आम आदमी' की पार्टी कैसे हो सकती है। माकन ने यह भी आरोप लगाया कि आप ने पहले से तय 'सेटिंग' के आधार पर नेताओं को राज्यसभा भेजा, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

युवा कांग्रेस का अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत को लेकर कथित 'हेल होल' टिप्पणी के विरोध में सोमवार को यहां अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता वरुण पांडे ने आज यहां बताया कि प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने तीन मूर्ति सर्किल से अमेरिकी दूतावास की ओर मार्च करने का प्रयास किया, लेकिन दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने आरोप लगाया कि श्री ट्रम्प लगातार भारत के खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं और 'हेल होल' जैसे शब्दों का प्रयोग कर देश का अपमान किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश के सम्मान के खिलाफ कोई भी बयान स्वीकार्य नहीं है।

असफलता से न घबराने की सीख

योगी की पाती: छात्रों के नाम मुख्यमंत्री का संदेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों के नाम एक भावनात्मक संदेश जारी किया है जिसमें मुख्यमंत्री ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए असफल छात्रों का मनोबल बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए अपने संदेश में लिखा कि इस वर्ष का परीक्षा परिणाम उत्साहजनक रहा है और अनेक छात्रों ने कठिन परिश्रम व लगन से प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने खास तौर पर उन छात्रों को संबो. धित किया है जो अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। सफलता जहां उत्साह देती है, वहीं असफलता निराशा ला सकती है, लेकिन उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही असली मार्ग है। 'चरैवेति-चरैवेति' का मंत्र देते हुए उन्होंने निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एक असफलता भविष्य की कई सफलताओं का आधार बन सकती है। कोई भी परिणाम अंतिम नहीं होता, बल्कि यह नए अवसरों की शुरुआत करता है। उदाहरण देते हुए उन्होंने महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन का जिक्र किया, जिन्होंने हजारों असफल प्रयासों के बाद बल्ब का आविष्कार किया। इसी तरह महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का उदाहरण देते हुए बताया कि बाधाओं के बावजूद उन्होंने अपने क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। यदि बच्चे अपेक्षित परिणाम न ला पाएं तो उन्हें निराश करने के बजाय उनका हौसला बढ़ाएं और उनकी रुचि व क्षमता को समझकर सही दिशा देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बच्चों में अपार संभावनाएं होती हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन देकर उनके कौशल को निखारा जा सकता है। अंत में मुख्यमंत्री ने सभी छात्रों को निरंतर प्रयास करते रहने और अपने सपनों को साकार करने का संदेश दिया।

गर्मी से मिलेगी राहत, 28 अप्रैल से तीन मई तक बदलेगा मौसम

दिल्ली-यूपी में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली।

■ पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना, असम, मेघालय में अलर्ट जारी

पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी के कारण देश की जनता का बुरा हाल है, देशभर में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी है। दुनियाभर के सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में भारत के सबसे अधिक शहर नाम दर्ज हैं। महाराष्ट्र के अकोला शहर में तो पारा 46.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो देश का सबसे अधिाक तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को दिन में जरूरी काम न होने पर घरों से न निकलने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार शाम को भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इस के चलते हफ्तेभर देश में आंधी-तफूान और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान में 3 से 4 डिग्री गिरावट देखी जा सकती है। इससे गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 28 से 30 अप्रैल तक गरज के साथ बारिश और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ इलाकों में 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं भी चलने का अलर्ट जारी किया है। पूर्वोत्तर भारत में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का होने की संभावना है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में कई जगह भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में आंधी-तूफान और बारिश होने की संभावना है। मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में भी इस हफ्ते गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जिससे यहां उमस भरा माहौल रहेगा। हालांकि राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में तापमान की गिरावट तो दर्ज की जाएगी, लेकिन हीटवेव का अलर्ट जारी रहेगा। आंधी-तूफान और बारिश के होने से तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आंधी, बिजली चमकने और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहें, बेवजह बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थान पर ही रहें।

ब्रिटिश मौलाना मदरसे पर बुलडोजर फेल

संतकबीरनगर। संतक. बीरनगर में ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान का मदरसा बुलडोजर और पोकलैण्ड से नहीं टूट रहा है। अब प्रशासन ने ड्रिल मशीनें मंगाई हैं। वजह यह है कि मदरसे का ढांचा बेहद मजबूत है।प्रशासन ने सोमवार सुबह 10 बजे दूसरे दिन की कार्रवाई शुरू की। आगे के हिस्से को तोड़ने के लिए 2 पोकलैण्ड मशीनें और 5 बुलडोजर लगाए गए हैं लेकिन थोड़ी देर बाद एक पोकलैंड मशीन में खराबी आ गई। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय पर स्थित खलीलाबाद के मीटमंडी रोड पर ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा द्वारा स्थापित मदरसा करोड़ों का है, जिसे बहुत मजबूत बनाया गया है। जिला प्रशासन ने पहले तो ब्रिटिश मौलाना के बैंक खाते सीज कर दिए इसके बाद मदरसे को सील कर दिया।

इजरायल पर भारत के रुख को नहीं मिला समर्थन

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने इजरायल-फलस्तीन मुद्दे पर भारत के रुख को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि भारत 'असामान्य रूप से इजरायल के पक्ष में खड़ा' है और ब्रिक्स देशों की बैठक में उसके रुख का अन्य सदस्यों ने समर्थन नहीं किया।

पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां बयान में कहा कि 23-24 अप्रैल को नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के उप विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक आयोजित हुई, जो बिना किसी संयुक्त वक्तव्य के समाप्त हुई। उन्होंने कहा कि इजरायल-फलस्तीन मुद्दे पर भाषा को लेकर सदस्य देशों के बीच मतभेद सामने आए और भारत द्वारा भाषा को नरम करने के आग्रह को अन्य देशों ने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यूएई और ईरान के प्रतिनिधियों ने भारत के रुख का समर्थन नहीं किया। कांग्रेस ने इसे मोदी सरकार की गलत विदेश नीति का परिणाम बताते हुए कहा कि यह देश के हितों को प्रभावित करने वाली नीति है। श्री रमेश ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र प्रमुख देश बन गया है, जो गाजा, दक्षिण लेबनान और वेस्ट बैंक में जारी घटनाओं के बावजूद इजरायल के प्रति 'अडिग समर्थन' बनाए हुए है, जिससे पारंपरिक संतुलित विद. ेश नीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 77303.63
निफ्टी 24092.70

सोना 151000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 244000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई, वार्ता

फार्मा, आईटी और ऑटो कंपनियों में अच्छी लिवाली से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट से उबरने में कामयाब रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त में 77,303.63 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 194.75 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी में 24,092.70 अंक पर रहा। इससे पहले लगातार तीन दिन दोनों प्रमुख सूचकांक टूटे थे। मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। निफ्टी-मिडकैप-50 सूचकांक 1.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.90 प्रतिशत चढ़ा। दवा बनाने वाली कंपनी सनफार्मा द्वारा इसी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी ऑर्गानॉन के अधिग्रहण की खबर के बाद भारतीय कंपनी का शेयर आज सात प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयर दो से तीन प्रतिशत चढ़े। टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी और इंफोसिस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बंद हुए। भारतीय स्टेट बैंक, इंडिगो, टाइटन, एलएंडटी, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे।

एक्सिस बैंक का शेयर तीन फीसदी लुढ़क गया। बीईएल में दो प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर भी टूट गए।

चांदी 2.44 लाख किलो पर सोना 1.51 लाख का हुआ

नई दिल्ली। सोमवार को सोने-चांदी के दाम में बढ़त दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार एक किलो चांदी 278 रुपए महंगी होकर 2,44,103 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,43,825 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 16 रुपए महंगा होकर 1,51,495 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले 23 अप्रैल को इसकी कीमत 1,51,479 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 10 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। हमेशा ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। असली चांदी चुंबक से नहीं चिपकती।

चावल, गेहूं के भाव बढ़े, चीनी, खाद्य तेलों में नरमी, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक लजस बाजारों में सोमवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी देखी गयी। चीनी और खाद्य तेलों के भाव टूट गये जबकि दालों के दामों में घट-बढ़ रही।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,849 रुपये प्रति लक्वटल पर पहुंच गयी। गेहूं चार रुपये महंगा हुआ और 2,784 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 10 रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। तुअर दाल और मसूर दाल की औसत कीमत 23.23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 14 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल में 33 रुपये और चना दाल में 11 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 62 रिंगिट टूटकर 4,535 लरगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.42 प्रतिशत नीचे 71.03 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 92 रुपये और सूरजमुखी तेल की 67 रुपये प्रति लक्वटल गिर गयी। सरसों तेल 39 रुपये और मूंगफली तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। वनस्पति 23 रुपये और पाम ऑयल 11 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 25 रुपये प्रति क्विंटल नीचे बोला गया। चीनी भी पांच रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7697.22 रुपये, मसूर काली 8107.80 रुपये, मूंग दाल 10176.13 रुपये, उड़द दाल 10840.92 रुपये, तुअर दाल 11254.45 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2783.96 रुपये और चावल 3849.47 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3264.63 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस 4305.79 रुपये और गुड़ 5019.96 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17836.83 रुपये, मूंगफली तेल 18888.60 रुपये, सूरजमुखी तेल 17441.45 रुपये, सोया तेल 14887.02 रुपये, पाम ऑयल 13415.75 रुपये और वनस्पति 14945.93 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

पूर्व डीआईजी भुल्लर पर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा

नई दिल्ली। ईडी पंजाब पुलिस के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और अन्य से संबंधित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। सीबीआई, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), चंडीगढ़ ने पूर्व डीआईजी और अन्य के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, उनके आधार पर ही ये कार्रवाई की जा रही है। इन मामलों में आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति और एक आपराधिक मामले के निपटारे के लिए बिचौलिए के माध्यम से अवैध धनराशि की मांग जैसे आरोप शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी, सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों से जुड़े 11 परिसरों (चंडीगढ़-2, लुधियाना जिला-5, पटियाला-2, नाभा-1 और जालंधर-1) में धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 17 के तहत तलाशी ली जा रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पहले खुले... फिर से खोला जाए और अमेरिका की ब्लाकेड नीति खत्म की जाए। दूसरा चरण- युद्धविराम या स्थायी शांति समझौता लागू हो। इसके बाद परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक वार्ता शुरू हो। रूस, ओमान और पाकिस्तान जैसे देश मध्यस्थता की कोशिशों में लगे हुए हैं। वहीं अमेरिका अभी इस नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन उसकी अंतिम प्रतिक्रिया स्पष्ट नहीं है। अमेरिका ने ईरान पर सख्त शर्तें रखी हैं, जिनमें कम से कम 10 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना, मौजूदा परमाणु सामग्री देश से बाहर भेजना और मिसाइल कार्यक्रम के साथ क्षेत्रीय समूहों को समर्थन खत्म करना शामिल है। ट्रम्प की नीति के अनुसार, ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीडीए को मजबूत करने में जुटी सपा

बसपा के पुराने चेहरों के सहारे राजनीतिक जमीन तैयारी करने में जुटी पार्टी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी ने अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति को मजबूत करने के लिए बहुजन समाज पार्टी के पुराने और अनुभवी चेहरों को साथ जोड़कर नई राजनीतिक जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के सूत्रों की मानें, तो समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की अगुवाई में यह रणनीति 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है।

सपा के एक सांसद ने यूएनआई को बताया कि पार्टी का मानना है कि बी आर अंबेडकर और कांशी राम की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए बसपा के पुराने नेताओं को साथ लाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से सपा लगातार ऐसे चेहरों को जोड़ रही है, जो कभी बसपा की जमीनी ताकत रहे हैं और सामा. जिक समीकरणों की गहरी समझ रखते हैं। सूत्रों की मानें तो दरअसल, सपा की पीडीए रणनीति का मुख्य आधार यही पुराने बसपा नेता बन रहे हैं। इन नेताओं ने न केवल इस रणनीति को वैचारिक मजबूती दी है, बल्कि इसे जमीन पर उतारने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनमें इंद्रजीत सरोज, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, त्रिभुवन दत्त और ददूदू प्रसाद जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं, जिन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया था। समाजवादी पार्टी के सांसद ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि सपा का लक्ष्य 2027 में सत्ता में वापसी करना है, क्योंकि वर्तमान समय में बसपा अपने पारंपरिक वोट बैंक तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में सपा इस खाली स्थान को भरने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव का पीडीए का फार्मूला इसी रणनीति का हिस्सा है। दरअसल उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा और बसपा के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। 1993 का गठबंधन दोनों दलों के लिए फायदेमंद साबित हुआ था, लेकिन बाद में दोनों अलग-अलग रास्तों पर चले गए। इसके बाद 2019 में फिर से गठबंधन हुआ, मगर अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

भगवान करवा रहे केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण: अखिलेश

इटावा। महाभारत कालीन सभ्यता से जुड़े उत्तर प्रदेश के इटावा में लायन सफारी के पास निर्माणाधीन केदारेश्वर महादेव मंदिर को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ अद्भुत कार्य खुद भगवान ही करवा रहे हैं। यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया कि जिनको करवाते खुद 'भगवान', कुछ ऐसे अनोखे होते हैं काम! इटावा में लायन सफारी के पास केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है।

गाजीपुर: पांच लाख की मदद देंगे अखिलेश यादव

■ आज गाजीपुर जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पिछले दिनों एक युवती की हत्या के बाद प्रदेश की सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस का आरोप है कि उसकी ओर से भेजे गए प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार वालों से मिलने नहीं दिया गया। इस बीच समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि गाजीपुर में हमारे लोगों के साथ बहुत खराब व्यवहार हुआ। सपा का एक प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर में पीड़ित परिवार से मिलने जाएगा, साथ ही परिवार को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी।

पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि ये सब सरकार के इशारे पर कराया गया। बीजेपी वाले जब खुद कुछ नहीं कर पा रहे, तो दूसरों से पत्र लिखवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल (आज) मंगलवार को सपा का एक और प्रतिनिधिमंडल फिर से दौरे पर जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर जाएगा और परिवार से मिलकर उनकी मदद करेगा और उनकी बात सुनकर आएगा। उन्होंने पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की भी बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यूपी में जब से बीज. ेपी की सरकार बनी है, तब से बहनों और बेटियों पर अत्याचार बढ़ा है। बीजेपी वाले महिलाओं के नाम पर रैलियां और प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन गाजीपुर की बेटी जिस हालत में मिली, एक बार उसकी तस्वीर तो देख लेते। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, बीज. ेपी के मंत्री जा रहे हैं।

सीएम ने किया चारधाम यात्रा के लिए एलपीजी आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/ देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में भेंट कर उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों एवं आपदाजन्य संवे. दनशीलता के दृष्टिगत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के निर्बाध, सुरक्षित एवं सुचारू संच. ालन के लिए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को पूर्ववत् 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने अवगत

कराया कि राज्य में अप्रैल से नवम्बर तक संचालित होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है, जिससे व्यावसायिक एलपीजी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस अवधि में राज्य को लगभग 9,67,949 व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यकता होती है। साथ ही साथ यह समय प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जून से सितम्बर के मध्य मानसून अवधि में राज्य को प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। पर्वतीय भू-भाग एवं दुर्गम परिस्थितियों के कारण आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में एलपीजी गैस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने व्यावसायिक सिलेंडरों का अतिरिक्त 5 प्रतिशत (लगभग 48,397 सिलेंडर) आवंटन सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों का प्रभावी एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने मुख्यमंत्री धामी के प्रस्तुत सभी प्रस्तावों पर आवश्यक कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था मुख्यत: पर्यटन आधारित है, जिसमें धार्मिक पर्यटन, तीर्थाटन एवं साहसिक पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। चारधाम यात्रा और पर्यटन राज्य की आस्था, सांस्कृतिक पहचान एवं आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार है। उन्होंने प्रदेश में घरेलू गैस की आपूर्ति भी सुचारू रखने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन प्रदान किया तथा राज्य के हितों के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया।

प्रो. शिवेन्द्र कश्यप बने पंतनगर कृषि विवि के नए कुलपति

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर का कुलपति नियुक्त किया है।

प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप को उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक या अग्रेत्तर आदेश तक जो भी पहले हो, तक की अवधि के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप वर्तमान में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में ही कार्यरत हैं।प्रोफेसर शिवेन्द्र कश्यप वर्ष 2019 से पंतनगर विश्वविद्यालय में रैंकिंग टीम के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अब

लोकभवन की ओर से आदेश जारी

उन्हें नई जिम्मेदारी देते हुए कुलपति नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि प्रो. कश्यप एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद हैं, जिन्हें कृषि शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आईसीएआर सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, कृषि संचार विभागाध्यक्ष, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, विश्व बैंक पोषित एनएएचईपी परियोजना के प्रधान अन्वेषक, डीएसटीटीईसीपरियोजना के पीआई व कई अन्य परियोजनाओं में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। वर्ष 2019 से वे पंतनगर विश्वविद्यालय में रैंकिंग टीम के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

विपक्ष के पास मातृ शक्ति के सम्मान में खड़े होने का आखिरी अवसर है विशेष सत्र : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने कल (आज) होने वाले विशेष सत्र को महिला अधिकारों के हनन पर देवभूमि के आक्रोश का प्रकटीकरण बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने प्रदेश कांग्रेस विधायकों को सुझाव दिया कि उनके पास आखिरी मौका है, अपने केंद्रीय नेताओं से उलट महिला हितों में प्रस्ताव का समर्थन करने का। अन्यथा इस बार 27 के चुनावों में मातृ शक्ति, कांग्रेस को खाता भी नहीं खोलने देगी

उन्होंने कहा, जो कुछ संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के खिलाफ अन्याय किया गया वो अक्षम्य है। हालांकि कांग्रेस और विपक्ष की कभी भी मातृ शक्ति को अधिकार सम्पन्न बनाने की नीयत नहीं रही है। पहले 60 साल सरकार में रहते महिला आरक्षण के मुद्दे को दबाए रखा और जब भाजपा ने समर्थन से राज्यसभा में पास कराया तो लोकसभा में विधेयक पेश ही नहीं किया। लेकिन इस बार संसद में महिला आरक्षण की खिलाफत में

महिला अधिकारों के हनन पर देवभूमि के आक्रोश का प्रकटीकरण है सत्र, सत्र में समर्थन दे कांग्रेस, अन्यथा 27 में खाता नहीं खुलने वाला

कांग्रेस और विपक्ष ने किया उससे महिलाओं में जबरदस्त आक्रोश है। जनता, महिला अधिकारों का विरोध करने वाली मानसिकता को लोकतांत्रिक तरीके से सबक सिखाना चाहती है। देवभूमि की माता बहिनों की भावनाओं और इच्छाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के आवाज को देश में पहुंचाने के लिए विशेष सत्र का आयोजन हो रहा है।

उन्होंने कांग्रेस विधायकों को सुझाव देते हुए कहा कि इस सत्र का वे मातृ शक्ति के सम्मान में खड़े होने के आखिरी अवसर के रूप में करें। क्योंकि जो कुछ उनके केंद्रीय नेतृत्व ने संसद में किया वह पूर्णतया अक्षम्य है, लेकिन शायद सदन में माफी के बाद स्थानीय विधायकों की सजा कुछ कम हो जाए। अन्यथा प्रदेश की जनता विशेषकर मातृ शक्ति कांग्रेस और विपक्ष को लोकतांत्रिक तरीके से करारा सबक सिखाने के लिए तत्पर है। जिस तरह का गुस्सा महिलाओं और प्रदेशवा. सियों में विपक्षी गद्दारी को लेकर है, उससे तो कांग्रेस का इस बार 27 के चुनावों में खाता खुलना भी असंभव है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि कांग्रेस व विपक्षी दल महिला आरक्षण को लेकर अब कितनी भी सफाई और दलीलें पेश कर लें जनता उनकी बातों में आने वाली नहीं है। देश की जनता ने कांग्रेस व विपक्ष का चेहरा संसद में देख लिया है।

अतिरिक्त बिजली प्रबंधन के लिए उठाएं ठोस कदम: सीएस

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव, आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में राज्य में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने मई एवं जून माह में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अतिरिक्त विद्युत प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व में ही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में यूपीसीएल द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराया गया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि देशभर में हीट वेव के प्रभाव से विद्युत मांग में तीव्र वृद्धि हुई है, वहीं अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गैस की सीमित उपलब्धता से राज्य के गैस आधारित संयंत्रों से उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके अतिरिक्त, नदियों में जल स्तर में कमी के कारण जल विद्युत उत्पादन में गिरावट आई है तथा चालू वित्तीय वर्ष में औसतन लगभग 5% की मांग वृद्धि दर्ज की जा रही है। उपभोक्ताओं द्वारा इंडक्शन कुकर

मुख्य सचिव ने गर्मी बढ़ने से विद्युत मांग बढ़ने पर ली यूपीसीएल के साथ उच्च स्तरीय बैठक, यूपीसीएल उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध: एमडी यूपीसीएल

केन्द्रीय पुल से अतिरिक्त 150 मेगावाट विद्युत उपलब्ध कराने का मिला है आश्वासन

एवं अन्य विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग से अतिरिक्त 50 से 100 मेगावाट तक का लोड भी सिस्टम पर आया है, जिससे पीक डिमांड के समय दबाव और बढ़ा है।

वर्तमान समय में देशभर में पड़ रही भीषण गर्मी एवं हीट वेव के कारण विद्युत मांग ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच गई है। दिनांक 24 अप्रैल 2026 को भारत की अधिकतम विद्युत मांग लगभग 252 गीगावाट दर्ज की गई, जो नई 2024 के लगभग 250 गीगावाट के पूर्व रिकॉर्ड से अधिक है। पिछले वर्ष जून 2025 में यह मांग लगभग 242 गीगावाट रही थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में यह मांग 270 से 277 गीगावाट तक पहुँचने का अनुमान है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड राज्य में भी 24 अप्रैल 2028 को अधिकतम मांग 2646 मेगावाट तथा 25 अप्रैल 2026 को 2647 मेगावाट दर्ज की गई है।

राज्य सरकार के सक्रिय प्रयासों से भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल से अतिरिक्त 150 मेगावाट विद्युत उपलब्ध कराने का आश्वासन प्राप्त हुआ है, जिससे आगामी दिनों में आपूर्ति व्यवस्था और सुदृढ़ होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, ऊर्जा एक्सचेंज के माध्यम से अग्रिम रूप से विद्युत क्रय की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि उपभोक्ताओं पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। इसी क्रम में आज मुख्यालय (ऊर्जा भवन) में यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक से हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड के अध्यक्ष प्रभोध सक्सेना द्वारा शिष्टाचार भेंट की गई। इस दौरान उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश के मध्य जून 2026 के लिए विद्युत उपलब्धता को लेकर बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दिशा में वार्ताएं सकारात्मक रूप से प्रगति पर है, जिससे आगामी अवधि में राज्य की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। यूपीसीएल अपने सभी उपभोक्ताओं को आश्वस्त करता है कि इस चुनौतीपूर्ण समय में भी विद्युत आपूर्ति को सुचारु, विश्वसनीय एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, सभी उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वे बिजली का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, विशेषकर पीक आवर्स (शाम के समय) में अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचें, ताकि सभी को समान रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

देश के 40 से अधिक शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। उत्तर एवं मध्य भारत में सामान्य से अधिक तापमान के कारण घरेलू एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों में एयर कंडीशनर, कूलर एवं अन्य विद्युत उपकरणों के उपयोग में तीव्र वृद्धि हुई है, जिससे बिजली की मांग में अभूतपूर्व उछाल आया है।

इस अत्यधिक मांग के कारण राष्ट्रीय स्तर पर पीक आवर्स के दौरान विद्युत की उपलब्धता सीमित हो रही है। यहां तक कि ऊर्जा एक्सचेंज में अधिकतम निर्धारित दर ₹10 प्रति यूनिट पर भी पर्याप्त विद्युत उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

इन परिस्थितियों के बावजूद यूपीसीएल उपभोक्ताओं को यथासंभव निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदान करने हेतु पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, प्रबंध निदेशक यू जे वी एन एल, प्रबंध निदेशक यूपीसीएल के साथ मुख्य अभियंता (वाणिज्य) एन एस बिष्ट, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) नवीन मिश्रा तथा मैसर्स मार्कांडोज से आकाश शर्मा उपस्थित रहे।

महिलाएं लेकर रहेंगी अपना अधिकार: रेखा आर्या

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने विपक्षी दलों पर महिलाओं को आरक्षण के उनके अधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि महिलाएं अपना अधिकार लेकर रहेंगी और जिन दलों ने सदन में विधेयक का विरोध किया है उन्हें आधी आबादी सबक सिखाएगी।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सोमवार को विधानसभा स्थित सभागार में पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के नेता लंबे समय से महिला आरक्षण में अड़ंगा लगाने का काम कर रहे हैं। इस बार भी जब केंद्र सरकार ने गंभीरता पूर्वक महिलाओं को आरक्षण देने की कोशिश की तो विपक्ष ने बहाने

कहा - जिन दलों ने सदन में विधेयक का विरोध किया है उन्हें आधी आबादी सबक सिखाएगी

बाजी करके इस बिल को पारित नहीं होने दिया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि 28 अप्रैल को देहरादून में होने वाली आक्रोश मशाल रैली में आम महिलाओं का गुस्सा देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा आधी आबादी को लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण देने पर अडिग है और आज नहीं तो कल इस कार्य का श्रेय भी मोदी सरकार को ही मिलेगा।

एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल जैसे परिवारवादी दलों में एक खास परिवार की महिलाओं को तो एक तरह से अघोषित आरक्षण दिया जा रहा है। लेकिन यही पार्टियां आम महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं राजनीतिक रूप से बेहद सजग हैं और विपक्षी दलों की इस ऐतिहासिक गलती की सजा जनता चुनाव में देगी।

वाहन दुर्घटना की मजिस्ट्रेट जांच के दिए निर्देश

नई टिहरी। जिला मजिस्ट्रेट नितिका खण्डेलवाल ने बीती 21 अप्रैल को वाहन के कोडियाला की तरफ व्यासी के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराकर दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच के निर्देश दिए है। वाहन दुर्घटना में सवार एक महिला की मृत्यु व 6 व्यक्ति घायल हुए हैं। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने तथा सुझाव प्राप्त करने एवं दुर्घटना के कारणों की मजिस्ट्रीयल जांच के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट नरेन्द्रनगर आशीष चन्द्र घिल्डियाल को जांच अधिकारी नामित किया है। जांच अधिकारी दो सप्ताह के भीतर मजिस्ट्रीयल जांच में विभिन्न बिन्दुओं जैसे दुर्घटना की तिथि, समय व मोटर मार्ग, दुर्घटनाग्रस्त वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर, परमिट संख्या तथा उसकी वैधता, दुर्घटना में मृत एवं घायल लोगों के नाम व पता, वाहन खराबी, तकनीकी परीक्षण आदि का स्पष्ट विवरण सहित आख्या दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम धामी ने ली निर्माणाधीन आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना प्रगति की जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/ देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष जयंत सिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में बैठक की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चम्पावत जनपद के बनबसा (गुदमी) क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर निर्माणाधीन आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। इस परियोजना को एशियन हाईवे से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री धामी ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जनपद के सीमावर्ती क्षेत्रों धारचूला

सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार व आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण को लेकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक

एवं झूलाघाट में सीमा व्यापार, आवागमन तथा आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किए जाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं जनहितों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाए, जिससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जिससे सुगमता के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय निवा. सियों की सुविधा के लिए चल रहे कार्यों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

यूपीईएस में वैश्विक सहमति को मिला नया आयाम

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। यूपीईएस में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल पीस फॉर ग्रोथ (आईसीएसपीजी-2026) में देश-विदेश के शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और सामाजिक नवाचारकर्ताओं ने शांति आधारित विकास मॉडल पर व्यापक चर्चा की। सम्मेलन ने वैश्विक स्तर पर शांति, समानता और सततता को विकास की नई दिशा के रूप में स्थापित करने पर सहमति जताई।

सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और भू-राजनीतिक चुनौतियां आपस में जुड़ती जा रही हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि स्थायी विकास केवल न्यायपूर्ण व्यवस्था, मजबूत संस्थानों और सामाजिक सौहार्द के साथ ही संभव है। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति डॉ.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शांति आधारित विकास मॉडल पर हुआ मंथन आईसीएसपीजी-2026 का आयोजन, शांति, समानता व सततता को विकास की नई दिशा मानने पर जोर

विज्ञान, नैतिक प्रौद्योगिकी, संस्कृति, सुशासन पर हुआ विमर्श

सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से एसडीजी-16, के अनुरूप एकीकृत और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया गया।

सम्मेलन की खासियत 'बैरोमीटर्स ऑफ पीस' थी, जिसके तहत विज्ञान, नैतिक प्रौद्योगिकी, संस्कृति, सुशासन, पर्यावरण और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में संस्कृति, शिक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। नवाचार प्रदर्शनी और पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों और शोधकर्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

सुनील राय ने किया। उन्होंने कहा कि सतत विकास की आधारशिला शांति, समानता और मजबूत संस्थागत ढांचे पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि शांति कोई अमूर्त अवधारणा नहीं, बल्कि समावेशी विकास का आधार है।

अध्यक्ष डॉ. राम शर्मा, कुलसचिव मनीष मदान और डॉ. वीणा दत्ता ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सतत प्रथाओं को अपनाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

सम्मेलन का आयोजन डॉ. अश्विनी नांगिया और डॉ. जितेंद्र पांडेय के नेतृत्व में किया गया। यह बहु-विषयक मंच विभिन्न क्षेत्रों के दृष्टिकोणों को जोड़ते हुए व्यावहा. रिक समाधान प्रस्तुत करने में सफल रहा। सम्मेलन में पद्म विभूषण से सम्मानित सोनल मानसिंह, सच्चिदानंद जोशी, मीनाक्षी गुप्ता सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण: आर्य

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखंड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार पूरी तरह संवेदनहीन और जनविरोधी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं पर मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और समाज के कमजोर वर्गों की जिम्मेदारी है, उन्हें ही अपने हक के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीमित संसाधनों में वर्षों से सरकारी योजनाओं को जमीन पर लागू कर रही हैं। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के पोषण, टीकाकरण जागरूकता, कुपोषण उन्मूलन और सैनिटरी नेपकिन वितरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के

सदन से लेकर सड़क तक पूरी मजबूती से उठाऐंगे आंगनबाड़ी बहनों की आवाज

बावजूद उन्हें समय पर मानदेय तक नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महीनों से मानदेय लंबित है, दो वर्षों से भवन किराया नहीं दिया गया और कोविड काल में घोषित पारितोषिक भी अधूरा छोड़ दिया गया। इसके अलावा धरना अवधि का भुगतान नहीं हुआ, कुक्ड फूड और टीएचआर की राशि भी अटकी हुई है। ढुलान का कोई प्रावधान नहीं है और सैनिटरी नेपकिन योजना में भी कार्यकर्ताओं पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। आर्य ने कहा कि सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्थिति इसके विप. रीत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत सभी लंबित भुगतानों का निस्तारण नहीं किया, तो आंदोलन पूरे प्रदेश में और व्यापक होगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अब भी नहीं चेती, तो विपक्ष इस मुद्दे को विधानसभा से लेकर सड़कों तक मजबूती से उठाएगा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संघर्ष करेगा।

केदारनाथ यात्रा: श्रद्धालु को मौत के मुंह से खींच लाई प्रशासन की तत्परता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जिला प्रशासन की संवेदनशीलता एक बार फिर मिसाल बनी है। प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के संयुक्त प्रयासों से एक 20 वर्षीय नेपाली श्रद्धालु को समय रहते एयर रेस्क्यू कर सुरक्षित हायर सेंटर भेजा गया, जिससे उनकी जान बच सकी।

गंभीर बीमार नेपाली श्रद्धालु का एयर रेस्क्यू

जानकारी के अनुसार, जुमला नेपाल निवासी 20 वर्षीय लक्ष्मण अधिकारी यात्रा के दौरान अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गए। उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केदारनाथ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अविलंब उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर करने की सलाह दी।

मरीज की जान बचाने के लिए जिला प्रशासन ने तत्काल मोर्चा संभाला। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों पर राहत टीमें सक्रिय हुईं। सोमवार दोपहर सवा एक बजे एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की संयुक्त टीम ने मरीज को अस्पताल से केदारनाथ हेलीपैड तक पहुंचाया। बिना समय गंवाए हेली सेवा के माध्यम से उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र, जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग के लिए सुरक्षित रवाना किया गया।

24x7 अलर्ट मोड पर प्रशासन

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन की टीमें अलर्ट मोड पर हैं। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और सुरक्षा बलों के बीच जो समन्वय दिखा, उसी का परिणाम रहा कि बेहद कम समय में मरीज को उचित उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जा सका। यात्रा के दौरान प्रत्येक श्रद्धालु का जीवन अनमोल है। आपात स्थिति में त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए सभी टीमें 24 घंटे तैनात हैं। हमारा लक्ष्य सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना है। - विशाल मिश्रा, जिलाधिकारी

आंगनबाड़ी की हड़ताल जारी 1052 केंद्रों पर लटके ताले

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल 27वें दिन भी जारी रही, जिसके चलते 6 विकास खंडों के 1052 आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले लटके हुए हैं। केंद्रों के बंद रहने से वनलाई कार्य, टेक-होम राशन, कुक्कड़ फूड और पोषण आहार जैसी सभी सेवाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यकर्ताओं का धरना जारी है। सोमवार को विकास भवन परिसर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। डुंडा, चिन्यालीसौड़, नौगांव और मोरी समेत सभी ब्लॉकों में केंद्रों का बहिष्कार जारी है।

ब्लॉक अध्यक्ष किरण भंडारी और सुमित्रा देवी ने बताया कि प्रदेश स्तर पर प्रस्तावित महारैली से पहले 29 अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वार्ता के लिए बुलाया गया है।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों के पदाधिकारी इस बैठक में शामिल होंगे। यदि वार्ता में कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की प्रमुख मांगों में मासिक मानदेय 18,000 रुपये किया जाना, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, और बायोमीट्रिक प्रणाली से अलग रखने की मांग शामिल है।

धरना स्थल पर पहुंचीं भाजपा महिला मोर्चा की गढ़वाल सह संयोजक विनीता रावत ने भी कार्यकर्ताओं का समर्थन करते हुए उनकी मांगों को जायज बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री तक पहुंचाया जाएगा। धरने में किरण भंडारी, सुमित्रा देवी, वंदना नौटियाल, संगीता देवी, हेमलता, पार्वती, राजकुमारी, शारदा देवी, बीना भारती, रेखा देवी, प्रवीना देवी और गुड्डी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

एनआईटी के छात्र का पता न लगने पर विद्यार्थियों में आक्रोश व्याप्त

श्रीनगर। बीते रविवार को एनआईटी श्रीनगर में बीटेक तृतीय वर्ष में अध्ययनरत तेलंगाना निवासी छात्र के अलकनंदा नदी में डूबने के बाद सोमवार को अन्य छात्र-छात्राओं ने परिसर में धरना देते हुए आक्रोश जताया। आक्रोशित छात्रों ने कहा कि घटना होने के बाद से स्थानीय प्रशासन द्वारा रेस्क्यू कार्य में देर की जा रही है, जबकि छात्र को खोजने के लिए उपयोग में लाये जा रहे एसडीआरएफ के उपकरण पर्याप्त नहीं है। छात्र कार्तिकेय, प्रतीक, आदित्य, रोहित, सौरभ और नमन ने बताया कि छात्र के डूबने के बाद से प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई संतुष्ट पूर्ण नहीं हुई नहीं है। छात्रों ने कहा कि जब तक अलकनंदा नदी में लापता हुए छात्र को नहीं ढुंढ कर नहीं निकाला जाता है, तब तक धरना जारी रहेगा। इधर, एनआईटी के कुलसचिव हरि मौल आजाद ने बताया कि स्थानीय प्रशासन से रेस्क्यू अभियान तेज किए जाने की सहयोग मांगा गया है। बताया कि प्रशासन के सहयोग और रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी लाने को लेकर देहरादून से टीम पहुंच चुकी है। साथ ही उपजिलाधिकारी श्रीनगर नुपूर वर्मा ने धरना स्थल पर पहुंचकर छात्रों से रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने को लेकर जानकारी दे दी है। वहीं नायब तहसीलदार कैलाश रवि ने बताया कि देहरादून से जल पुलिस की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है।

बीते दिन अलकनंदा नदी में बह गया था छात्र, छात्रों का धरना जारी

श्रीमद भागवत कथा शुभारंभ को लेकर निकली कलश यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी । तहसील बड़कोट अंतर्गत ठकराल पट्टी के नगाण गांव में भाजपा उत्तराखंड के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान की स्वर्गीय धर्मपत्नी उमा चौहान के असमय निधन के पश्चात उनकी आत्मा की शांति एवं पितरों की सद्गति के लिए सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ सोमवार से हुआ।

बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर भक्ति भाव के साथ कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। कलश यात्रा की शुरुआत गांव से गंगनानी स्थित त्रिवेणी घाट गंगा , यमुना, केदार गंगा तट से भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ हुई, जहां श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ पवित्र स्नान कर कलश यात्रा निकाली। इसके पश्चात जमदग्नि ऋषि महाराज की डोली के साथ श्रद्धालु नगाण गांव पहुंचे, जहां विधिवत मंडप पूजन और धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान प्रसिद्ध बाल कथाकार पं० आयुष कृष्ण नयन जी महाराज के मुखारबिंदु से श्रीमद् भागवत कथा के प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करते हुए श्रीमद्भागवत महात्म्य का प्रसंग का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति एवं सदाचार का संदेश दिया।

वहीं मनवीर सिंह चौहान ने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा श्रवण हेतु उपस्थित होने का आग्रह करते हुए इसे पुण्य अर्जित करने की अपील की गई है। यह धार्मिक आयोजन 3 मई तक चलेगा, जिसमें क्षेत्र के सभी ग्रामीणों को आमंत्रित किया गया है।

पुरोला में महारैली से चढ़ा सियासी पारा, जिस मंच ने बनाया, वही अब चुनौती

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला। पुरोला विधानसभा में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तापमान तेजी से चढ़ने लगा है । यह भाजपा के भीतर ही विकास कार्यों की श्रेय लेने की लड़ाई अब खुलकर सामने आ गई है, जो आने वाले चुनावी समीकरणों को पूरी तरह बदल सकती है।

एक ओर वर्तमान विधायक दुर्गेश लाल और उनके समर्थक केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का श्रेय लेने में जुटे हैं, तो दूसरी ओर पूर्व विधायक और वर्तमान दर्जाधारी मंत्री राजकुमार के समर्थक उन्हीं कार्यों को अपने कार्यकाल का परिणाम बताते हुए सोशल मीडिया पर खुलकर मोर्चा संभाले हुए हैं। यह खींचतान अब केवल अंदरूनी चर्चा तक सीमित नहीं रही, बल्कि डिजिटल मंचों पर खुली सियासी भिड़ंत में बदल चुकी है।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो विधायक दुर्गेश लाल का बेबाक और कई बार विवादित अंदाज पहले भी चर्चाओं में रहा हैख़्वाहे वह अपनी ही सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों पर टिप्पणी हो या पार्टी के पूर्व विधायकों के खिलाफ बयानबाजी। ऐसे में यह टकराव पार्टी के भीतर असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

इसी बीच एक और दिलचस्प पहलू सामने आ रहा है। भाजपा से दो बार विधायक रह चुके मालचंद इन दिनों पूरी तरह शांत नजर आ रहे हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में उनकी चुप्पी को रणनीतिक माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि मौजूदा हालात में जनता का भरोसा धीरे-धीरे उनकी ओर झुकता दिख रहा है। उनकी सादगी, संतुलित व्यवहार और बिना विवाद की राजनीति उन्हें फिर से एक मजबूत विकल्प बना रही है।

सूत्रों की मानें तो अगर भाजपा आगामी चुनाव में मालचंद पर दांव खेलती है, तो पुरोला सीट पर पार्टी की राह आसान हो सकती है। वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिन क्षेत्रों से बड़े-बड़े विकास के दावे किए जा रहे हैं, वहीं समस्याओं का अंबार लोगों में नाराजगी को बढ़ा रहा है। खासकर विधायक के गृह ब्लॉक में हालात को लेकर जनता में असंतोष साफ झलक रहा है, जो पार्टी के लिए खतरे की घंटी बनता जा रहा है।

पूरे घटनाक्रम में नया मोड़ तब आया, जब "रवांई जन एकता मंच" ने 30 अप्रैल को विधायक दुर्गेश लाल के गृह क्षेत्र मोरी में महारैली का ऐलान कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इसी मंच को कभी विधायक की राजनीतिक पाठशाला माना जाता था, और अब वही मंच उनके खिलाफ मोर्चा खोलता नजर आ रहा है। अब सबकी नजरें इस महारैली पर टिकी हैं क्या यह सिर्फ शक्ति प्रदर्शन होगा या फिर 2027 चुनाव से पहले पुरोला की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने वाली निर्णायक शुरुआत? फिलहाल इतना तय है कि यह सियासी टकराव आने वाले दिनों में और तेज होने वाला है।

30 अप्रैल की हुंकार या चेतावनी , पुरोला में बीजेपी के लिए खतरे की घंटी

आर्ट एवं ड्रामा कार्यशाला का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। डॉ पितांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के बीएड विभाग में दो दिवसीय आर्ट एवं ड्रामा कार्यशाला का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर नेगी ने भावी शिक्षकों के व्यावसायिक गुणों के संवर्धन में इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि कला और नाट्य गतिविधियां शिक्षण को प्रभावी, जीवंत और विद्यार्थियों के लिए अधिक आकर्षक बनाती हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बीसी शाह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संदर्भदाताओं, प्रसिद्ध रंगकर्मी अनुसूया प्रसाद डंगवाल, कोटद्वार एवं वीर सिंह मणी का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रोफेसर बहुगुणा ने अपने व्याख्यान में व्यक्तित्व विकास में कला एवं संस्कृति की भूमिका और महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। दो दिवसीय इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को कला एवं नाट्य मंचन की बारीकियां, मानव सभ्यता एवं संस्कृति के संवर्धन में कला और नाटक का योगदान, व्यक्तित्व एवं समाज के उत्थान में नाट्य मंचन का प्रभाव, तथा एक शिक्षक की रंगकर्मी के रूप में भूमिका जैसे विषयों पर प्रायोगिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बीसी शाह, संदर्भदाता अनुसूया प्रसाद डंगवाल, वीर सिंह मणी, प्रोफेसर बहुगुणा, डॉ सुनीता नौटियाल, डॉ एसके आर्य, डॉ डीबी सिंह, डॉ डीके मौर्य सहित बड़ी संख्या में बीएड के प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

एक नजर .....

पुलिस ने अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

कोटद्वार । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौड़ी के दिशा-निर्देशन में जनपद में नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं नशा तस्करी की रोकथाम हेतु पौड़ी पुलिस द्वारा नशा तस्करी के विरुद्ध लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दैनिक चेकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए कोतवाली कोटद्वार पुलिस द्वारा एक व्यक्ति गौरव पाल पुत्र राम सिंह, निवासी - सिंबलचौड़, कोटद्वार को 60 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ सिंबलचौड़ से गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में अभियुक्त के विरूद्ध कोतवाली कोटद्वार में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोगर पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

लकड़ी पड़ाव एवं बेलाडाट चौराह पर लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

कोटद्वार। सोमवार सुबह डायल 112 के माध्यम से फायर स्टेशन कोटद्वार को सूचना प्राप्त हुई कि लकड़ी पड़ाव एवं बेलाडाट चौराह, कोटद्वार क्षेत्र में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन प्रभारी के निर्देशन में फायर यूनिट को तत्काल सक्रिय किया गया। फायर स्टेशन कोटद्वार की टीम ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए कम समय में दोनों घटनास्थलों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा तुरंत राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। प्रथम स्थान पर एक टिन शेड से निर्मित दुकान, जो काफी समय से बंद पड़ी थी, उसके अंदर आग लगी हुई थी। वहीं बेलाडाट चौराह क्षेत्र स्थित द फूडी फ्रेंड्स फैमिली रेस्टोरेंट में भी आग लगी थी, जो धीरे-धीरे फैलने की स्थिति में थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एमएफई से पंपिंग कर होजरील के माध्यम से लगातार पानी डालकर आग पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया तथा दोनों स्थानों पर आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। फायर सर्विस टीम की मुस्तैदी, त्वरित कार्रवाई एवं दक्षता के चलते आसपास की दुकानों को आग की चपेट में आने से सुरक्षित बचा लिया गया तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

इतिहास विभाग में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

कोटद्वार । राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के इतिहास विभाग में विभागीय परिषद के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी द्वारा पुरस्कार वितरित किये गए । विभाग प्रभारी डॉ प्रवीन जोशी ने बताया कि सत्र 2025-26 में इतिहास विभाग द्वारा विभागीय परिषदीय प्रतियोगी कार्यक्रमों के अंतर्गत उत्तराखंड के ऐतिहासिक स्थलों का सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व नामक विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा नामक विषय पर भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें डॉ जुनीष कुमार के नेतृत्व में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बीए तृतीय सेमेस्टर की आयुश्री त्रिपाठी को प्रथम स्थान, एमए चतुर्थ सेमेस्टर की दीक्षा घिल्डियाल को द्वितीय स्थान एवं एमए चतुर्थ सेमेस्टर की आँचल रावत को तृतीय स्थान हेतु पुरस्कृत किया गया । डॉ नवरतन सिंह के नेतृत्व में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में श्रेया नेगी एमए चतुर्थ सेमेस्टर को प्रथम स्थान, आँचल रावत एमए चतुर्थ सेमेस्टर को द्वितीय स्थान तथा दीक्षा घिल्डियाल एमए चतुर्थ सेमेस्टर को तृतीय स्थान हेतु प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया । विभाग प्रभारी डॉ प्रवीन जोशी ने बताया कि इतिहास विभाग द्वारा उक्त प्रतियोगी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त इस सत्र में इतिहास एक अध्ययन एवं मानवतावादी दृष्टिकोण विषय पर एक संगोष्टी तथा छात्रों के कैरियर उन्नयन हेतु आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में एक व्याख्यान गोष्टी का भी आयोजन किया गया था जिसमें राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रोफेसर विकास नौटियाल द्वारा छात्र-छात्राओं को संघ लोक सेवा आयोग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संबंधी जानकारी दी गई थी । प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने सभी विजेता प्रतिभागियों की सराहना की।

श्रीनगर में प्री-लोक अदालत बैठक आयोजित

श्रीनगर। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के निर्देशानुसार आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन को लेकर रविवार को प्री-लोक अदालत बैठक आयोजित की गई। सिविल जज एवं तहसील विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष अलका की अध्यक्षता में हुई बैठक में 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण को सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों से लोक अदालत के माध्यम से मामलों के शीघ्र और आपसी सहमति से निपटारे में सहयोग करने की अपील की।

शॉर्ट सर्किट से आवासीय भवन जलकर राख, झुलसने से दो लोग घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। डुंडा तहसील के जुणगा गांव के डांगडा तोक में रविवार देर रात्रि को शॉर्ट सर्किट से एक आवासीय भवन जलकर राख हो गया और दो लोग झुलसने से घायल हो गए।

जिससे गांव में अफरा तफरी मच गई जब लोग गहरी नींद में थे तभी आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा मकान उसकी चपेट में आ गया। आग से झुलसने से दो घायलों को उपचार के लिए 108 के माध्य से जिला अस्पताल उत्तरकाशी पहुंचाया गया। इधर सूचना मिलते ही ब्रह्मखाल चौकी की पुलिस, फायर सर्विस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी और मकान पूरी तरह जल कर खाक हो चुका था। इधर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शरदुल गुसांई ने बताया कि जुणगा गांव में रविवार देर रात को आगजनी की सूचना मिली है। सूचना पर तत्काल दमकल, आपदा प्रबंधन ,एसडीएआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हुई।

आग से महेश सिंह भण्डारी, पुत्र शीशपाल सिंह भण्डारी और अनिल सिंह भण्डारी पुत्र शीशपाल सिंह भण्डारी का मकान जलकर राख हो गया। साथ ही आग की चपेट में सुमेर सिंह पत्र स्व० कीर्तन सिंह भण्डारी और प्रमिला देवी पत्नी सोहन सिंह भण्डारी घायल हुए है, जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है ।

जन संवाद में गूंजीं गांव की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला कार्यालय सभागार में अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में जनता की शिकायतों पर त्वरित सुनवाई की गई। इस दौरान सात मामले सामने आए, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के लिए एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान करने के सख्त निर्देश दिए।

जन संवाद में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों और नागरिकों ने अपनी मूलभूत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ग्राम पंचायत डोबलिया के प्रधान मनीष चंद्र ने शिकायत की कि जखन्याल गांव में पानी का टैंक लीक होने के कारण जलापूर्ति बाधित होन की शिकायत दर्ज की, बिजराकोट के ग्रामीणों ने पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित चोपड़ा-उडामांडा मोटर मार्ग की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि बौरा और रिंगदेरी के पास सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। भटवाड़ी गांव के ग्रामीणों ने सुरक्षा की दृष्टि से विस्थापन की गुहार लगाई, वहीं तुनेटा निवासी कुंवर सिंह ने अपनी भूमि के सीमांकन का अनुरोध किया।

दर्ज सात शिकायतों में से तीन मौके पर निस्तारण

सीएम पोर्टल पर लंबित मामलों पर नाराजगी

रुद्रप्रयाग। बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाईन पोर्टल की समीक्षा भी की गई। एडीएम ने पाया कि एल-1 स्तर पर 119 और एल-2 स्तर पर 10 शिकायतें अभी भी लंबित हैं। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों को अनावश्यक रूप से लटकाने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनता की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है।

अधिकारी सीएम पोर्टल और जन संवाद की शिकायतों को गंभीरता से लें। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्याम सिंह राणा, अपर जिलाधिकारी इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी, एसडीएम जखोली भगत सिंह फोनिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा सहित जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

घोड़ा-खच्चर संचालन से केदारनाथ यात्रा बनी अधिक सुगम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम यात्रा इस वर्ष बेहतर प्रबंधन और सुदृढ़ व्यवस्थाओं के चलते सफलता की नई मिसाल पेश कर रही है। यात्रा शुरू होने के मात्र पांच दिनों के भीतर ही डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल, हेलीकॉप्टर, डंडी-कंडी के साथ-साथ घोड़ा-खच्चरों के माध्यम से धाम तक पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा सुगम और व्यवस्थित बनी हुई है।

यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर पशुपालन विभाग द्वारा घोड़े-खच्चरों के संचालन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत के अनुसार इस वर्ष 8,300 घोड़े-खच्चरों का फिटनेस परीक्षण किया गया है, जबकि 7,359 पशुओं का डिजिटलीकरण कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित किया गया है। पंजीकृत पशुओं के माध्यम से ही श्रद्धालुओं के आवागमन और माल ढुलाई का कार्य किया जा रहा है।

8,300 पशुओं का हुआ फिटनेस परीक्षण 19 स्थानों पर गर्म पानी की व्यवस्था

उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 19 हजार श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं। पशुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग पर 19 स्थानों पर गर्म पानी की व्यवस्था की गई है। इनमें 6 स्थानों पर निरंतर गर्म पानी उपलब्ध है, जबकि 13 स्थानों पर गीजर के माध्यम से यह सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे पशुओं को ठंड से राहत मिल सके।

घोड़े-खच्चरों के संचालन की निगरानी के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। बिना लाइसेंस और बीमा के संचालन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक नियमों के उल्लंघन पर तीन एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त सोनप्रयाग, गौरीकुंड, बड़ी लिनचोली और रुद्रा प्वाइंट पर पशु चिकित्सालय संचालित किए जा रहे हैं, जबकि भीमबली में चेकिंग प्वाइंट स्थापित किया गया है। गौरीकुंड में घोड़े-खच्चरों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण और दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा जारी एसओपी के तहत संचालित ये व्यवस्थाएं न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा को सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि पशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे रही हैं। समुचित प्रबंधन और सख्त निगरानी के चलते केदारनाथ यात्रा इस वर्ष अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम रूप में संचालित हो रही है।

हीटवेव का असर पहाड़ों तक, बच्चों व नवजातों पर बढ़ा बीमारी का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मैदानी इलाकों के साथ अब पहाड़ी क्षेत्रों में भी हीट वेव का असर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने आम जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, वहीं बच्चों और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत महसूस की जा रही है।

जनपद में इन दिनों गर्मी के कारण बीमार पड़ने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिनमें बड़ी संख्या बच्चों और बुजुर्गों की है। उल्टी, दस्त, बुखार और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं।

स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल प्रशासन भी सतर्क हो गया है। जिला अस्पताल ने हीट वेव से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए छह बेड आरक्षित कर दिए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल इलाज उपलब्ध कराया जा सके। अस्पताल में जरूरी दवाइयों और ओआरएस की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी के इस दौर में विशेष रूप से बच्चों और नवजात शिशुओं का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। उन्हें धूप से बचाकर रखें, पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ दें और किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। स्वास्थ्य विभाग आम जनमानस से दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, हल्के और ढीले कपड़े पहनें तथा पानी का सेवन अधिक से अधिक करने की अपील की। उन्होने बताया कि सावधानी और जागरूकता ही हीट वेव से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

एमडीडीए ने तैयार किया राजधानी के विकास का नया ब्लूप्रिंट

968 करोड़ के बजट संग दून को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून शहर के सुनियोजित विकास, पर्यावरण संतुलन और आधुनिक सुविधाओं को नई रफ्तार देने के लिए मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की 113वीं बोर्ड बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।

आयुक्त गढ़वाल मंडल एवं प्राधिकरण अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए करीब 968 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही आम जनता से जुड़े आवासीय, व्यावसायिक और पर्यटन संबंधी प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे शहर के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। बैठक की शुरुआत उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी द्वारा अध्यक्ष और सदस्यों के स्वागत से हुई। इसके बाद पिछली 112वीं बोर्ड बैठक की अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई, जिसे बोर्ड ने अवलोकन के बाद पुष्टि करते हुए आगे की कार्यवाही के लिए अनुम. ति प्रदान की। इस दौरान कुल 48 प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा के बाद नियमानुसार स्वीकृति दी गई।

विकास को मिलेगी रफ्तार

बैठक में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 968 करोड़ रुपये का बजट शहर के व्यापक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। इस बजट के

एमडीडीए की 113वीं बोर्ड बैठक में जनहित, हरियाली और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा फोकस

माध्यम से न केवल शहरी ढांचे को मजबूत किया जाएगा, बल्कि देहरादून को एक स्मार्ट और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम होगा।

बोर्ड बैठक में जनहित के प्रस्तावों को हरी झंडी

बोर्ड बैठक में आम जनमानस से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। इनमें ईको-रिजॉर्ट, होटल, व्यावसायिक निर्माण और आवासीय मानचित्र से जुड़े मामलों को स्वीकृति दी गई है। इन फैसलों से पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने के साथ-साथ शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। इसके अलावा, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2011 (संशोधित) को राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुरूप अंगीकृत किया गया, जिससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और सुव्यवस्था सुनिश्चित होगी।

हरित देहरादून की दिशा व बढ़ते तापमान के न्यूनीकरण को बड़ा कदम

शहर में लगातार बढ़ते तापमान के न्यूनीकरण और पर्यावरणीय दबाव को देखते हुए प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना अब प्राथमिकता बन गया है। इसी दिशा में प्राधिकरण ने वृक्षारोपण, जल संरक्षण और नए पार्कों के निर्माण जैसे कार्यों को युद्धस्तर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने, जल स्रोतों को संरक्षित करने और सार्वजनिक स्थलों को विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल तापमान में कमी लाना है, बल्कि शहर की प्राकृतिक सुंदरता को सहेजते हुए आम जनमानस को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

हरियाली और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर

शहर को सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। डिवाइडरों पर पौधारोपण, गमलों की व्यवस्था, खाद-मिट्टी और पानी की आपूर्ति के लिए विशेष उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई। इसके तहत एक ट्रैक्टर, आयशर 333 (प्रेशर पंप सहित) और हाइड्रोलिक ट्रॉली खरीदने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पार्कों के निर्माण जैसे कार्यों को युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिए गए। यह पहल शहर की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के साथ ही नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में मददगार होगी।

शहर के भविष्य की मजबूत नींव रखी गयी

113वीं बोर्ड बैठक के फैसले देहरादून के भविष्य की दिशा तय करने वाले साबित हो सकते हैं। जहां एक ओर बजट और विकास योजनाएं शहर को आधुनिक बनाएंगी, वहीं हरियाली और पर्यावरण संरक्षण पर जोर इसे रहने योग्य और संतुलित शहर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य मौजूद रहे, जिन्होंने शहर के समग्र विकास के लिए अपने सुझाव भी दिए। बोर्ड बैठक के अंत में अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी: पांडेय

आयुक्त गढ़वाल मंडल एवं प्राधिकरण अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि देहरादून को एक संतुलित, हरित और व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बजट और स्वीकृत योजनाओं के माध्यम से शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा, ताकि लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

जनहित के कार्यों को लगातार प्राथमिकता दे रहा एमडीडीए : तिवारी

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि एमडीडीए लगातार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने बताया कि बोर्ड बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से न केवल शहर का भौतिक विकास होगा, बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का फोकस संतु. लित विकास पर है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं का समावेश हो। तिवारी ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में देहरादून एक आदर्श शहर के रूप में स्थापित होगा।

स्वीकृत प्रस्तावों के क्रियान्वयन पर दिया जाएगा विशेष ध्यान : बर्निया

प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि बैठक में कुल 48 प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें अधिकांश जनहित और विकास से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्तावों को नियमानुसार स्वीकृति दी गई है और अब इनके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भवन निर्माण उपविधियों में संशोधन से निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आएगी और अवैध निर्माण पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

चिलमिरी बीट के जंगल में भीषण आग, अफरा-तफरी

48 घंटे की मशक्कत के बाद काबू, हजारों पेड़ जलकर नष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। छावनी परिषद क्षेत्र के अंतर्गत चिलमिरी बीट के जंगल में शनिवार देर रात लगी भीषण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया और जंगल के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें तेजी से फैलने के कारण क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही छावनी परिषद के कर्मचारी और सेना के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और देर रात से ही आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। दुर्गम भू-भाग और तेज हवाओं के चलते आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण साबित हुआ, जिसके चलते लगातार दो दिनों तक अभियान जारी रखना पड़ा।

अंततः सोमवार तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच आग पर नियंत्रण पाया जा सका। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि घास जलाने के दौरान लापरवाही के कारण आग भड़की, जिसने देखते ही देखते जंगल के बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। छावनी परिषद प्रशासन ने घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए ग्रामीणों से अपील की है कि वे घास जलाने के लिए आग का प्रयोग न करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छावनी परिषद के प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी फोरेस्टर संदीप जोशी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी और शनिवार रात से लगातार राहत एवं बचाव कार्य जारी रहा। उन्होंने कहा कि रविवार से लेकर सोमवार सुबह तक अभियान चलाकर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया। इस भीषण अग्निकांड में जंगल को भारी नुकसान हुआ है। विभागीय आकलन के अनुसार, 1 से 8 वर्ष आयु के करीब 8 हजार से अधिक देवदार, बांज और बुरांश के पेड़ जलकर नष्ट हो गए, जिससे पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंची है। आग बुझाने के अभियान में वन विभाग और छावनी परिषद के कई कर्मचारी सक्रिय रूप से जुटे रहे। इनमें वन रक्षक हरीलाल, हृदय सिंह, फायर वॉचर साहीबू, मनीराम, खजाना दास, मुकेश, मनोज, विवेक कुमार, श्याम सिंह रावत, जयपाल रावत, राकेश तथा दैनिक सहायक अमित चौहान सहित अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशेष सत्र जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश: कांग्रेस

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के कल (आज) आहूत विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस ने भाजपा सरकार व पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में एआईसीसी सदस्य व प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि केंद्र सरकार की तर्ज पर उत्तराखंड की भाजपा सरकार भी महिला आरक्षण के नाम पर उत्तराखंड की जनता और विशेष कर महिलाओं की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की संसद ने वर्ष 2023 में ही महिलाओं के लिए संसद व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का बिल पास कर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से उसे कानून

बना दिया, मगर उसको लागू करने की राह में भाजपा सरकार ने हो उसमें जनगणना व परिसीमन का अड़ंगा लगा दिया था। धस्माना ने कहा कि हाल ही में लोकसभा का विशेष सत्र आहूत कर केंद्र की एनडीए सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर देश के संघीय ढांचे को तहस नहस करने की नियत से बिना विपक्ष को विश्वास में लिए एक विधेयक पेश किया जिसमें बिना जातीय जनगणना के पूर्ण हुए 850

अंकिता भंडारी से लेकर संतरेशा में युवतियों के साथ दुराचार पर विधानसभा में महिलाओं से माफी मांगे भाजपा, हिमालयी राज्यों में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं में उत्तराखंड को शीर्ष पर लाने की जिम्मेदार भाजपा सरकार: धस्माना

लोक सभा सीटें बनाने का मसौदा शामिल था संसद में पारित करवाने का प्रयास किया जिसे एकजुट विपक्ष ने पास नहीं होने दिया। धस्माना ने कहा कि कांग्रेस का आज भी स्पष्ट मानना है कि अगर केंद्र सरकार की नियत महिलाओं को आरक्षण देने की है तो वह आज की तिथि में लोकसभा की वर्तमान संख्या 543 पर ही महिला आरक्षण लागू कर दे और साथ ही देश की सभी विधानसभाओं में भी वर्तमान सीटों पर यह बात लागू हो जाए। धस्माना ने कहा कि केंद्र सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अब प्रदेश की सत्ताधारी दल भाजपा ने 28 अप्रैल को राज्य विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया है जिसमें कोई विधाई कार्य नहीं होगा केवल जनता को गुमराह करने के लिए कोई निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी है किन्तु कांग्रेस पार्टी राज्य की महिलाओं के खिलाफ भाजपा राज में बड़े अपराध ,अंकिता भंडारी प्रकरण से लेकर सल्ट, चम्पावत, संतरेशा हरिद्वार, आईएसबीटी बालिका रेप कांड व पलटन बाजार में गला रेत कर हुई तमाम घटनाओं पर पार्टी विधायकगण सरकार पर हल्ला बोलेंगे।

कमलेश गौड़ ने संभाला हर्रावाला चौकी प्रभारी का कार्यभार

देहरादून। हर्रावाला पुलिस चौकी में कमलेश गौड़ ने चौकी प्रभारी का कार्यभार संभाल लिया है। यह चौकी ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां अपराधों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहती है, मगर वीआईपी सुरक्षा को लेकर पुलिस को अधिक जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। कमलेश गौड़ इससे पहले भी हर्रावाला चौकी प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जहां अनुचित गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाता है। पूर्व ग्राम प्रधान मूलचंद शीर्षवाल (हर्रावाला), संजय सिंह चौहान, पूर्व पार्षद विनोद कुमार, मनोज गुणियाल और नकरौंदा के पार्षद राहुल कुमार ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और बेहतर होगी।

बढ़ती गर्मी के बीच 1 मई से बदलेंगे स्कूलों के समय: डॉ. रावत

श्रीनगर। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 43 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने नव नियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेश के महाविद्यायों में होने वाले छात्रसंघ चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा। बताया कि शिक्षा विभाग में अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा चुका है और शीघ्र ही 500 प्राथमिक शिक्षकों तथा एलटी संवर्ग की भर्तियां भी निकाली जाएंगी। कहा कि पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 72 करोड़ रुपये की योजना लाई जाएगी, जिससे भविष्य में 24 घंटे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

डॉ. रावत ने कहा कि उनके कार्यकाल में 90 प्रतिशत से अधिक परीक्षा परिणाम प्राप्त हो रहे हैं और इस वर्ष 30 प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि 1000 छात्रों को उत्तराखंड भ्रमण पर भेजा जाएगा तथा तीन नए पॉलिटेक्निक संस्थान खोले जाएंगे। कहा कि गर्मी को देखते हुए एक मई से विद्यालयों का समय सुबह साढे सात बजे से दोपहर ढेड बजे तक रहेगा। साथ ही सप्ताह में एक दिन बैग-लेस डे रखा जाएगा, जिसमें छात्रों की खेल एवं अन्य प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक कंचन देवराड़ी, प्रधानाचार्य मीना गैरोला, मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, जिला महामंत्री गणेश भट्ट, अतर सिंह असवाल, दिनेश असवाल, आदि उपस्थित रहे।

मदरसों की आजादी में दखल अस्वीकार्य: एआईएमपीएलबी

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश में मदरसों की स्वायत्तता में किसी भी तरह के हस्तक्षेप पर कड़ी आपत्ति जताई है। कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 30 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता है और अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान चलाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

एआईएमपीएलबी, जमीअत, जमाअत-ए-इस्लामी, मजलिस इत्तहाद-ए-मिल्लत और जमाअत अहले हदीस की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि मदरसे न केवल धार्मिक शिक्षा का केंद्र हैं, बल्कि उन्होंने देश की

संविधान के तहत मिले अधिकारों की रक्षा की जाएगी: रहमानी ,उत्तराखण्ड सरकार के मदरसों में हस्तक्षेप पर जताई आपत्ति, सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

आजादी, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मदरसों ने हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम किया है और राष्ट्रीय एकता व अखंडता को मजबूत किया है।

यह बयान उत्तराखण्ड सरकार की ओर से मदरसा शिक्षा परिषद को भंग कर, बनाए गये उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन और धार्मिक शिक्षा के लिये इस प्राधिकरण से मान्यता को अनिवार्य किये जाने के बाद आया है।

बयान में आरोप लगाया गया कि कुछ तत्व और संस्थाएं मदरसों की स्वतंत्रता को सीमित करने की को. शिश कर रहे हैं, जो संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

एआईएमपीएलबी ने कहा कि मदरसों को किसी भी तरह के भेदभाव या अनावश्यक नियंत्रण का सामना नहीं करना चाहिए। यदि इस तरह की कार्रवाइयां जारी रहती हैं, तो बोर्ड कानूनी रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा।

बोर्ड ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। साथ ही, देशभर के मदरसों और संबंधित संगठनों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया गया है। बयान में यह भी कहा गया कि धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों की स्वतंत्रता बनाए रखना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है और इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप देशहित में नहीं होगा।

बयान जारी करने वालों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी, जमीअत उलेमा-ए-हिन्द (ए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सय्यद अरशद मदनी, जमीअत उलेमा-ए-हिन्द (एम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दीदी, जमाअत इस्लामी-ए-हिन्द के अमीर मौलाना सय्यद सआदतुल्लाह हुसैनी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय सचिव मौलाना सय्यद बिलाल हसनी नदवी, मजलिस इत्तहाद-ए-मिल्लत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना उबैदुल्लाह खान आजमी व जमीअत अहले हदीस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना असगर अली सलफी आदि शामिल हैं।

जोशी ने किया मेधावी छात्रा साक्षी को सम्मानित

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैंप कार्यालय में मालदेवता सरखेत निवासी मेधावी छात्रा साक्षी को उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 94.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में 15वीं रैंक हासिल करने पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। काबीना मंत्री ने मेधावी छात्रा साक्षी को लैपटाप देने की घोषणा की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने साक्षी की इस उपलब्धि को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करती हैं।

एक नजर .....

सीएम धामी से की मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने शिष्टाचार मुलाकात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों के अम्ब्रेला ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद भेंट किए।

कराटे में शिवालिक एकेडमी के विद्यार्थियों ने विद्यालय का नाम किया रोशन

सेलाकुई। देहरादून जिला कराटे चौम्पियनशिप 2026 का आयोजन मल्टीपरपज हॉल, आमवाला, देहरादून में किया गया। इस प्रतियोगिता में शिवालिक एकेडमी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। सब जूनियर वर्ग में आयुष कुमार दास, अनीकेत कुंवर, आस्तिक चौहान एवं शिवान्या थापा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किए, वहीं शिवान्या थापा ने एक रजत पदक भी जीता। स्वस्तिका पोद्दार एवं ईशांत ने दो-दो रजत पदक अर्जित किए। अवनी तोमर, अभिषेक कुमार एवं शौर्य ध्यानी ने एक-एक रजत पदक प्राप्त किया। हार्दिक सिंह ने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि अखिल रावत ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया।कैडेट वर्ग में अक्षत थापा ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विधायक ने डोर टु डोर कूड़ा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विकासनगर। क्षेत्रीय विधायक मुन्ना सिंह चौहान केद्रारा नगर पालिका परिषद विकासनगर के डोर टु डोर कूड़ा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद विकास नगर के अध्यक्ष धीरज बॉबी नौटियाल, एवं सभासद पूनम तोमर, भरत कालड़ा, सोनिया वर्मा भी उपस्थित रहे।

उपनल बोर्ड बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण और रोजगार पर जोर

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी की अध्यक्षता में सोमवार को उपनल कार्यालय में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपनल द्वारा विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रस्तावित एजेंसी के शीघ्र संचालन की दिशा में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही पूर्व सैनिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं, आश्रितों के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा नए रोजगार अवसर सृजित करने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। मंत्री गणेश जोशी ने बैठक में निर्देश दिए कि सैनिक एवं पूर्व सैनिकों के मेधावी बच्चों, जो एनडीए और एमबीबीएस की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें कोचिंग के लिए प्रोत्साहन राशि देने हेतु अगली बोर्ड बैठक में प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही आगामी 14 से 16 मई तक आयोजित होने वाले उपनल के राष्ट्रीय स्तर के कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने उत्तराखण्ड सब एरिया के जीओसी द्वारा निर्माणाधीन वेटरन कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा भी लिया। बैठक में सचिव सैनिक कल्याण युगल किशोर पंत, प्रबंध निद. शक उपनल ब्रिगेडियर जे.एन. बिष्ट, संयुक्त सचिव वित्त विजय कुमार, उप सचिव कार्मिक एस.वी. रंजन, निदेशक मेजर जनरल शम्मी सभरवाल (सेनि), निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल बी.एस. रौतेला (सेनि), कर्नल आदित्य श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक कर्नल राजेश नेगी (सेनि), मेजर हिमांशु रौतेला (सेनि) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ईंधन संकट ने बढ़ाई परेशानी: विकासनगर का प्रमुख पेट्रोल पंप सूखा

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। एक ओर सरकार श्रद्धालुओं को यमुनोत्री और गंगोत्री यात्रा के लिए प्रोत्साहित कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं की कमी गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

देहरादून के विकासनगर क्षेत्र में स्थित "पर्वित्य सर्विस स्टेशन, मेन बाजार, विकासनगर, देहरादून" जो यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण रिफ्यूलिंग पॉइंट माना जाता है, पिछले लगभग 23 दिन से पेट्रोल की अनुपलब्धता के कारण बंद पड़ा है। पेट्रोल पंप बंद होने से स्थानीय लोग और चारधाम यात्रा पर जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने

स्थानीय लोग और चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु परेशान बुनियादी सुविधाओं की कमी खड़े कर रही गंभीर सवाल

आई है जब यात्रा सीजन अपने चरम पर है और हजारों श्रद्धालु इन पवित्र धामों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। विकासनगर जैसे अहम स्थान पर ईंधन का अभाव न केवल यात्रियों के लिए असुविधाजनक है, बल्कि यह पूरी यात्रा व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से टैक्सी और टूर ऑपरेटरों के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है।

ये ऑपरेटर आमतौर पर क्रेडिट सुविधा और मासिक बिलिंग के आधार पर काम करते हैं, लेकिन स्थानीय पेट्रोल पंप के बंद होने के कारण उन्हें अन्य पेट्रोल पंपों से तुरंत नकद भुगतान कर ईंधन लेना पड़ रहा है। इससे उनके नकदी प्रवाह पर दबाव पड़ रहा है और उनके व्यवसाय की सामान्य कार्यप्रणाली बाधित हो रही है। ईंधन की अनुपलब्धता से उत्पन्न असुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि परिच. लन स्तर पर भी असर डाल रही है। यात्रा के दौरान अनिश्चितता, लंबी कतारें और अतिरिक्त दूरी तय करने की मजबूरी ने यात्रियों और स्थानीय निवासियों दोनों को परेशान कर दिया है।

यह विडंबना ही है कि जहां एक ओर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है।

अब आवश्यकता है कि संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लें और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें, ताकि यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो सके और आमजन को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। वहीं पेट्रोल पंप के स्वामी विभू सिंघल ने माना है कि स्थानीय लोगों ओर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को पेट्रोल पंप बंद होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिसका हमें खेद है। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी खामियों के चलते पेट्रोल पंप बंद है समय रहते शीघ्र ही पेट्रोल शुरू कर दिया जाएगा।

कुंभ मेला आईजी योगेंद्र सिंह रावत ने ली यातायात नियंत्रण उपसमिति की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कुंभ मेला आईजी योगेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में सीसीआर में कुंभ मेला यातायात नियंत्रण उपसमिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपसमिति के अध्यक्ष एसएसपी नवनीत सिंह व अन्य सदस्य शामिल हुए। बैठक में कुंभ मेला आईजी योगेन्द्र सिंह रावत व एसएसपी नवनीत सिंह ने सदस्यों से कुंभ मेले के दौरान वाहनों एवं यात्रियों के आवागमन के लिए तैयार किए गए यातायात प्लान को लेकर सुझाव मांगे। बैठक में एसपी ट्रैफिक व क्राईम निशा यादव ने तैयार किए गए यातायात प्लान की क्रमवार जानकारी उपसमिति के समक्ष साझा की तथा एसपी सिटी अभय सिंह द्वारा सदस्यों के विभिन्न सवालों के जवाब दिए। कुंभ मेला आईजी योगेन्द्र सिंह रावत ने सदस्यों को भरोसा दिलाया कि यातायात प्लान तैयार करते समय श्रद्धालुओं, होटल व्यवसायियों, टैक्सी, टैंपो, रिक्शा यूनियन, अखाड़ा परिषद, साधू समाज सहित कुंभ मेले से जुड़े सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखा जाएगा। एसएसपी नवनीत सिंह ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि भीड़ के मुताबिक ही अलग-अलग प्लान तैयार व एक्टिवेट किए जाएंगे। ऐसे में आयोजन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी का आपसी समन्वय आवश्यक है।

जनसुनवाई में 56 शिकायतें दर्ज, 26 का मौके पर निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना रहा। इस दौरान कुल 56 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें 36 शिकायतें सीधे उपस्थित फरियादियों द्वारा और 20 शिकायतें ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुईं। अधिकारियों द्वारा सुनवाई के दौरान 26 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष समस्याओं को संबंधित विभागों को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, राशन, अतिक्रमण, जलभराव और पेयजल जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कई फरियादियों ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने, नाले में पाइप डालने, चकरोड खुलवाने, अवैध कब्जा हटवाने और पानी के नए कनेक्शन दिलाने की मांग रखी। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से जलभराव, बिजली के पोल की कमी, पानी की टंकी में लीकेज और पेयजल आपूर्ति में कमी जैसी समस्याएं भी सामने आईं, जिन पर अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही या शिथिलता बरतने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए 36 दिन से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में फरियादी मौजूद रहे।

खेत में मिला खून से लथपथ युवक का शव

हथौड़े से वार कर हत्या किए जाने की आशंका

मौके से हथौड़ा, शराब की बोतल और बीयर की केन बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। थाना क्षेत्र के अतमलपुर बोंगला बाईपास के समीप खेत में खून से लथपथ एक युवक का शव बरामद हुआ है। युवक की पहचान राजवीर निवासी धामपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। मृतक सिडकुल की कंपनी में काम करता था और डेंसो चौक के पास किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। शव पड़ा होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर हत्या की गयी है। पुलिस ने घटनास्थल से एक हथौड़ा, शराब की खाली बोतल और बीयर की कैन बरामद की है। मौके पर बरामद सामान को देखकर आशंका जतायी जा रही है कि रात में शराब पीने के दौरान विवाद के बाद युवक के सिर पर हथौड़े से वार कर हत्या की गयी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनाम करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और आगे की जांच में जुट गयी है। पुलिस आसपास के ग्रामीणों और लोगों से पूछताछ कर रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

सहायक रजिस्ट्रार ने दिए बड़ा उदासीन अखाड़े के सभी खाते सील करने के आदेश

संतों के बीच अखाड़े पर शनि का प्रकोप होने की चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के संतों के बीच जारी विवाद में श्रीमहंत दुर्गादास गुट को तगड़ा झटका लगा है। सहायक रजिस्ट्रार फर्म सोसायटी चिटस एंड फंडस प्रयागराज कार्यालय के सहायक रजिस्ट्रार मनोज कुमार ने अखाड़े की देश में स्थित सभी शाखाओं के बैंक खाते सीज करने के आदेश दिए हैं। 23 अप्रैल को दिए आदेश में सहायक रजिस्ट्रार मनोज कुमार ने अखाड़े के बैंक खाते सीज करने के साथ कर्मचारियों का वेतन, बिजली पानी के बिल व अन्य खर्चो का भुगतान संबंधित अधिकारी से स्वीकृति लेकर करने के आदेश भी दिए हैं। सहायक रजिस्ट्रार ने ऑडिटर विवेक तिवारी को भी बदल दिया है और संदीप कुमार को नया ऑडिटर नियुक्त करने के साथ अखाड़े की सभी संपत्तियों की जांच करने के आदेश दिए हैं। ऑडिट होने तक अखाड़े की किसी भी संपत्ति को लीज पर देने और बिक्री करने पर भी रोक लगायी गयी है। सहायक रजिस्ट्रार ने यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 20 अगस्त 2025 के फैसले के अनुपालन में जारी किया है। अखाड़े के सचिव महंत अग्रदास और महंत रघुमुनि ने श्रीमहंत दुर्गादास गुट पर देश भर में स्थित अखाड़े की संपत्तियों को खुर्दबुर्द करने का आरोप लगाते हुए रजिस्ट्रार कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी थी। अखाड़े के संतों में चल रहे विवाद को लेकर संतो के बीच अखाड़े पर शनि का प्रकोप होने की चर्चा चल पड़ी है। संतों का कहना है कि जिस प्रकार का घटनाक्रम श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के संतों के बीच चल रहा है। उसे देखते हुए अखाड़े के संतों को शनिदेव का विशेष अनुष्ठान कराना चाहिए। जिससे शनि का प्रकोप शांत हो और अखाड़ा उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़े।

एक नजर ......

गोकशी गिरोह पर गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। रानीपुर पुलिस ने गौकशी में संलिप्त गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना तौफीक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया, जबकि उसका एक साथी फिलहाल फरार है। कोतवाली प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे के अनुसार, सलेमपुर निवासी तौफीक इस गिरोह का सरगना है, जबकि दादूपुर गोविंदपुर निवासी साजिद उसका सक्रिय सदस्य बताया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह लंबे समय से गौकशी, पशु क्रूरता और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहा है। आरोपित आर्थिक लाभ के लिए लगातार अपराधों को अंजाम देकर क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, तौफीक के खिलाफ रानीपुर कोतवाली में पहले से गौकशी, पशु क्रूरता और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, उसके साथी साजिद पर भी विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। कोतवाली प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि तौफीक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में पास रविवार देर रात ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग तेजी से पास स्थित आश्रम की गौशाला की ओर बढ़ रही थी, लेकिन दमकल विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना रविवार की रात करीब 11:26 बजे की है। जब सिटी कंट्रोल रूम को ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही मायापुर फायर स्टेशन से टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने पर देखा गया कि ट्रांसफार्मर पूरी तरह धधक रहा था और आग की लपटें आसपास फैल रही थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने मोटर फायर इंजन की सहायता से तुरंत आग बुझाने का अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया। सीएफओ वंश बहादुर यादव ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो पास स्थित गौशाला में मौजूद पशुओं और आश्रम परिसर को भारी नुकसान हो सकता था। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या तकनीकी फाल्ट माना जा रहा है। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, हुई मौत

पथरी। क्षेत्र के गांव घिससुपुरा में एक युवक ने संदिग्ध परिस्तिथि के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालात बिगड़ने पर युवक को आनन फानन में निजी अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार सोमवार को गांव घिससुपुरा निवासी रमजानी 26वर्ष पुत्र बाबू ने संदिग्ध परिस्तिथि में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसको आननफानन में एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुँची पथरी पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर जानकारी जुटाई प्रथम जांच में सामने आया कि युवक ने गृह क्लेश के चलते जहरीले पदार्था का सेवन किया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार ने बताया युवक ने जहरीले पदार्था का सेवन किया है। अस्पताल की सूचना पर शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया गया है।

रोडवेज ने चारधाम के लिए शुरू की बस सेवा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार रोड़वेज डिपो से चारधाम यात्रा करने के लिए बस सेवा की शुरूआत की है। हरिद्वार रोड़वेज बस स्टैंड से बद्रीनाथ, सोनप्रयाग

और गंगोत्री के लिए रोजाना 8 से 10 बसों का संचालन किया जा रहा है। जिससे चारधाम यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सस्ता और सुरक्षित विकल्प मिल रहा है। बड़ी संख्या में यात्री रोड़वेज द्वारा चारधाम यात्रा के लिए शुरू की बस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में जो लोग प्राइवेट टैक्सी और अन्य वाहनों का खर्चा वहन नहीं कर सकते वे लोग इन बसों के चलने से काफी संतुष्ट हैं। रोडवेज के एजीएम विशाल चंद्रा ने बताया कि यात्रियों की संख्या और डिमांड के आधार पर बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती हैं। यात्री सूरज ने बताया कि सरकारी की यह अच्छी सुविधा है। सुरक्षा और खर्च के लिहाज से भी ठीक है। इसलिए उन्होंने निजी बस से यात्रा करने के बजाए सरकारी बस को प्राथमिकता दी है।

गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तारी के डर से जंगल में छिपा था आरोपी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गैरइरादतन हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने आपसी झगड़े में ईंट से वार कर पड़ोसी युवक को घायल कर दिया था और गिरफ्तारी के डर से जंगल में छिपा हुआ था। गंभीर रूप से घायल युवक को एम्स ऋषिकेश रैफर किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी थी। जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल की रात शहर कोतवाली अंतर्गत निर्मला छावनी निवासी दीपक सक्सेना व सौरभ कोरी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। झगड़े में दीपक कौरी ने दीपक सक्सेना पर ईंट से वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे ऋषिकेश एम्स में भती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकद्मा दर्ज किया था। आरोपी सौरभ कोरी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हिल बाईपास रोड़ स्थित जंगल से उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ मे उसने बताया कि झगड़े के दौरान मृतक दीपक सक्सेना के गाली देने पर उसने गुस्से आकर पास पड़ी ईंट ईंट उठाकर उसे मार दी। चोट लगने के बाद दीपक वहां से चला गया था। बाद में दीपक की मौत का पता चलने पर वह डर के मारे जंगल में छुप गया था। पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा, एसआई प्रदीप कुमार, कांस्टेबल सुमित कुमार व सौरभ नौटियाल शामिल रहे।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। एक जरा सी कोशिश ट्रस्ट द्वारा उद्धेश्वर पब्लिक स्कूल ज्वालापुर में आज की सतर्कता कल सुरक्षा विषय पर बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, पुलिस, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आदि विभागों के अधिकारियों ने प्रतिनिधित्व कर बालिकाओं को जागरूक किया। एक जरा सी कोशिश ट्रस्ट की अध्यक्ष राखी सजवान ने बताया कि सतर्कता एक आदत है, और सुरक्षा उसका परिणाम। इसलिए सबको सतर्कता की आदत डालनी आवश्यक है। बहादराबाद ब्लॉक के आरबीएसके की डा. सुषमा त्रिपाठी ने छात्राओं को हेल्थ एवं हाइजीन तथा किशोर आयु में आने वाली समस्याओं हार्मोनल डिसबैलेंस, एनीमिया आदि से होने वाले मानसिक तनाव व शारीरिक असंतुलन की जानकारी उपलब्ध करायी और उपचार बताया।

बहादराबाद-धनौरी मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन ने मारी पिकअप को टक्कर

हादसे में एक युवक की मौत, दूसरा घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। क्षेत्र के बहादराबाद-धनौरी मार्ग पर पथरी पुल के पास देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन सामान्य रूप से अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आए तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप सड़क पर पलट गई और उसमें सवार मेहवड़ कलां निवासी दीपक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं वरुण नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती

कराया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। उसकी पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। लगातार सामने आ रहे सड़क हादसों ने बहादराबाद-धनौरी मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा उपायों को सख्त करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

गिरवी जेवर लौटाने से इनकार, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में एक दिव्यांग युवक की ओर से गिरवी रखे गए चांदी के आभूषण वापस मांगने पर ज्वैलर्स कारोबारी के जेवर लौटाने से इनकार करने का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी कारोबारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अदालत में दायर प्रार्थना पत्र में पथरी थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तम नगर निवासी दीपक पुत्र धर्म सिंह ने बताया कि वह शारीरिक रूप से दिव्यांग है और आर्थिक संकट के चलते उसने वर्ष 2022 में ज्वालापुर सर्राफा बाजार स्थित गुरु कृपा ज्वैलर्स के संचालक अवनीश भारद्वाज के पास अपने चांदी के आभूषण गिरवी रखे थे। दीपक के अनुसार, उसने पहले 431 ग्राम चांदी की तगड़ी और 217 ग्राम चांदी के कड़े 10 हजार रुपये में गिरवी रखे थे। इसके बाद 333 ग्राम चांदी की हसली भी 10 हजार रुपये में गिरवी रखी गई। दोनों लेनदेन पर प्रतिमाह तीन प्रतिशत ब्याज तय हुआ था। आरोप है कि वह लंबे समय तक नियमित रूप से ब्याज चुकाता रहा, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों और पिता की बीमारी के चलते कुछ समय तक भुगतान नहीं कर सका।

उसका कहना है कि जब उसने फरवरी 2026 में मूलधन और ब्याज की पूरी रकम जुटाकर अपने जेवर वापस मांगने चाहे तो कारोबारी ने उसे टालना शुरू कर दिया। बाद में दोबारा दुकान पहुंचने पर जेवर लौटाने से साफ इनकार कर दिया गया। आरोप है कि कारोबारी ने गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की की और जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भूपतवाला फ्लाईओवर पर रविवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि चालक का शव ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया, जिसे निकालने के लिए पुलिस और दमकल कर्मियों को घंटों तक रेस्क्यू अभियान चलाना पड़ा। रात करीब एक बजे फ्लाईओवर पर एक ट्रक किसी अज्ञात वाहन से टकराकर बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मायापुर फायर स्टेशन से दमकल टीम को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने आयरन कटर समेत विशेष उपकरणों की मदद से ट्रक के अगले हिस्से को काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान कृष्णवीर पुत्र विनोद निवासी मुरादनगर, गाजियाबाद के रूप में हुई है। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौकशी में वांछित गैंगस्टर गिरफ्तार

बहादराबाद। कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौकशी के मामले में वांछित एक गैंगस्टर आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक बहादराबाद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सतर्क निगरानी और नियमित गश्त की जा रही थी। इसी क्रम में 26 अप्रैल 2026 की रात को उपनिरीक्षक प्रवीण बिष्ट अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान पुलिस ने पंतजलि फ्लाईओवर, शांतरशाह क्षेत्र से आरोपी इकरार पुत्र अफजाल निवासी ग्राम मरगूबपुर को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी गौकशी जैसे गंभीर अपराध में संलिप्त रहा है और लंबे समय से वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गौकशी और इससे जुड़े अपराधों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रवीण बिष्ट, कां. वीरेन्द्र सिंह, कां. अवनेश राणा मौजूद रहे।

बेदखली व संबंध विच्छेद

हमारा पुत्र अमन व उसकी पत्नी श्रीमती नेहा हमारे व परिवार के कहने सुनने में नहीं हैं। जो आए दिन उसके तथा परिवार तथा आपस में लडाई झगडा आदि कर घर में क्लेह क्लेश करते रहते हैंं। हमारे समझाने पर हमारी पुत्रवधु नेहा पुरे परिवार वालों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देती रहती है। उनकी इन हरकतों से परेशान होकर हमने अमन व उसकी पत्नी नेहा को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करने का फैसला लिया है। भविष्य में इनके किसी भी लेन-देन वाद विवाद का हमसे व हमारे परिवार से कोई मतलब नहीं होगा। सुभाष पुत्र जोध सिंह व श्रीमती मौसम पत्नी सुभाष निवासी ग्राम अकोढा कलां थाना कोतवाली व तहसील लक्सर जनपद हरिद्वार ।

ज्वालापुर वक्फ कब्रिस्तान बना मॉडल, दो साल में 298 शवों का सम्मानपूर्वक दफन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड, देहरादून के निर्देशों पर वर्ष 2023 में गठित सुभाष नगर, ज्वालापुर स्थित वक्फ कब्रिस्तान की प्रबंधन समिति ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में उल्लेखनीय कार्य करते हुए कब्रिस्तान को एक मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। समिति का नेतृत्व अध्यक्ष अहसान अंसारी कर रहे हैं, जिनकी देखरेख में कई जनहितकारी कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए। समिति के गठन के बाद सबसे पहले कब्रिस्तान की मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। परिसर में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया, जमीन का समतलीकरण कराया गया और आवागमन के लिए रास्तों का निर्माण

किया गया। साथ ही, पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को राहत मिली है।

समिति ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए लावारिस शवों के सम्मानपूर्वक दफन की व्यवस्था शुरू की। पुलिस के माध्यम से प्राप्त ऐसे शवों को पूरी धार्मिक प्रक्रिया के साथ निशुल्क दफनाया जा रहा है।

अब तक समिति द्वारा कुल "298 शवों का दफन" किया जा चुका है, जिनमें "12 लावारिस शव" शामिल हैं। कब्रिस्तान परिसर की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अंदर और मुख्य द्वार पर "सीसीटीवी कैमरे" लगाए गए हैं। इससे असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने में मदद मिल रही है। वहीं, दफन किए गए सभी शवों का रिकॉर्ड रखने के लिए एक पंजीकरण व्यवस्था भी लागू की गई है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है। समिति के सदस्य समय-समय पर कब्रिस्तान का निरीक्षण करते हैं और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाते हैं। स्थानीय लोगों के सुझावों को भी प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे व्यवस्थाओं में लगातार सुधार हो रहा है।

अध्यक्ष अहसान अंसारी के अनुसार, समिति का लक्ष्य केवल वर्तमान में सुविधाएं देना नहीं, बल्कि भविष्य के लिए स्थायी व्यवस्था विकसित करना है। इसके तहत कब्रिस्तान के विस्तार, हरियाली बढ़ाने और अन्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की योजनाओं पर काम किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इसे पारदर्शी और जिम्मेदार प्रबंधन का उदाहरण बताया है। सुभाष नगर, ज्वालापुर स्थित वक्फ कब्रिस्तान की प्रबंधन समिति ने अपने दो साल के कार्यकाल में सेवा, संवेदनशीलता और पारदर्शिता का परिचय देते हुए एक नई मिसाल कायम की है।

भावाधस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज (भावाधस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पंजाबी धर्मशाला ज्वालापुर में आयोजित की गई। बैठक में वाल्मीकि समाज को धार्मिक रूप से मजबूत बनाने पर विचार किया गया और धर्मपीठ की स्थापना की गई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शिवअनार्य, संगठन के धर्मज्ञ वीर श्रेष्ठ धर्मवीर अनार्य, वीरेश ओपी कल्याण, वीरेश रविंदर बब्बर, वीर श्रेष्ठ रवि मातंग को जिम्मेदारी दी गयी। बैठक में 24 मई को भगवान वाल्मीकि तीर्थ अमृतसर में स्थापना दिवस के अवसर पर आदि महापर्व मनाने का निर्णय भी लिया गया। जिसमें पूरे देश से वाल्मीकि समाज के संत, विद्वान, लेखक पहुंचेंगे। संगठन के सर्वोच्च निर्देशक वीरेश नरेश धींगान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक मे मुख्य रूप से हरियाणा से वीर रामलाल कल्याण, चंडीगढ़ से ओमपाल चावर, उत्तर प्रदेश से सन्नी सिलेलान, विमल दानव, विनोद वेद, पंजाब से सुरेंद्र जजा, रवि बाली, राजेश टांक, पप्पु बेदी, सुभाष सौदे, अंडमान निकोबार से रोहताश कुमार, उत्तराखण्ड से वीरेश हंसराज कटारिया, संदीप चनालिया, सुरेंद्र बिरला, विकेश कुमार, अनिल टांक, बिजेंद्र टांक, अभिषेक, नीटू द्रविड़ आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

जनता मिलन कार्यक्रम में उठीं समस्याएं डीएम ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने कुल 51 से अधिक शिकायतें और समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए उपस्थित अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों की समस्याओं और शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। जिन मामलों में शासन स्तर पर पत्राचार या किसी अन्य कार्यवाही की आवश्यकता है, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए शिकायतकर्ता को भी अवश्य सूचित किया जाए। इस दौरान केमसारी टिन शेड निवासी छटांगी देवी द्वारा अवगत कराया गया कि उनके आवंटित टिन शेड पर किसी अन्य व्यक्ति ने कब्जा कर रखा है। इस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम टिहरी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं बौराड़ी 9 डी निवासी राय सिंह नेगी ने शिकायत की कि उनके पड़ोसी द्वारा चौथी मंजिल की सीढ़ियां उनके दरवाजे के सामने बना दी गई हैं, जिस पर भी एसडीएम टिहरी को जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

विकासखण्ड फकोट, नरेंद्रनगर के ग्राम भिन्नू की निवासी सीमा देवी ने अपनी गंभीर बीमारी (हार्ट व किडनी) के उपचार हेतु देहरादून जाने की समस्या से अवगत कराया।

इस पर जिलाधिकारी ने एडीएम को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। चम्बा आराकोट क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या उठाए जाने पर अधिशासी अभियंता जल संस्थान को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बौराड़ी बस स्टैंड निवासी जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय ने अवगत कराया कि वर्ष 2011 में दुकान आवंटित होने के बावजूद उन्हें स्टोर अब तक आवंटित नहीं हुआ है। इस पर प्रभारी अधिकारी पुनर्वास को जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जनता मिलन कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन एवं समाधान पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

उन्होंने सख्ती से कहा कि शिकायतकर्ता से सीधे संपर्क कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाए। इसके साथ ही सभी विभागों को अपने कार्यों का संपूर्ण विवरण वार्षिक कार्य कैलेंडर में 30 अप्रैल तक प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। जनता दरबार में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, एडीएम शैलेंद्र नेगी, एसडीएम कमलेश मेहता, डीडीओ मो. असलम, एआरटीओ सतेन्द्र राज, ईई विधुत अमित आनन्द, जल निगम केएन सेमवाल आदि सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

डोला में खस्ताहाल सड़क से ग्रामीण परेशान

बागेश्वर। कपकोट विकास खंड के ग्राम सभा डोला के ग्रामीण खस्ताहाल सड़क के सुधारीकरण की मांग को लेकर 65 किमी दूर जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिलाधिक. ारी के समक्ष सड़क मरम्मत की मांग रखी।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2019 में जिला पंचायत द्वारा बनाई गई पांच किमी लंबी मोटर मार्ग आज तक अधूरी है। सड़क में न तो सोलिंग हो पाई है और न ही नाली निर्माण हुआ है। बीते बरसात के दौरान सड़क जगह-जगह से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे वाहनों का संचालन लगभग असंभव हो गया है। उन्होंने बताया कि डोला गांव में करीब 40 परिवार निवास करते हैं, जिन्हें गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बीमार, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इलाज के लिए करीब पांच किमी दूर पिंडर पुल तक पैदल जाना पड़ता है।

शिक्षण कार्य के बाद जनगणना कार्य कराने का शिक्षकों ने किया विरोध

नई टिहरी। राजकीय शिक्षक संघ ने जनगणना ड्यूटी में कार्योजित शिक्षकों से विद्यालय में शिक्षण कार्य के बाद जनगणना कार्य करवाने के तुगलकी फरमान का पुरजोर विरोध किया है। राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिलवर सिंह रावत व जिला मंत्री डा. बुद्धि प्रसाद भट्ट ने बताया कि जहां मौसम विभाग के अनुसार पूरे प्रदेश में हीट वेव और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी जारी की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों को विद्यालय अवकाश के बाद जनगणना भवन सूचीकरण के लिए आदेशित किया जा रहा है। जो कि अत्यंत अमानवीय व अव्यवहारिक है।राजकीय शिक्षक संघ टिहरी ने शिक्षकों को एक ही दिन में दो-दो कार्यों को निभाने के आदेश को प्राकृतिक न्याय के खिलाफ करार दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपना मूल कार्य ही करना चाहता है, यदि आवश्यक हुआ तो सभी शिक्षकों को जनगणना कार्य से मुक्त कर आउटसोर्स के माध्यम से किया जाए या इस भवन गणना के कार्य को जून माह में दीर्घ अवकाश अवधि में कराया जाए। संघ ने आरा. ेप लगाया कि शासन उपार्जित अवकाशों को न देने के चक्कर में अपने शिक्षकों व कर्मचारियों की जान को जोखिम में रखने के साथ छात्रों को शिक्षण की हानि भी पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी मांग की है कि जनगणना ड्यूटी में लगाए गए शिक्षकों व कर्मचारियों का विशेष बीमा भी होना चाहिए, क्योंकि आजकल दुर्गम जंगली क्षेत्रों में कई किमी चलकर जनगणना कर्मी को पहुंचना पड़ रहा है। जहां तेज धूप, गर्मी, सांप और जंगली जानवरों का जोखिम है। शीघ्र इस दिशा में उचित निर्णय लिया जाना चाहिए, अन्यथा जनगणना मकान सूचीकरण इस परिस्थिति में करना संभव नहीं हो पाएगा और संगठन कोई भी निर्णय लेने के लिए मजबूर हो जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

काशीपुर। देश में गौमाता एवं गौवंश पर बढ़ती क्रूरता की रोकथाम के सम्बन्ध में धर्मयात्रा महासंघ महानगर काशीपुर ने राष्ट्रपति को संबोधित 16 सूत्रीय मांगपत्र उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह को सौंपा।

ज्ञापन में राष्ट्रपति से आग्रह किया गया है कि गौमाता को राष्ट्रदेव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान किया जाये। गो सेवा हेतु केंद्रीय कानून बने, जिससे संपूर्ण भारतवर्ष में समान रूप से गो सेवा हो सके। भारत में गो हत्या पूरी तरह समाप्त हो। गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबन्ध सम्बन्धी कठोर कानून बनाया जाये। गोबर, गोमूत्र को लेकर बृहद अनुसंधान केन्द्र कृषि विश्वविद्यालयों में बने जिससे गोबर, गोमूत्र का कृषि और अन्य उपयोग में महत्व बढ़े। गौमाता का दूध, दही, घी, गोबर, गौमूत्र को बढ़ावा मिले, उस संदर्भ में शासन उचित नीतियां बनाए।

शिक्षकों ने किया जनगणना कार्य कराने के आदेश का विरोध

श्रीनगर। राजकीय शिक्षक संघ टिहरी ने जनगणना ड्यूटी में लगाए गए शिक्षकों से विद्यालय में शिक्षण कार्य के बाद अतिरिक्त रूप से जनगणना कार्य कराने के आदेश का कड़ा विरोध किया है। संघ ने इसे तुगलकी फरमान बताते हुए तत्काल संशोधन की मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष दिलवर सिंह रावत और जिला मंत्री डॉ. बुद्धि प्रसाद भट्ट ने कहा कि एक ओर मौसम विभाग प्रदेश में हीट वेव और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी दे रहा है, वहीं दूसरी ओर शिक्षकों को विद्यालय समय समाप्त होने के बाद 2 से 3 बजे के बीच जनगणना भवन सूचीकरण कार्य के लिए लगाया जा रहा है, जो पूरी तरह अमानवीय और अव्यावहारिक है। कहा कि एक ही दिन में शिक्षकों से दो-दो जिम्मेदारियां निभाने की अपेक्षा करना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। शिक्षक अपने मूल शिक्षण कार्य को ही प्राथमिकता देना चाहते हैं।

कर्मचारियों के लिए विशेष बीमा की व्यवस्था की जाने की मांग

यदि जनगणना कार्य आवश्यक है तो इसे आउटसोर्स के माध्यम से कराया जाए या फिर जून माह के दीर्घ अवकाश में संपन्न किया जाए। संघ ने आरोप लगाया कि शासन उपार्जित अवकाश देने से बचने के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों की जान को जोखिम में डाल रहा है, जिससे छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। संघ पदाधिकारियों ने मांग की कि जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए विशेष बीमा की व्यवस्था की जाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र उचित निर्णय नहीं लिया गया तो वर्तमान परिस्थितियों में जनगणना मकान सूचीकरण कार्य करना संभव नहीं होगा और संगठन को आगे की कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

अंकिता भंडारी के दोषियों को सजा न मिलने सहित अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नई टिहरी। पिछले कई दिनों से घनसाली क्षेत्र में रसोई गैस की भारी किल्लत बनी हुई है, जिससे आम जनता को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही अंकिता भंडारी हत्याकांड में अब तक दोषियों को सख्त सजा न मिलने को लेकर भी लोगों में भारी रोष व्याप्त है। इन्हीं मुद्दों को लेकर पूर्व विधायक भीम लाल आर्य के मार्गदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घनसाली में जन आक्रोश रैली का आयोजन किया। यह रैली घनसाली-तिलवाड़ा मोटर मार्ग से होते हुए गैस गोदाम तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

सोमवार को रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और क्षेत्र में शीघ्र रसोई गैस की आपूर्ति सुचारु करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि गैस की कमी के कारण गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन सरकार इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। सरकार की कुनीतियों के कारण गैस की कालाबाजारी हो रही है, जबकि आम जनता को कई दिनों बिना गैस सिलेंडर के रहना पड़ रहा है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में दोषियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दिलाने की मांग की। उनका कहना था कि जब तक पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक जनता का संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व विधायक भीम लाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और सरकार को अपनी जनविरोधी नीतियों का जवाब देना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं, रैली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई, लेकिन जनता का आक्रोश साफ तौर पर देखने को मिला है इस दौरान कांग्रेस यूथ जिलाध्यक्ष शशांक जोशी, ब्लाक अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद जोशी, जयवीर नेगी, विशेश्वर प्रसाद, कुंवर सिंह, प्यार सिंह, मुन्नी देवी, देव सिंह बिष्ट, सोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

ग्वाड के पास हुए वाहन दुर्घटना में आठ लोग घायल

बाइक और मैक्स की टक्कर होने से खाई में गिरा वाहन

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर क्षेत्र के अंतर्गत खिर्सू-बुघाणी-श्रीनगर मोटर मार्ग पर सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। प्राप्त जानकारी अनुसार खिर्सू-श्रीनगर मोटर मार्ग पर ग्वाड़ एक बाइक और मैक्स वाहन की टक्कर के बाद चौपहिया वाहन और बाइक दोनों सड़क से नीचे खाई में जा गिरा, जिसमें मैक्स में सवार सात लोगों समेत एक मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। सूचना प्राप्त होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 108 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिर्सू पहुचाया। घायलों को हल्की फुल्की चोटे आयी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि खिर्सू-श्रीनगर मोटर मार्ग पर एक बाइक और मैक्स वाहन की टक्कर के बाद दोनों सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। बताया कि हादसे में गगन सिंह (75), सतेश्वरी देवी (50), संगीता देवी (23), अंजू (24), मंगल सिंह(32), गुड्डी देवी (55) और गौतम सिंह (26) निवासी बमर्थ पैठाणी के साथ मोटरसाइकिल सवार गजेन्द्र सिंह (42) निवासी शुक्र पाबौ घायल हो गए। बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को खाई से बाहर निकालकार निकालकर 108 एम्बुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिर्सू भेजा गया। जहां घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। जबकि दो घायलों के हाथ-पैर में गंभीर चोटे आने के चलते उन्हें बेस चिकित्सालय श्रीकोट रेफर किया गया। जहां घायलों की स्थिति समान्य है।

शहीद नागेन्द्र सकलानी का दो दिवसीय मेला आज से

नई टिहरी। दो दिवसीय शहीद नागेन्द्र सकालानी मंगलवार से पुजारगांव के राइंका में मंगलवार से शुरू होगा। मेला समिति ने मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मेले में विभागों के स्टाल भी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक टीमों की ओर से सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर जनता को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से सरकारी विभागों के स्टाल भी लगाए जाएंगे।

हर साल आयोजित होने वाला शहीद नागेन्द्र सकलानी मेला इस बार मंगवार से शुरू होगा। मेले को धूमधाम से मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। मेला समिति के अध्यक्ष अरविंद सकलानी ने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मेले में सबसे पहले शहीद नागेन्द्र दत्त सकलानी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। अरविंद सकलानी ने बताया कि मेले में विभिन्न विभागों के स्टाल भी लगाए जाएंगे

जिसमें लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर लोक सांस्कृतिक टीमों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही स्थानी स्कूलों के छाध्त्रों की ओर से भी सांस्कृतिक प्रस्तुत देने के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। मेले में स्थानीय व्यापारियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। साथ ही उन्होंने स्थानीय निवासियों व व्यापारियों से मेले को सफल बनाए जाने के लिए सहयोग देने की अपील की है।

गो माता को मिले राष्ट्रीय सम्मान

नई टिहरी। गौ माता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाए जाने की मांग को लेकर गजा क्षेत्रवासियों ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को ज्ञान भेजा। तहसीलदार गजा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा, प्रभारी तहस. ीलदार (रजिस्ट्रार कानूनगो) सुरेश मोहन डोगरा के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री केंद्र सरकार, राज्यपाल उत्तराखण्ड, एवं मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को प्रेषित ज्ञापन मे मांग की है कि गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए, भारत की सदियों पुरानी परम्पराओं के अनुसार हिन्दू धर्म मे गौमाता का विशेष स्थान है, जब गौमाता का संरक्षण होगा तभी सनातन धर्म व संस्कृति की रक्षा भी होगी। मीना खाती पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व जिला मंत्री भाजपा ने बताया कि पूरे भारत वर्ष मे हर क्षेत्र की तहसीलों के माध्यम से गौभक्त ज्ञापन सौंप रहे हैं। ज्ञापन सौपने वाले लोगों में मीना खाती जिला मंत्री भाजपा, स्वामी शंकर भारती कोटेश्वर गुफा, जोत सिंह असवाल जिला पंचायत सदस्य, धन सिंह सजवाण पूर्व अध्यक्ष प्रधान संगठन फकोट, गिरीश चंद्र बंठवाण पूर्व जिला पंचायत सदस्य चाका, गिरिजा शंकर तहसील प्रभारी गौ सेवा सम्मान, अनिल सिंह असवाल, दिनेश चंद्र उनियाल, मुकेश, जगदीश शेषवाल गौभक्त शामिल रहे।

खलाड़ी में जागमाता पूजन का धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

पुरोला/उत्तरकाशी। रवांई घाटी के जैसाण थोक खलाड़ी में क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना को लेकर आयोजित पांच दिवसीय जागमाता पूजन का सोमवार को भव्य और श्रद्धा के साथ समापन हो गया। समापन अवसर पर क्षेत्र के सात गांवों सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु खलाड़ी पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूरे आयोजन के दौरान खलाड़ी गांव पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयकारों के बीच श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। करड़ा, सिकारू, दणमाना, पुजेली, चपटाड़ी, मेहराणा ढकाड़ा, कुफारा और नेत्री सहित कई गांवों से श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में जुलूस के रूप में पहुंचे, जिससे क्षेत्र में सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव का अनूठा संगम दिखाई दिया।

आयोजकों के अनुसार जाग. माता पूजन की यह परंपरा सदियों पुरानी है, जो आज भी उसी श्रद्धा और आस्था के साथ निभाई जा रही है। इस धार्मिक अनुष्ठान को हिमाचल प्रदेश के मनोटी गांव से आए पांडेय पंडितों द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया।शिकारु नाग महाराज के पुजारी श्यालिक राम नौटियाल ने बताया कि यह विशेष आयोजन प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। इसमें जागमाता के साथ क्षेत्र के इष्ट देव शिरगुल महाराज और शिकार नाग महाराज की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, जिससे क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे।

समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से क्षेत्र की उन्नति, खुशहाली और आपसी एकता की कामना की। आयोजन के अंत में सभी ने पांच वर्ष बाद पुनः इसी प्रकार आयोजन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि आधुनिकता के दौर में भी पारंपरिक आस्था और संस्कृति आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनी हुई है।

मंडलसेरा की समस्याओं पर डीएम को सौंपा ज्ञापन

बागेश्वर। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सभासद कैलाश आर्या ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मंडलसेरा उत्तरी वार्ड में व्याप्त विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जीआईसी मंडलसेरा का भवन जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है, जबकि यहां 250 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय की छत में लगी चादर और लकड़ी पूरी तरह से सड़ चुकी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

नई टिहरी। "ज्ञान भारतम मिशन" के अंतर्गत पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मुख्य विकास अधिकारी टिहरी, वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद एवं विकासखंड स्तर पर समितियों के गठन पर चर्चा की गई।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित "ज्ञान भारतम मिशन" का उद्देश्य देश की समृद्ध ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विरासत के महत्वपूर्ण साक्ष्यकृजैसे प्राचीन पांडुलिपियां, ताड़पत्र एवं दुर्लभ अभिलेखकृका संरक्षण कर उन्हें भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना है। बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद में पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किया जाएगा जो गूगल प्ले स्टोर पर नि:शुल्क उपलब्ध है। सर्वेक्षण कार्य पांडुलिपि संग्रह केंद्र के प्रभारी अथवा संग्रहकर्ता की सहमति से ही किया जाएगा तथा पांडुलिपि का स्वामित्व संग्रहकर्ता के पास ही सुरक्षित रहेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उक्त ऐप की जानकारी ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय नागरिकों तक पहुंचाएं। साथ ही ग्राम स्तर पर नोडल व्यक्तियों का चयन किया जाए, जिनके माध्यम से पांडुलिपियों से संबंधित जानकारी एकत्र कर उनका चिन्हांकन करते हुए सूची तैयार की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, जनपद स्तर पर प्रत्येक 15 दिवस में सर्वेक्षण कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रेषित की जाएगी, जिससे अभियान का सफल एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में डीडीओ मो असलम, डीटीडीओ सोबत राणा, ईओ टिहरी वासुदेव डंगवाल एवं समस्त खंड विकास अधिकारी भौतिक व वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

कालेज की मान्यता समेत फीस वसूली की जांच की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। नगर में स्थित मां अम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के खिलाफ यूकेडी ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को यूकेडी कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। कॉलेज की मान्यता और मनमानी फीस वसूली के आरोप लगाए। मामले को लेकर कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा कि संस्थान में पिछले कई वर्षों से नर्सिंग कोर्स संचालित किया जा रहा है, जिसमें अधिकांश छात्र उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों से आते हैं।

ऐसे में संस्थान की मान्यता को लेकर स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है, ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो। इसके अलावा आरोप लगाया गया है कि संस्थान द्वारा बिना स्पष्ट अनुमति के स्कूली शिक्षा भी संचालित की जा रही है। कार्यकर्ताओं ने स्कूल की मान्यता को सार्वजनिक करने की मांग की है। यूकेडी ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 25 प्रतिशत आरक्षित छात्रों से भी पूर्ण शुल्क वसूला जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

वनाग्नि रोकथाम को ओण जलाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध

अल्मोड़ा। वनाग्नि रोकथाम को लेकर सोमवार को डीएम अंशुल सिंह ने बैठक ली। इस दौरान उन्होंने वनाग्नि की रोकथाम एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए अधिकारियों के साथ विस्तृत रणनीति पर चर्चा की। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि तापमान में निरंतर वृद्धि के कारण वनाग्नि की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, ऐसे में सभी संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने उपजिलाधिकारियों, पुलिस विभाग तथा वन विभाग के अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए तत्परता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्देश दिए कि वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए।

इसके अलावा उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि आगामी तीन दिनों के भीतर सभी ग्राम पंचायतों में वनाग्नि रोकथाम के संबंध में बैठकें आयोजित की जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा-करकट तथा फसलों के अवशेष (ओण) जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने व इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। यहां बैठक में डीएफओ दीपक सिंह, एडीएम युक्ता मिश्र, डीडीएमओ विनीत पाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने वनाग्नि की सूचना प्राप्त होते ही न्यूनतम रिस्पांस टाइम के साथ त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही जंगलों में अधिक से अधिक फायर लाइन तैयार करने, उनकी नियमित निगरानी करने तथा पर्याप्त संख्या में फायर वाचरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे जंगलों को आग से बचाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

केदारनाथ यात्रा को बदनाम करने की साजिश, हार्ट अटैक से हुई श्रद्धालु की मृत्यु पर भ्रामक खबरें वायरल

रूद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के पावन अवसर पर जहां लाखों श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन को उमड़ रहे हैंए वहीं कुछ असामा. जिक तत्वों द्वारा यात्रा की छवि धूमिल करने की कोशिशें भी सामने आ रही हैं। हाल ही में गुजरात से आए एक तीर्थयात्री की हार्ट अटैक से हुई मृत्यु के मामले को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और तथ्यों से परे पोस्ट वायरल की जा रही हैंए जिससे न केवल देवभूमि उत्तराखंड की छवि प्रभावित हो रही हैए बल्कि स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

प्रशासन ने इस पूरे मामले में पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि श्रद्धालु की मृत्यु स्वाभाविक रूप से हार्ट अटैक के कारण हुई थी। साथ हीए शव को नीचे लाने के लिए हेली सेवा की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई थी। इसके बावजूद कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह झूठी अफवाह फैलाई गई कि शव को हेलीकॉप्टर से नीचे लाने के लिए 65 हजार रुपये वसूले गए।

इस संबंध में मृतक के पुत्र हेमंत भाई माली ने स्वयं सामने आकर सच्चाई स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि वे अपने 69 वर्षीय पिता दिलीप भाई मन्नू माली के साथ गुजरात से केदारनाथ यात्रा पर आए थे। यात्रा के दौरान अचानक उनके पिता की तबीयत बिगड़ी और हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

हेमंत माली के अनुसारए हेली सेवा उपलब्ध कराने में कुछ देरी अवश्य हुईए लेकिन इसके लिए उनसे कोई शुल्क नहीं लिया गया। उन्होंने साफ कहा कि हेलीकॉप्टर सेवा पूरी तरह निशुल्क रही। हालांकिए एंबुलेंस के माध्यम से शव को ले जाने के लिए 53 हजार रुपये का भुगतान किया गया था।

उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी विशाल मिश्रा को पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है और यह स्पष्ट किया है कि हेलीकॉप्टर सेवा के लिए कोई धनराशि नहीं ली गई। सोशल मीडिया पर जो दावे किए जा रहे हैंए वे पूरी तरह भ्रामक और असत्य हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि केदारनाथ यात्रा को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं और आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट और भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें तथा केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को ही मानें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षाए स्वास्थ्य सुविधाएं और आपातक. ालीन सेवाएं सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जा रही हैं। ऐसे में अफवाह फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है। केदारनाथ धाम यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक हैए बल्कि हजारों स्थानीय लोगों की आजीविका का आधार भी है। ऐसे में भ्रामक खबरें फैलाना न केवल अनैतिक हैए बल्कि पूरे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला कृत्य भी है। प्रशासन और जागरूक नागरिकों की जिम्मेदारी है कि ऐसे प्रयासों को समय रहते रोका जाए और सत्य को सामने लाया जाए।

श्रीनगर में गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग तेज

गौसेवा संवर्धन समिति ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

श्रीनगर। गौसेवा संवर्धन समिति एवं गौ सम्मान आह्वान अभियान श्रीनगर के सदस्यों एवं क्षेत्र के गौभक्तों ने गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग उठाई है। इस संबंध में समिति की ओर से देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के राज्यपाल को उपजिलाधिकारी श्रीनगर के माध्य से एक मांग पत्र प्रेषित कर शीघ्र कार्रवाई की अपील की गई है। इस मौके पर गौ संवर्धन समिति के अध्यक्ष अनुज जोशी, उपाध्यक्ष्सा आनंद सिंह भंडारी, मीडिया प्रभारी राजेंद्र बर्थवाल, व्यापार सभा के अध्यक्ष दिनेश असवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपरा में गौमाता का विशेष स्थान रहा है। कहा कि प्राचीन काल से ही गौमाता को पूजनीय माना जाता रहा है और वेद-पुराणों में भी इसके महत्व का विस्तृत उल्लेख मिलता है। उनका तर्क है कि गौमाता केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कहा कि गौमाता से प्राप्त गोबर और गोमूत्र जैविक खेती का आधार हैं, जिससे भूमि की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। वहीं पंचगव्य के औषधीय उपयोग को भी आयुर्वेद में महत्वपूर्ण बताया गया है। समिति ने यह भी उल्लेख किया कि गौमाता आधारित जीवनशैली पर्यावरण संरक्षण में सहायक है और समाज में करुणा, सेवा व सह-अस्तित्व जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। उन्होने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रकाश चंद मैठाणी, सुरेश गैरोला, कलम सिंह, हरेंद्र तोमर, सावित्रि गौरोला, नीलम, सुंदरी, लक्ष्मी गौरोला, देवेश्वरी उनियाल, बबीता पाण्डेय, सुषमा आदि मौजूद थे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

उत्तर भारत में चंदन की खेती को मिली दिशा

पतंजलि ने दिखाई 'चंदन वन' की राह

फोटो। पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण इंटरनेशनल कांफ्रेंस आईआईटी रुड़की में चंदन के जरिये पहाड़ से पलायन रोकने के बारे में अपना विजन देते हुए और पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण पौड़ी जनपद के यमकेश्वर ब्लाक स्थित माला गांव के धन्वंतरि धाम में।

इस करिश्मे से योगी भी हैरान, पहाड़ से पलायन रो. कने की है 'मॉडल' में ताकत, किसानों के लिए हाई-वैल्यू फसल के रूप में उभर रहा यह मॉडल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन अब उत्तराखंड में पतंजलि की ओर से विकसित 'चंदन वन' मॉडल ने साबित किया है कि अनुकूल परिस्थितियों में उत्तर भारत में भी चंदन की सफल खेती संभव है।

हरिद्वार स्थित पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने करीब दो दशक पहले चंदन की खेती पर प्रयोग शुरू किए थे। उस समय उत्तर भारत में इसकी खेती लगभग न के बराबर थी। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों पर किए गए अध्ययन में सकारात्मक परिणाम मिले, जिसके बाद राज्य के कई जिलों में किसानों और निजी संस्थाओं ने इस मॉडल को अपनाना शुरू कर दिया।

विशेषज्ञों के अनुसार चंदन एक अर्ध-परजीवी वृक्ष है, जिसकी वृद्धि के लिए अन्य पौधों की जड़ों से पोषण आवश्यक होता है। इसलिए इसकी खेती वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन पर निर्भर करती है। आचार्य बालकृष्ण ने अब से कई वर्ष पहले उत्तराखंड के मणिकूट पर्वत पर चंदन की मौजूदगी से जुड़े एक समाचार को पढ़ने के बाद इसकी संभावनाओं की पड़ताल की। जिक्र था कि मणिकूट पर्वत की पहाड़ियों पर कभी चंदन होता था और इसे नदी के रास्ते यूपी के कन्नौज तक भेजा जाता था।

इसकी सत्यता जानने के लिए आचार्य बालकृष्ण और उनकी टीम निकली। वैज्ञानिक जांच-पड़ताल के बाद बाद यह बात सामने आई कि चंदन के पेड़ की मौजूदगी इस क्षेत्र में रही है, लेकिन गिनती भर की। उन्होंने हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों में चंदन के पौधे लगाने का निर्णय लिया। पतंजलि औषधीय उद्यान में लगाए गए पौधे कुछ ही वर्षों में विकसित होकर 'चंदन वन' के रूप में बदल गए। इसके बाद पौड़ी जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी यह प्रयोग सफल रहा। इस पहल ने उत्तराखंड में चंदन की खेती की संभावनाओं को मजबूत आधार दिया। जिससे 'चंदन वन' यानि चंदन की खेती को हाई-वैल्यू फसल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तराखंड में बढ़ते पलायन को रो. कने के लिए आचार्य बालकृष्ण ने इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन विजन 2047 आईआईटी रुड़की में अपना स्पष्ट 'विजन' रखा। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में लोग पहाड़ छोड़ रहे हैं, जबकि स्थानीय संसाधानों के सही उपयोग से यहीं समृद्धि लाई जा सकती है। उन्होंने यमकेश्वर ब्लॉक का एक अनुभव साझा किया। इसी क्रम में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पैतृक क्षेत्र यमकेश्वर पहुंचे, जहां आचार्य बालकृष्ण ने उन्हें वह इलाका दिखाया। यह वही भूमि थी, जिसे पहले अनुपयोगी और बंजर माना जाता था, लेकिन अब वहां 'चंदन वन' और घनी हरियाली विकसित हो चुकी थी। इस परिवर्तन को देखकर योगी आदित्यनाथ कुछ क्षणों के लिए अंचभित हो गए और रोमांचित हो उठे । उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जहां कभी कुछ उगता नहीं था, वहां आज इतनी समृद्ध हरियाली देखना अविश्वसनीय है।

आचार्य बालकृष्ण ने इस उदाहरण के माधयम से बताया कि यदि इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो न केवल बंजर भूमि को उपयोगी बनाया जा सकता है, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। चंदन की खेती कम भूमि में की जा सकती है, जो 10-15 वर्षों में तैयार होकर प्रति पेड़ लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये तक का लाभ दे सकती है। उनका मानना है कि इस तरह के प्रयास पहाड़ों में स्थायी आजीविका के नए अवसर पैदा करेंगे और पलायन को प्रभावी रूप से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। एसएसपी के निर्देश पर जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में चे. कंग अभियान तेज कर दिया गया है।

पुलिस ने काली फिल्म, अवैध लैशर-बत्ती, हूटर-सायरन और अन्य नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए चालान किए है। एसएसपी के निर्देश पर हल्द्वानी, भवाली और नैनीताल के प्रभारी निरीक्षकों को यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने और आमजन से नियमों का सख्ती से पालन कराने को कहा गया है। इसी क्रम में निरीक्षक यातायात भवाली महेश चंद्रा के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से लगी बहुरंगी लैशर-बत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार वाहनों से लैशर उतरवाए गए और चार चालान कर दो हजार रुपये संयोजन शुल्क वसूला गया। वहीं काली फिल्म के खिलाफ कार्रवाई में 10 चालान किए गए, जिनमें दो न्यायालय चालान और आठ संयोजन चालान शामिल हैं। इस दौरान चार हजार रुपये का संयोजन शुल्क भी वसूला गया। पुलिस ने निजी वाहनों में सायरन और हूटर के अनधिकृत इस्तेमाल पर भी सख्त निगरानी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि ड्रंक एंड ड्राइव, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट और फर्जी नंबर प्लेट के मामलों में भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा को लेकर सभी की जि मेदारी तय है।

स्कॉर्पियो और कार में भीषण टक्कर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हीरानगर क्षेत्र में सोमवार को एक मोड़ के पास स्कॉर्पियो और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। टक्कर के बाद अनियंत्रित कार आगे जाकर बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार चला रहे बुजुर्ग को हल्की चोटें आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पर्वतीय उत्थान मंच की आंतरिक सड़क से आ रही कार सामने से गुजर रही स्कॉर्पियो से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सीधे आगे बढ़ते हुए बिजली के पोल से जा टकराई। जोरदार झटके के चलते कार के एयरबैग खुल गए और अगला हिस्सा टूटकर सड़क पर बिखर गया। स्कॉर्पियो को भी आंशिक नुकसान पहुंचा है। स्थानीय निवासी अमित कुमार ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद स्कॉर्पियो चालक ने मानवता दिखाते हुए घायल बुजुर्ग को स्वयं अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। चौकी प्रभारी हीरानगर कृपाल सिंह ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कार में अधिवक्ता ने खुद को गोली से उड़ाया

शव के हाथ में पिस्टल थी, कार के डैशबोर्ड में मिला सुसाइड नोट

- गोली की आवाज़ सुनकर पहुंचे लोग अंदर का नज़ारा देख दंग रह गए
- प्रथम दृष्टया बीमारी और मानसिक दबाव में आत्महत्या का मामला, लेकिन सवाल बाकी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के कलेक्ट्रेट स्थित पार्किंग में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जहां दिन-दहाड़े एक कार के अंदर एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने खुद को गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। घटना स्थल जिला कोर्ट से महज 100 मीटर की दूरी पर होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई लेकिन कई तथ्य मामले को संदिग्ध भी बना रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोमेश्वर मूल निवासी व वर्तमान में तल्लीताल स्थित लांग व्यू कंपाउंड में रह रहे अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी (65) रोज की तरह सोमवार की सुबह घर से निकले और सामान्य अंदाज में कलेक्ट्रेट पार्किंग पहुंचे। पार्किंग कर्मियों से हंसकर अभिवादन भी किया और अपनी कार में बैठ गए। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि कुछ ही मिनटों में कार के भीतर एक खौफनाक घटना घटने वाली है। करीब 11.30 एक पर्यटक अपनी गाड़ी पार्क करने पहुंचा। इसी दौरान उसकी नजर पास खड़ी कार के अंदर गई। सीट पर बैठे अधिवक्ता के कान से खून बह रहा था। यह देख वह सन्न रह गया और तुरंत पार्किंग कर्मियों को बुलाया। कर्मचारियों ने कई बार आवाज लगाई लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई, जैसे ही कार के खुले सीसे से अंदर झांका तो अंदर का दृश्य देख सभी के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस और दर्जनों अधिवक्ता मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मौके पर ही अधिवक्ता को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में खुद को गोली मारकर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है लेकिन पूरे घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल सुसाइड नोट को लेकर है जो कार के डैशबोर्ड पर मिला है। हांलाकि सुइड नोट में उन्होंने जिंदगी से परेशान होने की बात कही है और अन्य लिखी बातों से भी साफ हो रहा है कि उन्होंने परेशान होकर आत्म हत्या कर ली है लेकिन यह सवाल बार बार उठ रहा है कि क्या अधिवक्ता किसी मानसिक दबाव में थे? वहीं गोली लगने के बाद भी अधिवक्ता का शव पीछे की सीट पर बैठी स्थिति में मिला जबकि सुसाइड नोट कार के डैशबोर्ड पर रखा मिला। इसके अलावा कार के शीशे आधे खुले हुए थे।

अधिवक्ता भाकुनी की मौत ने खड़े किए कई सवाल

अधिवक्ता की मौत के मामले में यह सवाल उठ रहा है कि कया यह वास्तव में आत्महत्या है या फिर मामला संदिग्ध है। दिनदहाड़े कोर्ट परिसर के पास हुई इस घटना ने न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर सच कया है आत्महत्या या कुछ और? इन सभी पहलुओं पर अब जांच की जा रही है। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने कार और आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए हैं और कई अहम नमूने एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है।

मामले की हर स्तर से जांच कर रही है पुलिस: कप्तान

नैनीताल। जिले के पुलिस कप्तान डा. मंजू नाथ टीसी ने कहा कि 112 तथा फोन के माध्यम से पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कलेक्ट्रेट पार्किंग स्थल पर किसी अधिवक्ता ने स्वयं को गोली मार ली है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जांच की तो अधिवक्ता की मौत हो चुकी थी। क्राइम सीन बनने के कारण फॉरेंसिक टीम बुलाई गई। टीम ने नमूने संग्रहित किये हैं। पुलिस की ओर से जांच व पूछताछ की जा रही है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। शव का होल बॉडी एक्सरे भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की हर स्तर से जांच कर रही है।

सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल हुए खड़े

नैनीताल। कोर्ट परिसर के पास हुई इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्थां पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर किस हालात ने एक अनुभवी अधिवक्ता को इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। मामले में सीओ अंजना नेगी ने बताया कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच क र रही है और जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

अनुभवी अधिवक्ताओं में थी गिनती

नैनीताल। अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी पिछले करीब दो दशकों से न्यायालय में सक्रिय रूप से वकालत कर रहे थे। कानूनी मामलों में उनकी पकड़ काफी मजबूत मानी जाती थी और वे अपने पेशे में एक अनुभवी चेहरा थे। बीते लगभग 15 वर्षों से वह नोटरी वकील के रूप में भी कार्यरत थे। स्थानीय अधिवक्ताओं और आम लोगों के बीच उनकी एक सुलझे और व्यवहारिक व्यक्ति के रूप में पहचान थी। उनकी अचानक मौत से अधिवक्ता समुदाय में शोक और स्तबधता का माहौल है।

कार के अंदर मिला सुसाइड नोट, पिस्टल समेत भारी मात्रा में कारतूस बरामद

नैनीताल। घटनास्थल से पुलिस को कई अहम चीजें मिली हैं। कार के भीतर एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें आत्महत्या के कारणों का उल्लेख होने की बात कही जा रही है इसके अलावा मौके से एक पिस्टल भी मिली है जिसमें चार जिंदा कारतूस और एक खोखा मौजूद था। पुलिस को 9 अतिरिक्त जिंदा कारतूस भी कार से मिले हैं, साथ ही लाइसेंस, रजिस्टर तथा बैग और कोट भी बरामद किए गए हैं। फॉरेंसिक टीम ने सभी सामान को कबजे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है: एएसपी

नैनीताल। एसपी (क्राइम) डा. जगदीश चंद्रा के मुताबिक दोपहर 12 बजे पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कार पार्किंग में अधिवक्ता अपनी गाड़ी में मृत अवस्था में पड़े हुए हैं, मौके पर पहुंची पुलिस टीम और फॉरेंसिक टीम ने जाँच शुरू कर दी, वही गाड़ी के शीशे खुले हुए थे मृतक की पहचान पूरन सिंह भाकुनी के रूप में हुई है, यह जो घटना है उन्हीं की रिवाल्वर से हुआ है कार के अंदर रिवाल्वर उनके हाथ में पाई गई चार जिंदा कारतूस उनके रिवाल्वर में मिले हैं और एक खोखा मिला हुआ है इसके अलावा 9 अन्य कारतूस भी गाड़ी में मिले हुए हैं, प्रथम दृश्य यह घटना आत्महत्या लग रही है, गाड़ी में एक सुसाइड नोट भी प्राप्त हुआ है जिसमें डिटेल पर इस घटना के बारे में लिखा हुआ है, शव को कबजे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मल्टीपल इंजरी की पुष्टि

वन्यजीव के हमले में गई थी कमल बिष्ट की जान

हल्द्वानी। नैनीताल तहसील के धारी/तल्लीताल क्षेत्र अंतर्गत भदूनी गांव में 24 अप्रैल को हुई 36 वर्षीय कमल सिंह बिष्ट की संदिग्ध मृत्यु के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया है कि उनकी मौत किसी वन्यजीव के हमले के कारण हुई थी। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने वन्यजीव हमले की आशंका जताते हुए विरा. ेध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस, वन विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थिति को नियंत्रित किया गया। एहतियातन क्षेत्र में पुलिस बल भी तैनात किया गया, जबकि वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज, हल्द्वानी भेजा।

यहां विशेषज्ञ डाक्टरों के पैनल ने पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर आई कई गंभीर चोटों (मल्टीपल इंजरी) को मौत का कारण बताया गया, जो स्पष्ट रूप से किसी वन्यजीव के हमले से हुई थीं। इस निष्कर्ष के साथ ही मामले में किसी भी आपराधिक घटना की आशंका को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है।

संबंध-विच्छेद

मेरा पुत्र अमित सिंह (Amit singh) व पुत्रवधु श्रीमति कामिनी (Kamini) मेरे कहने-सुनने में नहीं हैं। मैं उन्हें अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में पुत्र अमित सिंह और पुत्रवधु श्रीमति कामिनी के द्वारा के किए किसी भी कृत्य व लेनदेन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

फूल सिंह (Phool Singh)
पुत्र स्व. शंभू सिंह
निवासी- गढ़ी मयचक, श्यामपुर, तहसील ऋषिकेश, जिला देहरादून।

यूजेवीएन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
मुख्य कार्यालय "उज्जवल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006, सिन नं: U40101UR2001SGC025866
दूरमाष सं0 0135-2763808, फैक्सः 0135-2763508 वेबसाइटः www.ujvnl.com

पत्रांक सं0 345 — **निविदा आमंत्रण सूचना** — दिनांक 27.04.2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (सिविल), पशुलोक बैराज, ऋषिकेश द्वारा इच्छुक निविदादाताओं से मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित करता है। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् हैः-

1. निविदा सूचना सन्दर्भः-
   निविदा संख्याः-02/2026-27/अधि0अभि0(जानपद)/पशुलोक बैराजः-पशुलोक ऋषिकेश स्थित न्यू हाईडिल कॉलोनी के टाईप-।, टाईप-।। एवं टाईप-।।। आवासों में दीमक रोधी उपचार (Antitermite Treatment) का कार्य।
   निविदा संख्याः-03/2026-27/अधि0अभि0(जानपद)/पशुलोक बैराजः-पशुलोक ऋषिकेश स्थित बैराज कॉलोनी के टाईप-ए, टाईप-बी टाईप-सी एवं टाईप-डी आवासों में दीमक रोधी उपचार (Antitermite Treatment) का कार्य।
   निविदा संख्याः-04/2026-27/अधि0अभि0(जानपद)/पशुलोक बैराजः-पशुलोक ऋषिकेश स्थित बैराज कॉलोनी के टाईप-बी आवासों के पीछे आंगन में टीन शेड एवं वेल्ड मैश लगाने का कार्य।
2. निविदा लागतः- क्रमशः ₹8,13,448.27, ₹11,67,113.53 एवं ₹19,44,917.94 (जीएसटी अतिरिक्त)।
3. वेबसाइट पर निविदा की उपलब्धता की तिथि एवं समयः- 27 अप्रैल, 2026 17:00 बजे (IST) से।
4. निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समयः-18 मई, 2026 14:00 बजे (IST) तक।

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की बेबसाइट "www.ujvnl.com से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता (सिविल)
पशुलोक बैराज, ऋषिकेश

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

बागजाला के ग्रामीणों में फिर से आक्रोश

सड़क मरम्मत के लिए लोनिवि के अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी ने लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी के अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचकर बागजाला (गौलापार) के लोगों को बार बार आश्वासन देने के बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं किये जाने पर आक्रोश व्यक्त किया और शीघ्रता से कार्य नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। गौरतलब है कि अखिल भारतीय किसान महासभा, बागजाला कमेटी द्वारा अधिशासी अभियंता हल्द्वानी कार्यालय के सम्मुख विगत 17 मार्च को धरना प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपा गया था और किसान महासभा के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता में अधिशासी अभियंता ने बागजाला (गौलापार) में सड़क की मरम्मत तत्काल प्रभाव से किये जाने का आश्वासन दिया था। लेकिन खेद की बात है कि एक माह से भी अधिक समय बीत जाने के बावजूद बागजाला (गौलापार) में सड़क की मरम्मत के काम में एक भी इंच की प्रगति नहीं हुई है, जबकि सड़क की मरम्मत के काम के लिए

बजट का आवंटन हो चुका है। जिसके चलते बागजाला में भारी जन आक्रोश है। किसान महासभा प्रतिनिधियों ने कहा कि हम एक बार फिर अनुरोध करने आये हैं कि बागजाला गांव में सड़कों की मरम्मत का कार्य शीघ्रता से शुरू करवाने का निर्णय लिया जाय अन्यथा की स्थिति में हमारे पास आंदोलन के अतिरिक्त कोई विकल्प शेष नहीं रहेगा। अधिशासी अभियंता को संबोधित ज्ञापन उनकी अनुपस्थिति में सहायक अभियंता को सौंपा गया. उन्होंने कहा कि हम वन विभाग से तालमेल कर शीघ्रता से बागजाला की सड़कों की मरम्मत का काम शुरू करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय, किसान महासभा बागजाला कमेटी की उपाध्यक्ष विमला देवी, कोषाध्यक्ष मीना भट्ट, पूर्व प्रधानाचार्य प्रेम सिंह नयाल, हेमा आर्य, नंद किशोर आदि शामिल रहे।

गोरखपुर- लालकुआं विशेष ट्रेन के 11 फेरे निरस्त

हल्द्वानी। रेल प्रशासन ने परिचाल. निक कारणों के चलते गोरखपुर-लालकुआँ-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन के 11 फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 01 मई से 10 जुलाई 2026 तक गोरखपुर से चलने वाली 05009 गोरखपुर-लालकुआँ ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन निरस्त रहेगी। वहीं, 02 मई से 11 जुलाई 2026 तक लालकुआं से संचालित होने वाली 05010 लालकुआँ-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन भी नहीं चलेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए वैकल्पिक ट्रेनों का उपयोग करने की अपील की है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जी0एस0वाई0, सिंचाई खण्ड, देहरादून
Contact No:- +91-135-2769738 Fax: +91-135-2769738
email: eepmgsydehradun@rediffmail.com

पत्रांकः552/पी0एम0जी0एस0वाई0/सिं0ख0-दे0दून/ — दिनांकः 27/04/2026

खण्ड के अन्तर्गत Re-construction and repair works of disaster-damages reaches from km 0.00 to Km 16.00 in Maldevta Serki Silla to Bheswadgaon Motor Road Under SRMD के सम्पादन हेतु पत्रांक 551/पी0एम0जी0एस0वाई0/सिं0ख0-दे0दून/दिनांक 27/04/2026 के द्वारा ई- निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके सम्बन्ध में समस्त जानकारी ई-निविदा पोर्टल www.uktenders.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
पी0एम0जी0एसवाई0, सिंचाई खण्ड
6- इन्दिरा नगर, देहरादून

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय "उज्ज्वल" महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरमाषः 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइटः www.ujvnl.com

पत्रांक-347 — **ई-निविदा सूचना** — दिनांक- 27/04/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (जानपद-अनुरक्षण), यमुना भवन, यमुना कालोनी, देहरादून इच्छुक निविदादाताओं से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः

निविदा सं0. 02/EE(C-M)/DDN/2026-27.
कार्य का नामः यमुना कालोनी, देहरादून स्थित यूजेवीएन लिमिटेड के पंचम श्रेणी एवं ओ0बी0सी0 के आवासों के अनुरक्षण एवं मरम्मत के कार्य।
अनुमानित लागतः रू 30,50,042.02 (जी0एस0टी0 अतिरिक्त)
वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथिः 28.04.2026 को 17.00 बजे से।
वेबसाईट पर निविदा जमा करने की अन्तिम तिथिः 19.05.2026 को 17.00 बजे तक।
अन्य जानकारी हेतु कृपया ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://uktenders.gov.in" देखें।

(अधिशासी अभियन्ता (जानपद-अनुरक्षण)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

पावर ट्रॉंसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
अधिशासी अभियन्ता (परियोजना मुख्यालय भुगतान इकाई), कार्यालय विद्युत भवन, नजदीक आई०एस०बी०टी० क्रासिंग, सहारनपुर रोड़, माजरा, देहरादून-248002
दूरमाष नं. 0135-2646000-212 फैक्स नं0 0135-2643050 email:- hqpu@ptcul.org

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति हेतु निविदायें दिनांक **27.05.2026** को 14.00 बजे तक पंजीकृत/स्पीडपोस्ट द्वारा आमन्त्रित की जाती हैं, जो उसी दिन 15:00 बजे उपस्थित निविदादाताओ के सम्मुख खोली जायेगी। प्रतिष्ठित निविदादाता जो सम्बन्धित कार्यों का अनुभव प्रमाणपत्र रखते है व इनकम टैक्स/ जी.एस. टी./ ई.पी.एफ. में रजिस्टर्ड है, के द्वारा निविदा प्रपत्र दिनांक **25.05.2026** तक किसी भी कार्य दिवस में अनुरोध पत्र के साथ निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 100.00 +18% जी.एस.टी० अर्थात् रू0 118.00 (प्रतिदेय) का किसी भी राष्ट्रीय बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट जो General Manager Project, Office PTCUL, Dehradun के पक्ष में देय हो, जमाकर इस कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक निविदा की धरोहर धनराशि रू० 3,000.00 हैं।

1) **T-01/2026-27:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में Printer Cartridges उपलब्ध करवाने का कार्य।
2) **T-02/2026-27:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन" बिल्डिंग में भूतल पर स्थित GIS Sub-Station के 3D Model हेतु Toughened Glass क्रय कर स्थापित करने का कार्य एवं अन्य सम्बन्धित कार्य।
3) **T-03/2026-27:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में साफ-सफाई से सम्बन्धित सफाई का सामान उपलब्ध करवाने का कार्य।
4) **T-04/2026-27:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में Stationary Items उपलब्ध करवाने का कार्य।
5) **T-05/2026-27:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में PVC Wall paneling की आपूर्ति व पूर्ण फिटिंग सहित स्थापना का कार्य।

पत्रांकः 697/प0मु0भु0इ0/पिटकुल/विज्ञापन
दिनांकः 27.04.2026

अधिशासी अभियन्ता (प0मु0भु0ई0)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

हेजलवुड़-भूवी के तूफान में उड़ी दिल्ली

दिल्ली को बेंगलुरु ने 75 रनों पर समेटा बेंगलुरु ने 6.3 ओवर में हासिल किया लक्ष्य

नई दिल्ली, वार्ता। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 39वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलुरु ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी बेंगलुरु ने 8 रन के स्कोर पर ही दिल्ली के 6 विकेट निकाल लिए। इसके बाद अभिषेक पोरेल ने 30 रन बनाए और टीम को कुछ हद तक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। बेंगलुरु की ओर से जोश हेजलवुड ने 4 और भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। जवाब में बेंगलुरु ने 2 ओवर में बिना विकेट खोए 13 रन बना लिए हैं। जैकब बेथेल और विराट कोहली क्रीज पर हैं। तीसरे ओवर में जैकब बेथेल ने लगातार दो सिक्स लगा दिए। उन्होंने शार्ट गेंद पर शानदार तरीके से पिकअप शाट खेलकर मिडविकेट के ऊपर छक्का जड़ा। अगली बाल में उन्होंने कदमों का इस्तेमाल करते हुए गेंद को मिडविकेट के पार भेज दिया। यह सिक्स104 मीटर का था। 75 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने संभली हुई शुरुआत की है। पहले ओवर में 7 रन आए। जैकब बेथेल ने फाइन लेग की दिशा में चौका लगाकर टीम का खाता खोला।

इसके बाद कुछ डाट गेंदें जरूर आईं, लेकिन उन्होंने स्ट्राइक रोटेट करते हुए ओवर खत्म किया। दिल्ली कैपिटल्स की पारी पूरी तरह बिखर गई और टीम सिर्फ 75 रन पर ऑलआउट हो गई। 16.3 ओवर में जोश हेजलवुड ने अभिषेक पोरेल को बोल्ड कर दिया। यार्कर लेंथ की तेज गेंद पर पोरेल देर से बल्ला ला पाए और गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई। पोरेल 33 गेंदों में 30 रन बनाकर टीम के टॉप स्कोरर रहे, लेकिन उन्हें किसी दूसरे बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। 75 रन इस आईपीएल सीजन का सबसे छोटा टोटल रहा। इससे पहले गुजरात की टीम 20 अप्रैल को मुंबई के खिलाफ 100 रन पर आउट हो गई थी।

15.3 ओवर में दिल्ली को एक और झटका लगा और अब टीम 9 विकेट गंवा चुकी है। सुयश शर्मा ने शानदार गेंद डालकर कुलदीप यादव को बोल्ड कर दिया। लेग स्पिनर की यह गेंद आफ स्टंप के बाहर पिच होकर तेजी से अंदर आई। कुलद.ीप उसे ठीक से पढ़ नहीं पाए और शाट खेलने की कोशिश में पूरी तरह चूक गए। गेंद सीधा स्टंप्स से जा टकराई और गिल्लियां बिखर गईं। कुलदीप 11 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हुए। 14वें ओवर में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्पिनर सुयश शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 3 रन दिए।

भारतीय पुरुषों ने क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की

हॉर्सेंस (डेनमार्क), वार्ता। पूर्व चैंपियन भारत ने सोमवार को डेनमार्क के हॉर्सेंस में थॉमस और उबर कप 2026 के पुरुषों के ग्रुप ए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में कनाडा को 4-1 से हराया था और अब ग्रुप विजेता का फैसला करने के लिए उसका मुकाबला शीर्ा वरीयता प्राप्त चीन से होगा। चीन ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था और सोमवार को कनाडा को 4-1 से मात दी थी। यह जानते हुए कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत उन्हें अंतिम आठ में जगह की गारंटी देगी, भारत ने उस टीम में सिर्फ एक बदलाव किया जिसने कनाडा को हराया था, इसमें किदांबी श्रीकांत की जगह एच-एस- प्रणय को मैच खेलने का मौका मिला। लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराकर टीम की जीत का सिल.सिला शुरू किया,

और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुा शेट्टी ने श्रेय धांड को सिर्फ 26 मिनट में 21-8, 21-6 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद पूर्व एशियाई चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर जीत को पूरी तरह से सुनिश्चित कर दिया। फिर प्रणय और पुरुाों की युगल जोड़ी हरिहरन अमसकारुनन और एम-आर- अर्जुन ने शानदार जीत दर्ज करते हुए स्कोर को पूरा किया। परिणाम: पुरु: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया (लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराया।

खेल विशेष

एशियन गेम्स ओलंपिक्स से ठीक पहले वाले साल में कराए जा सकते है: ओसीए

सान्या, वार्ता। ओलंपिक परिाद ऑफ एशिया (ओसीए) एशियाई खेलों को ग्रीमकालीन ओलंपिक से ठीक पहले वाले वा में स्थानांतरित करने की योजना बना रही है। ओसीए के एक अधिकारी ने बताया कि इस कदम का मकसद इस महाद्वीपीय स्पर्धा को दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स के क्वालीफाइंग के रूप में कार्य कर सके। ओसीए के उपाध्यक्षट सॉन्ग लुजेंग ने रविवार को कहा कि यह एडजस्टमेंट दोहा एशियन गेम्स से लागू होने की उम्मीद है, जिन्हें 2030 से 2031 में शिफ्ट किया जाएगा। इस प्रस्ताव को ओसीए एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने पहले ही मंजूरी दे दी है और अब इस पर इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के साथ आगे बातचीत चल रही है। सोंग ने कहा कि इससे एशियन गेम्स ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग इवेंट के तौर पर काम कर सकेंगे, जिससे ज्यादा एलीट एथलीट्स को कॉम्पिटिशन के कीमती मौके मिलेंगे और गेम्स का ओवरऑल स्टैंडर्ड बढ़ेगा।

रग्बी प्रीमियर लीग के सीजन 2 में महिला फ्रेंचाइजियो की होगी शुरुआत

नई दिल्ली, वार्ता। ज एमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी इंडिया के साथ साझेदारी में सोमवार को एचएसबीसी रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के विकास में एक अहम कदम की घोाणा करते हुए कहा कि दूसरे सीजन में महिला फ्रेंचाइजियों की शुरुआत की जाएगी। 2025 में आयोजित पहले सीजन की सफलता के बाद, मौजूदा छह पुरा टीमों में से चार, :चेन्नई बुल्स (एविड सिस स्पोर्ट्स के स्वामित्व में), दिल्ली रेड्ज (आरएमजेड कॉर्प के स्वामित्व में), मुंबई ड्रीमर्स (ड्रीम स्पोर्ट्स के स्वामित्व में) और कोलकाता बंगा टाइगर्स (हंच वेंचर्स के स्वामित्व में), जो पहले कलिगा ब्लैक टाइगर्स के नाम से जानी जाती थी और अब भुवनेश्वर से कोलकाता स्थानांतरित हो चुकी है: अपनी-अपनी महिला टीमें भी उतारेंगी।

श्रीनगर चितन शिविर में शारीरिक शिक्षा के भविय पर हुआ मंथन

नई दिल्ली, वार्ता। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 25 से 26 अप्रैल 2026 तक श्रीनगर में आयोजित दो दिवसीय राट्रीय 'चितन शिविर' में देश को खेल महाशक्ति बनाने के लिए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय तथा राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के बीच में मंथन हुआ। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ- मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में इस शिविर में 'श्रीनगर खेल संकल्प' के माध्यम से राज्यों के साथ मिलकर खेल प्रशासन, प्रतिभा की पहचान और खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना बनाई गई। इस चितन शिविर में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) का प्रतिनिधित्व राट्रीय सचिव प्रोफेसर (डॉ-) पीयू जैन ने किया।

मोहसिन पर नजर होनी चाहिए भारतीय चयनकर्ताओं की: बांगर

लखनऊ, वार्ता। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के समूह में मोहसिन खान सबसे अधिक प्रभावित कर रहे है और चयनकर्ताओं को नजर उन पर करीब से होनी चाहिए।

लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच रविवार रात खेले गए मुकाबले में 23 रन देकर पांच विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज को लेकर बांगर ने कहा, अगर आप हमारे बाएं हाथ के सीमरों के समूह को देखें, तो मोहसिन सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, क्योंकि उन्हें अतिरिक्त उछाल मिलता है, वह उस लेंथ पर लगातार हिट कर सकते हैं और उनके पास 'हेवी बॉल' है, जैसा अक्सर कहा जाता है। एक शानदार बाएं हाथ का सीमर बनने के लिए जो गुण चाहिए, वह सब उनमें है और चयनकर्ताओं की नजर उन पर करीब से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत समय हो गया है और अब बात अपनी सर्वश्रेठ फटिनेस दोबारा हासिल करने की है, क्योंकि भारतीय प्रतिभा में इस तरह की स्किलसेट वाले खिलाड़ी बहुत कम हैं। हमारे पास बल्लेबाज बहुत हैं, लेकिन जो चीज कम है वह बाएं हाथ के सीम गेंदबाजो की विविधता है। टी-20 विश्व कप विजेता टीम में अर्शदीप सिंह ऐसे अकेले विशेाज्ञ थे।

हमें ब्रेक चाहिए व खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी: रिषभ पंत

लखनऊ, वार्ता। लखनऊ सुजर जायंट्स के कप्तान रिषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मिली लगातार पांचवीं हार के बाद कहा कि हमें ब्रेक की जरुरत है और हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेनी होगी। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को उतार-चढ़ाव भरे मैच के सुपर ओवर में मिली हार के बाद पंत ने कहा कि देखिए, मुझे लगता है कि हमें निश्चित तौर पर एक ब्रेक चाहिए। हम खुद को तरोताजा करेंगे। दबाव तो हमेशा रहेगा,

और यह हमेशा दबाव वाला खेल रहेगा। लेकिन साथ ही हमें जवाब बाहर नहीं, अपने भीतर ढूंढ़ने होंगे। चीजों को सरल रखना होगा। हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेनी होगी। यह एक या दो खिलाड़ियों की बात नहीं हो सकती, पूरी टीम की बात है। और बहुत से लोग इसकी जिम्मेदारी लेंगे, इसमें कोई शक नहीं। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक चिंता निकोलस पूरन की फॉर्म भी रही है, जिन्होंने अब तक सिर्फ 82 रन बनाए हैं, औसत 10-25 और स्ट्राइक रेट 81-18 रहा है। इसके बावजूद एलएसजी ने सुपर ओवर में पूरन और पंत को बल्लेबाजी के लिए भेजा। पूरन पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि एलएसजी कुल तीन गेंद ही खेल सकी। अन्य बल्लेबाज एडन मारक्रम भी बिना खाता खोले आउट हो गए। पंत ने कहा कि हमने टीम के रूप में चर्चा की थी और जो नाम सामने आया, वह निकी पी (पूरन) का था। हो सकता है वह इस समय अपने करियर की सर्वश्रेठ फॉर्म में न हों, लेकिन मुश्किल समय में आपको अपने खिलाड़ी पर भरोसा करना होता है। वो वापसी करेंगे। इसलिए कोई बहाना नहीं है। बस सकारात्मक बातों को देखना है। अभी शायद ज्यादा सकारात्मक बातें नजर न आ रही हों।

बंग्लादेश ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया

चटगांव, वार्ता। मो. तौहीद दोय (नाबाद 51) और शमीम हुसैन (नाबाद 31) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत बंगलादेश ने सोमवार को पहले टी-20 मुक.ाबले में न्यूजीलैंड को 12 गेंदें शेा रहते छह विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए सैफ हसन और तंजिद हसन की सलामी जाड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। छठें ओवर में नेथेन स्मिथ ने सैफ हसन (17) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कप्तान लिटन कुमार दास (21) और तंजिद हसन (20) को ईश सोढ़ी ने आउट किया। परवेष हुसैन इमॉन 14 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश ने 18 ओवरों में चार विकेट पर 183 रन बना छह विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मो- तौहीद हृदोय और शमीम हुसैन की जोड़ी ने पांचवें विकेट अविजित 49 रन जोडे। मो- तौहीद हृदोय ने 27 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 51 रनों की पारी खेली। शमीम हुसैन ने 13 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 31 रन बनाए। इससे पहले आज यहां के- क्लार्क और डेन क्लीवर की (51-51) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैड ने पहले टी-20 मुक.ाबले में बंगलादेश को जीत के लिए 183 रनों का लक्ष्य दिया। बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को दूसरे ही ओवर में टिम रॉबिसन (शून्य) के रनआउट होने पर पहला झटका लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेन क्लीवर ने के- क्लार्क के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 88 रन जोड़े। 10वें ओवर में रिशाद हुसैन ने डेन क्लीवर को आउट कर इस साझेदारी को अंत किया। डेन क्लीवर ने 27 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 51 रन बनाए। 12वें ओवर में के- क्लार्क को भी रिशाद हुसैन ने अपना शिकार बना लिया। के क्लार्क ने 37 गेंदों में सात चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 51रनों की पारी खेली।

कप्तान निक केली ने 27 गें.दों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जॉश क्लार्कसन ने 14 गेंदों में दो चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 27 रनों की पारी खेली। बंगलादेश के लिए रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। शोरिफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और मेहदी हसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीमारी से जूझते हुए गॉफ ने दर्ज की जीत

मैड्रिड, वार्ता। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने बीमारी से जूझते हुए एक सेट और एक ब्रेकडाउन से वापसी करते हुए सोराना किस्टिया को हराते हुए मैड्रिड ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली है। वहीं पुरुा वर्ग में जैनिक सिनर ने एल्मर मोलर पर जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंच गए हैं। मुकाबले के दौरान अमेरिका की तीसरी सीड गॉफ पेट के संक्रमण से जूझती रही और उन्हें दूसरे सेट के बीच में कूड़ेदान में उल्टी करनी पड़ी। उन्होंने ने वापसी करते हुए रोमानिया की सोराना क्रिस्टिया पर 4-6, 7-5, 6-1 से जीत हासिल की।

गॉफ ने रोमानिया की 25वीं सीड वाली क्रिस्टिया के खिलाफ दूसरे सेट में मेडिकल टाइमआउट मांगा और जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने मैच कैसे खेला, तो उन्होंने जवाब दिया, सच कहूं तो मुझे नहीं पता। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बदकिस्मती से मुझे भी वही मिला जो मैड्रिड में बाकी सबको हो रहा है। इसलिए, मैं बस कल के लिए कोशिश करूंगी। मुझे बेहतर महसूस होने लगा था, ऐसा नहीं लग रहा था कि मुझे उल्टी करनी है। उन्होंने मुझे कुछ गोलियां दीं, तो उससे निश्चित रूप से मदद मिली। लेकिन मैं सच में बहुत थक गई थी, पहला हिस्सा सचमुच बस जो कुछ भी मैंने खाया था उसे निगलने की कोशिश करना था। एक बार जब उन्होंने मुझे उसमें मदद करने के लिए कुछ दिया, तो मुझे बस उल्टी और थकान होने लगी। लेकिन मैं इससे निपट सकती हूं। गॉफ अंतिम 16 में चेक गणराज्य की 13वीं सीड वाली नोस्कोवा से खेलेंगी, जहां वह मौजूदा चैंपियन हैं। पिछले साल उन्हें फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने हराया था।

सिंधु ने BWF परिषद में अपने कार्यकाल की शुरुआत की

हॉर्सेंस (डेनमार्क), वार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विज.ेता भारतीय स्टार खिलाड़ी पी वी सिंधु ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की परिाद के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन का अध्यक्ष चुने जाने के बाद बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन की कार्उसिल में मतदान का अधिकार हासिल कर लिया है। सिंधु आधिकारिक तौर पर 2025 के आखिरी में परिाद में शामिल हुई थी। यहां बीडब्लयूएफ की हुई वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के साथ सिंधु की सबसे बड़ी गवर्निंग बॉडी में उनके कार्यकाल की शुरुआत हुई। इस अवसर पर पी-वी- सिंधु ने कहा, बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन में यह जिम्मेदारी लेना और दुनिया भर के एथलीटों की आवाज को रिप्रेजेंट करना मेरे लिए सच में सम्मान और खुशी की बात है। बैडमिंटन ने मुझे बहुत कुछ दिया है, और मैं इस तरह से खेल में योगदान देने का मौका पाकर बहुत शुक्रगुजार हूं। मैं खास तौर पर बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष खुनयिग पटामा लीस्वाडत्रकुल की उनके प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए शुक्रगुजार हूं, और मैं काउंसिल और बड़ी बीडब्ल्यूएफ कम्युनिटी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि हम दुनिया भर में इस शानदार खेल को मजबूत और आगे बढ़ा रहे हैं। बीडब्ल्यूएफ परिाद में सिंधु की मौजूदगी यह पक्का करने में एक अहम कदम है।

भारतीय टीम जीत सकती है महिला टी-20 विश्वकप: डायना एडुल्जी

डरबन, वार्ता। भारत की महान खिलाड़ी और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर डायना एडुल्जी का मानना है उनकी पूर्व टीम आगामी आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप का खिताब जीत सकती है।

डायना ने कहा नवम्बर में घरेलू मैदान पर अपना पहला एकदिवसीय विश्व कप जीतने के लिए एशियाई टीम ने सबको पीछे छोड़ दिया था और अब 12 जून को इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के 10वें एडिशन में सबसे छोटे फॉर्मेट में भी ऐसा ही करने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले भी 20-ओवर क्रिकेट में अपनी काबिलियत दिखाई है और इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में हुई टी-20 सीरीज में छह बार की टी-20 विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को भी हराया है। लेकिन डायना एडुल्जी के मुता.बिक, सबसे छोटे फॉर्मेट में टीम के लगातार अच्छा प्रदर्शन न करने से चिंतित हैं। एडुल्जी ने ओलंपिक डॉट कॉम को बताया, टी-20 पूरी तरह से एक अलग खेल है, और टीमों का अच्छा प्रदर्शन हर खिलाड़ी के योगदान पर निर्भर करता है, और मैं चाहती हूं कि बड़े खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें, और 170-180 का टोटल मुश्किल होगा।लेकिन हम एकदिवसीय प्रारुप में अच्छे हैं, टी- 20 में यह एक अलग गेम है। हमारे पास इस गेम को अपनाने वाले युवा क्रिकेटर हैं। टी-20, मुझे पक्का नहीं पता, मैंने डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में देखा है, जिससे पता चलता है कि हमारी लड़िकयों में क्या कमी है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़कियों के खिलाफ हालात हैं, और उन्हें ढलने में समय नहीं लगेगा। मुझे यकीन है कि आने वाले समय में, हम उन्हें कमियों को पूरा करते हुए देखेंगे। हमने एकदिवसीय में एक बेहतर टीम साबित की है और इस छोटे वर्शन में कॉसिस्टेंसी (जरूरी है)। लड़िकयां खुद को साबित करेंगी कि वे बेस्ट हैं। हमें बेस्ट की उम्मीद करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत को टी-20 विश्व कप में ग्रुप ए में रखा गया है।

मंगलौर पुलिस ने दबोचे तीन नशा तस्कर

आरोपियों के कब्जे से दस लाख रुपए कीमत की 32 ग्राम अवैध स्मैक की बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर/नारसन। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत मंगलौर पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 32.80 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है।

कोतवाली प्रभारी भगवान मेहर के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें गठित की गई थीं। टीमों ने गांव और कस्बों की कच्ची सड़कों से लेकर हाईवे तक सघन चेकिंग अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हुए पुलिस ने

अलग-अलग स्थानों से तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी सईद अहमद पुत्र सुल्तान अहमद, निवासी मौहल्ला कटहेड़ा, मंगलौर को 26.28 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद स्मैक की कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई गई है। वहीं पिरान कलियर थाना क्षेत्र निवासी मुनीर पुत्र रियासत और सलमान पुत्र खुर्शीद को संयुक्त रूप से 6.52 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। इस बरामदगी की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया गया है। कोतवाली प्रभारी भगवान मेहर ने बताया कि 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में नशे का कारोबार पनपने नहीं दिया जाएगा। गिरफ्तारी करने वाली टीम में मंगलौर चौकी प्रभारी नितिन बिष्ट, चौकी प्रभारी नारसन हेमदत्त भारद्वाज, अउनि श्याम बाबू, अमित शर्मा, कानि हाकम सिंह और कानि पंकज चौधरी शामिल रहे।

घोसीपुरा में अवैध खनन के विरोध पर जमकर पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घोसीपुरा में अवैध खनन को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार देर रात खनन माफिया द्वारा एक ग्रामीण के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोध करने पर ग्रामीण को बेरहमी से पीटा गया और उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया, ताकि घटना का कोई सबूत न रहे। पीड़ित रिसालत अली ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।ग्राम निवासी हाकम अली का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन हो रहा है और इसका विरोध करने वालों को धमकाया जा रहा है। उनका आरोप है कि पूर्व में भी मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन-रात सरकारी जमीनों पर खनन किया जा रहा है और शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और सुरक्षा की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गंगदासपुर गांव के जंगल में मिला अज्ञात युवक का शव, सनसनी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर क्षेत्र के गंगदासपुर गांव के जंगल में सोमवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नाले के पास मिला शव।

रायसी चौकी पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह लगभग 10 बजे ग्रामीणों ने सूचना दी कि गंगदासपुर गांव के जंगल में एक नाले के समीप करीब 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही रायसी चौकी प्रभारी अजय कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के मुताबिक, शव काफी खराब स्थिति में था, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि मौत कुछ समय पहले हुई होगीशिनाख्त के प्रयास जारीपुलिस ने आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी युवक की पहचान नहीं हो पाई। मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या सामग्री बरामद नहीं हुई जिससे उसकी पहचान सुनिश्चित की जा सकेपुलिस का बयानरायसी चौकी प्रभारी अजय कुमार ने बताया शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। युवक की पहचान के लिए उसकी फोटो और जानकारी आसपास के सभी थानों और सोशल मीडिया ग्रुप्स में प्रसारित कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक उस निर्जन स्थान तक कैसे पहुँचा

आईआईटी रुड़की ने जीता ऑल सर्विस क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी रुड़की के क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए श्ऑल सर्विस क्रिकेट डिपार्टमेंट टूर्नामेंटश के रोमांचक फाइनल मुकाबले में आईआईटी रुड़की की टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। 12 मार्च 2026 से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का भव्य समापन 26 अप्रैल को डे-नाइट मैच के साथ हुआ।

मैच का लेखा-जोखा: सौरभ बास की शानदार बल्लेबाजी-फाइनल मुकाबला केदार-11 एडवोकेट बनाम आईआईटी रुड़की के बीच खेला गया। केदार-11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन आईआईटी रुड़की के गेंदबाजों के सटीक अनुशासन के सामने उनकी टीम टिक नहीं सकी और पूरी टीम महज 114 रनों पर सिमट गई। वहीं आईआईटी की टीम की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। केदार-11 के गेंदबाजों, विशेषकर प्रदीप और सुदीप (2-2 विकेट), ने आईआईटी के बैटिंग लाइनअप को कड़ी चुनौती देते हुए 7 विकेट झटक लिए। हालांकि, एक छोर पर सौरभ बास डटे रहे। उन्होंने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 60 रन बनाए और अपनी टीम को जीत की दहलीज के पार ले गए। मैन ऑफ द मैच सौरभ बास (शानदार 60

रन) एवं मैन ऑफ द सीरीज शिवम सैनी रहे। टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इवेंट मैनेजर हरेंद्र आर्य ने बताया कि पिछले डेढ़ महीने से चल रहे इस आयोजन ने विभाग के खिलाड़ियों को एक बेहतरीन मंच प्रदान किया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिन गुप्ता, चेरब जैन, अशोक चौहान, अनुराग राठी और सरिता शर्मा उपस्थित रहे। साथ ही अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता निशानेबाज अनित चौधरी, इंद्रपाल बेदी, शील चंद सैनी, मनोज देशवाल और अमित धीमान ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिन शर्मा, मनोज शर्मा, अजय सकलानी, बैजराम, पल्लवी, मेघा, प्राची सेठी, विवेक मांगलिक, सुमित शर्मा, अंकित सिंह, मोहित लाल, अभिनव देशवाल और शौर्य सैनी का विशेष सहयोग रहा

युवक से ऑनलाइन लाखों की धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला लक्सर कस्बे के केशव नगर मोहल्ले का है, जहाँ एक युवक ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया। पीड़ित के खाते से शातिरों ने जाल बिछाकर करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक की रकम उड़ा ली। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्या है पूरा मामला-केशव नगर मोहल्ला निवासी कुलदीप कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके मोबाइल पर एक अज्ञात ऑनलाइन लिंक आया था। जैसे ही उन्होंने उस लिंक को क्लिक किया, उनके बैंक खाते से किस्तों में कुल 1,54,500 रुपये की राशि कट गई। कुलदीप का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपनी पहचान छुपाकर और झूठे नाम का सहारा लेकर उनके साथ छल-कपट किया और उनकी मेहनत की कमाई हड़प ली। खाते से बड़ी रकम कटने का मैसेज मिलते ही पीड़ित के होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस की शरण ली। लक्सर कोतवाली के एसएस आई नितिन चौहान ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर ध ोखाधड़ी और संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। उन्होंने कहा ऑनलाइन धोखाधड़ी के इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है और बैंक ट्रांजेक्शन की डिटेल खंगाली जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, लॉटरी या संदिग्ध मैसेज पर क्लिक न करें।

बारात में विवाद के बाद गांव में पथराव

मंगलौर। कोतवाली क्षेत्र के गांव टांडा भनेड़ा से कलियर गई एक बरात में शुरू हुआ मामूली विवाद गांव लौटते ही खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच जमकर चले ईंट-पत्थरों से गांव में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। वहीं दूसरी ओर मंगलौर के मोहल्ला मलकपुरा में हुई कहासुनी के बाद हुए पथराव की घटना में इरफान और साजिद निवासी मलकपुरा घायल है। मंगलौर के टांडा भनेड़ा गांव से एक बरात पिरान कलियर गई थी। वहां शादी की रस्मों के दौरान किसी पर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और नौबत हाथापाई तक आ गई। हालांकि उस समय मौजूद जिम्मेदार लोगों और बरातियों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत करा दिया था। बताया जा रहा है कि जैसे ही बरात वापस गांव पहुंची कलियर में हुई तनातनी की कसक फिर से उभर आई। दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने आ गए। गाली-गलौज से शुरू हुआ मामला देखते ही देखते पथराव में बदल गया। सड़क पर ईंट-पत्थर चलने से गांव में अफरातफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इध र-उधर भागने लगे। विवाद की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भारी बल के साथ टांडा भनेड़ा पहुंचा। पुलिस को देखते ही पथराव करने वाले उपद्रवी मौके से फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर झगड़ा करने वालों को तलाश रही है। इंस्पेक्टर भगवान सिंह मेहर ने बताया कि अरसलान निवासी भनेड़ा व नदीम निवासी टांडा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

अभ्यस्त अपराधियों पर सिविल लाइन पुलिस का शिकंजा

गोकशी व पशुक्रूरता में शामिल 3 गैंगस्टर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। एसएसपी के सख्त रुख के बाद जनपद पुलिस ने ऐसे आदतन अपराधियों की लम्बी लिस्ट तैयार, सभी पर लगातार कड़ी कार्रवाही कर रही है। सिविल लाइन पुलिस ने गोकशी व क्रूरता में शामिल तीन गैंगस्टर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर जनपद में समाज विरोधी, पेशेवर व अभ्यस्त अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की प्रदीप विष्ट के नेतृत्व में गिरोह बनाकर गोकशी/पशु क्रूरता जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले 05 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। मु0अ0सं0 160/2026 व 161/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत। दिनांक 27.04.2026 को 03

अभियुक्तों को उनके ठिकानों से हिरासत में लिया गया। सभी के विरुध्द अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। नाम पता गैंगस्टर-नौशाद पुत्र बांदा, निवासी जौरासी जबरदस्तपुर, रुड़की, प्रवेज पुत्र महमूद, निवासी इमली रोड, रुड़की, साहिल पुत्र शमीम, निवासी धोबी वाली गली, इमली रोड, रुड़की है।

बाइक सहित चोर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सिविल लाइन पुलिस ने एक वाहन चोर को दबोच कर उसकी निशानी पर एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है पूछताछ में बताया गया है कि वह अपने शोक पूरा करने के लिए वाहन चोरी की घटनाओं का अंजाम देता था।

जानकारी के अनुसार वादी शाहिद परवेज पुत्र स्व. शमशाद अली निवासी मौहल्ला सत्ती, साबरी मस्जिद के पास, रुड़की द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर उनकी स्प्लेंडर प्लस (सिल्वर रंग) चोरी होने पर कोतवाली रुड़की में मु0अ0सं0 163/26 धारा 303(2) छछै के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप विष्ट के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 27.04.2026 को वर्ल्ड बैंक कॉलोनी के दूसरे गेट के पास झाड़ियों से आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित हिरासत में लिया। अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। नाम पता आरोपित-मोईन उर्फ मोनू पुत्र मशरूर निवासी छप्पर वाली मस्जिद के पास, इमली रोड, कोतवाली रुड़की, हरिद्वार (उम्र: 24 वर्ष) है। उसको पकडने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 सुभाष चन्द, चौकी प्रभारी सोत बी, कांस्टेबल सुरेश तोमर, कांस्टेबल इतेन्द्र ध्यानी आदि मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम कुछ दस्तावेजों में भोला व जन्मतिथि 11-05-2006 दर्ज हो गई थी जो गलत है मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 01-01-2009 व मेरे पुत्र का सही नाम सुशांत सिंह कर्णवाल है। मेरे पुत्र को सुशांत सिंह कर्णवाल नाम से ही जाना पहचाना पढ़ा लिखा व दर्ज किया जाए। श्रीमती बबली पत्नी नेतराम उर्फ संदीप नि. ग्राम हिरण खेड़ी ग्राम पंचायत बुक्कनपुर ब्लॉक व तहसील लक्सर हरिद्वार।

चोरों ने लाखों के जेवर व नकदी पर किया हाथ साफ

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में शनिवार रात एक घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। विरोध करने पर गृहस्वामी के साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गए। ग्राम लाटरदेवा हुण निवासी जोगेन्द्र ने थाने में तहरीर देकर बताया कि वह 25 अप्रैल को अपने परिवार के साथ साले की शादी में गए थे। रात करीब 10:45 बजे जब वह घर लौटे और मुख्य द्वार खोला, तो उन्हें अंदर से कुछ आवाजें सुनाई दीं। जोगेन्द्र के हल्ला करने पर घर के अंदर से दो युवक भागने की कोशिश करने लगे। भागने की कोशिश कर रहे बदमाशों में से एक तो दीवार फांदकर फरार हो गया, लेकिन जोगेन्द्र ने दूसरे को दबोच लिया। जोगेन्द्र और आरोपित के बीच काफी देर तक हाथापाई हुई। पीड़ित ने आरोपित की पहचान गांव के ही रोशन उर्फ छोटन के रूप में की है। शोर मचने पर आरोपित जोगेन्द्र को धक्का देकर मौके से फरार हो गया, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं। शोर सुनकर पड़ोसी अक्षय कुमार मौके पर पहुंचे और घायल जोगेन्द्र को थाने लेकर पहुंचे। चोरों ने सोने के दो जोड़ी कान के सेट, एक गले का सेट,चांदी के दो हाथों के पचांगले,नकदी 60 हजार रुपए एक इनवर्टर-बैटरा और एक मोबाइल फोन पर हाथ साफ किया। थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि मामले में जोगेन्द्र की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

शोभायात्रा के दौरान मारपीट मामले में केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र के टिक्कमपुर गांव में अंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस ने एक युवक और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट और हुड़दंग करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैक्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार टिक्कमपुर निवासी विनोद पुत्र नरेश ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते 14 अप्रैल को गांव में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी। गांव में उल्लास का माहौल था लेकिन तभी गांव के ही एक युवक अयन पुत्र हरपाल ने अपने कुछ अज्ञात दोस्तों के साथ मिलकर रास्ते में विनोद के भाई प्रवीण को घेर लियाआरोप है कि बिना किसी उकसावे के अयन और उसके साथियों ने प्रवीण के साथ गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव के लिए जब लोग इकट्ठा हुए तो आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर तत्काल प्रभाव से मामला दर्ज कर लिया है। लक्सर कोतवाली के एसएसआई नितिन चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। फिलहाल, गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है और पुलिस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

53 पाउच अवैध देशी शराब सहित एक तस्कर को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सिविल लाइन पुलिस ने 53 पूछअवैध शराब के साथ एक शराब तस्कर को दबोच कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार जनपद में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की द्वारा थाना क्षेत्र में नशा माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतु टीम गठित की गई। दिनांक 26-04-2026 को पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए एक तस्कर को मोहनपुरा फ्लाईओवर के नीचे रेलवे पटरी के पास से हिरासत में लिया गया। आरोपी के विरुध्द मु. अ.स.-162/2026 अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। नाम पता आरोपित-गोपाल पुत्र स्व० लाला निवासी: डबल फाटक, मोहनपुरा, कोतवाली रुड़की, जनपद हरिद्वार है।

लक्सर क्षेत्र में सरकारी चिकित्सक की कार पर फायरिंग, बाल-बाल बची जान

परिवार दहशत में, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश की शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर क्षेत्र के बाडीटाप गांव में एक सरकारी चिकित्सक की कार पर बदमाशों ने फायरिंग की गयी जिसमें चिकित्सक व उसका परिवार बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों की धरपकड के लिए प्रयास शुरू कर दिये हैं।

जानकारी के अनुसार सोमवार को शाहपुर-भोगपुर मार्ग पर काटद्वार में तैनात सरकारी चिकित्सक अपने गांव दाबकी से परिवार के साथ जा रहा था जब उसकी बार बाड़ीटीप गांव के पास बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने कार को निशाना बनाते हुए कई राउंड फायरिंग कर दी। जिसमें कार सवार चिकित्सक व उसका परिवार घबरा गये तुरंत ही आवाज सुनकर आसपास के लोग दौडे तो बदमाश मौके से फरार हो गये। बताया गया कि चिकत्सक सुमित चौधरी कार में उनके साथ पूर्व ग्राम प्रधान भंवर सिंह, शीला देवी और साला सुमित पवार भी मौजूद थे। दोपहर के समय जब वे वापस भिक्कमपुर लौट रहे थे, तभी बाड़ीटीप गांव के पास एक सिल्वर रंग की स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उनकी कार का पीछा करना शुरू कर दिया। खिड़की में जा धंसी गोली-डॉ. सुमित ने बताया कि बदमाशों ने कार के बराबर बाइक लगाकर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने कुल चार राउंड गोलियां चलाईं। इनमें से एक गोली कार की पिछली खिड़की के शीशे को चीरते हुए अंदर जा ध ंसी। गनीमत रही कि गोली किसी

सवारी को नहीं लगी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर हवा में हथियार लहराते हुए फरार हो गए। लक्सर कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक नितिन चौहान ने बताया दाबकी निवासी डॉ. सुमित चौधरी की तहरीर के आधार पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

भीषण गर्मी में भी गैस एजेंसी के बाहर लग रही लोगों की लंबी कतार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। भीषण गर्मी के चलते भी सोमवार को दोपहर तक कस्बा स्थित इंडेन गैस एजेंसी कार्यालय के बाहर गैस सिलेंडर लेने वाले उपभोक्ताओं की लाइन लगी रही। सुबह 9:00 बजे गैस एजेंसी कर्मचारियों द्वारा कार्यालय खोलने के बाद उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए गैस एजेंसी के बाहर दोपहर तक गर्मी में धूप में खड़े होना पड़ा। दोपहर 12:00 बजे बाद ही लोगों को राहत मिल पाई। कस्बा झबरेड़ा व ग्रामीण क्षेत्र में एक ही गैस एजेंसी कस्बे में है। इसी एक गैस एजेंसी पर पूरा कस्बा सहित ग्राम कोटवाल आलमपुर ग्राम भक्तों वाली ग्राम सुल्तानपुर ग्राम कुशालीपुर ग्राम शेरपुर खेल मऊ ग्राम सदोली ग्राम खरकड़ी ग्राम साबतवाली आदि कई गांव के लगभग 50000 की जनसंख्या इसी गैस एजेंसी पर निर्भर है। सरकार द्वारा गैस सिलेंडर लेने के लिए 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्र के लिए 45 दिन का समय मिलने का नियम निरधारित करने से कुछ लोगों के सामने जिनके परिवार बड़े हैं परेशानी खड़ी हो गई है। 25 दिन व 45 दिन में गैस सिलेंडर मिलने का नियम लागू होते ही उपभोक्ताओं परेशान है। सोमवार सुबह से ही गैस एजेंसी के बाहर लोगों की भीड़ लग गई। इस भीषण गर्मी में भी लोग कई कई घंटे तक गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे हुए हैं लेकिन सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। आवाम बेहमद परेशान है।

भगवानपुर में समाचार व विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

आशू मलिक (संवाददाता भगवानपुर)
कार्यालय : जिला पंचायत मार्किट भगवानपुर,
मोबाइल नं0 9761496669

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार , 28 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

थम गया चुनाव प्रचार

29 अप्रैल को होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा के दूसरे चरण के मतदान का चुनाव प्रचार 27 अप्रैल को थम गया। दूसरे चरण में 142 विधानसभा सदस्यीय सीटों पर चुनाव होना है। 152 पर 23 अप्रैल को पहले ही हो चुका है। चुनाव यूं तो लो. कतंत्र में एक सामान्य प्रक्रिया है और पूरे देश में चुनाव होते हैं। अभी भी पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन पश्चिमी बंगाल को लेकर जिस तरह का चुनाव प्रचार देखने में आया, ऐसा बेहद कम ही देखने में आता है। प्रधानमंत्री मोदी सहित तमाम नेता व भाजपा पश्चिम बंगाल में लंबे समय से डेरा जमाए रहे। आरएसएस व अन्य सहयोगी संगठन भाजपा को पूरा बैकअप दे रहे हैं। जाहिर है चुनाव की गर्मी के साथ-साथ बेचैनी का माहौल भी बनता है। यूं भी पश्चिम बंगाल का चुनाव अपनी हिंसक घटनाओं के लिए भी जाना जाता है। भले ही पहले चरण का मतदान शांतिपूर्वक बताया जा रहा हो, लेकिन तब भी कई स्थानों से मारपीट व हिंसा की खबरें आई थी। यह अलग बात है कि कोई बड़ा कांड सामने नहीं आया और इसलिए चुनाव आयोग ने भी राहत की सांस ली, लेकिन 29 तारीख को होने वाले चुनाव से पूर्व जिस तरह 27 अप्रैल को गोहाटी में टीएमसी की सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ, हमले के समय वह गो घाट से आराम बाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शॉ में शामिल हो रही थीं। हमले में कार के शीशे फूट गए, उनको व उनके ड्राइवर को चोटें आईं। जहां दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन जहां भवानीपुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना रोड शॉ किया, तो वहीं पीएम मोदी ने बंगाल की जनता को एक ओपन लेटर लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि बंगाल में रैलियों और रोड शॉ के दौरान उन्हें ऐसा लगा कि जैसे वह किसी तीर्थ यात्रा पर हों। भीषण गर्मी के बावजूद थकान महसूस नहीं हुई और मां काली के भक्तों तथा लोगों के आशीर्वाद से ऊर्जा मिलती रही। इससे पता चलता है कि भाजपा अपने हिन्दुत्व को लेकर ही आगे बढ़ना चाहती है और इसी के सहारे अपनी चुनावी नैया पार लगाने का प्रयास कर रही है। जीत किसकी होगी, इसका पता तो उस समय ही लगेगा जब 4 मई को चुनाव परिणाम सामने आएंगे, लेकिन चुनाव प्रचार के समय जिस तरह जनता से जुड़े मुद्दे गौण दिखाई दिए और उनकी जगह तू-तू मैं-मैं ने ले ली, जिनमें घुसपैठियों ने बड़ी भूमिका निभाई। उससे पता चलता है कि भारतीय राजनीति में गंभीरता की कमी होती जा रही है और बुनियादी मुद्दे हाशिए पर रखे जा रहे हैं। चुनाव प्रचार के समय जो सबसे ज्यादा खराब बात देखने में आई वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता पर तमाम विरोधी दलों के हमले हैं। जिसमें वह कहते रहे हैं कि चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है और भाजपा से मिलकर वोट काटने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग हालांकि इस बात से इन्कार करता है, लेकिन साथ में यह भी कहना पड़ेगा कि उसकी ओर से ऐसा उत्तर नहीं आता जिसको संतोषजनक कहा जा सके।

इजरायल पर रुख को लेकर भारत अकेला

भारत असामान्य रूप से इजरायल के पक्ष में खड़ा है और ब्रिक्स देशों की बैठक में उसके रुख का अन्य सदस्यों ने समर्थन नहीं किया, ब्रिक्स देशों के उप विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक आयोजित हुई, जो बिना किसी संयुक्त वक्तव्य के समाप्त हुई, इजरायल -फलस्तीन मुद्दे पर भाषा को लेकर सदस्य देशों के बीच मतभेद सामने आए और भारत द्वारा भाषा को नरम करने के आग्रह को अन्य देशों ने स्वीकार नहीं किया, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, यूएई और ईरान के प्रतिनिधियों ने भारत के रुख का समर्थन नहीं किया, यह देश के हितों को प्रभावित करने वाली नीति है, भारत दुनिया का एकमात्र प्रमुख देश बन गया है, जो गाजा, दक्षिण लेबनान और वेस्ट बैंक में जारी घटनाओं के बावजूद इजरायल के प्रति समर्थन बनाए हुए है, जिससे संतुलित विदेश नीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। **-जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग**

भारतीय राजनीति के जय चंद और मीर जाफर

जनता इस बार के दलबदलुओं की तुलना इतिहास के गद्दार जय चंद व मीर जाफर से कर रही है। यह सरासर पंजाब के उनलोगों से धोखा व गद्दारी है जिन्होंने इन दलबदलुओं को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा। पहले भी विभिन्न राज्यों में राजनैतिक तोड़फोड़ कर सत्ता परिवर्तन करने वाली भाजपा पंजाब में भी निर्वाचित सरकार को गिराने या अस्थिर करने के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ भी यही खेल, खेल सकती है।

तनवीर जाफरी

सिद्धांत व विचारविहीन राजनीति करते हुए अपनी सुविधा, लाभ व राजनैतिक भविष्य के मद्देनजर दल बदल करना हमारे देश में एक हकीकत बन चुकी है। सच पूछिए तो वर्तमान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की पूरी सत्ता इस समय दल बदलुओं के भरोसे ही चल रही है। इस समय केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद विधायक जैसे तमाम पदों पर कल के कांग्रेसी आज के भाजपाई बने देखे जा सकते हैं। इनमें कई तो लंबे समय तक विपक्ष की भूमिका में न रह पाने और संघर्ष व विपक्ष की राजनीति में सक्षम न हो पाने के कारण किसी न किसी बहाने से भाजपा में शामिल हुए। तो कई भ्रष्ट लोग जेल जाने या कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए श्राजनैतिक धर्म परिवर्तन श करने को मजबूर हुए। कुछ नेता डर,लालच या भयवश इधर से उधर करने को बाध्य हुए तो दल बदल के लिए उतावले कई नेता पार्टी में अपनी उपेक्षा का बहाना बनाकर चलते बने। यह और बात है कि ऐसे अनेक लोग दल बदल कर जहां गए वहां भी वे देखते देखते लापता हो गए।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी को भी उस समय एक बार फिर जबरदस्त झटका लगा जबकि उसके राज्य सभा के दस में से सात सांसदों ने दल बदल कर भाजपा में शरण ले ली। ए सभी सात सांसद पंजाब राज्य से निर्वाचित होकर आए थे। गौरतलब है कि इस समय आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में ही सत्ता में है। और इसी राज्य के 7 राज्य सभा सांसदों के पार्टी बदलने के बाद अब कई विधायकों के भी दल बदल की संभावना जताई जा रही है। इस दल बदल के मुख्य सूत्रधार के रूप में राघव चड्ढा को देखा जा रहा है। राघव चड्ढा वही हैं जो कई बार यह कह चुके हैं कि भाजपा अनपढ़ व गुंडों की पार्टी है। यह गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है। राघव चड्ढा पिछले दिनों राज्यसभा में उठाए गए कई जनहितकारी मुद्दों को लेकर जनता में काफी लोकप्रिय हो गए थे। उन्होंने संसद में गिग वर्कर्स की सुरक्षा, एयरपोर्ट पर आम लोगों को मिलने वाला महंगा खाना, गरीब आदमी का मिनिमम बैलेंस कम होने पर उसपर लगने वाली बैंक पैनल्टी, पैटरनिटी लीव, स्वास्थ्य सेवा, इनकम टैक्स जैसे अनेक मुद्दे उठाए थे। तथा इन मुद्दों पर सरकार से एक्शन लेने की मांग भी की थी। इन दलबदल करने वालों में एक राज्यसभा सांसद का नामअशोक मित्तल है। ए उस लवली ग्रुप के मालिक हैं जिसका वार्षिक टर्नओवर रु. 850 करोड़ का बताया जा रहा है। मित्तल, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, लवली ऑटोज, लवली स्वीट्स जैसे संस्थानों के स्वामी हैं। अभी कुछ दिन पहले ही मित्तल के लगभग सभी ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ED की छापेमारी भी हुई थी। और आखिरकार इन्होंने भी भाजपा की शरण में जाकर अपने व्यवसायिक साम्राज्य की रक्षा करने में ही अपनी भलाई समझी। बहरहाल जितने भी चेहरे आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में गए हैं उनमें से किसी का भी कोई पूर्व राजनैतिक अनुभव नहीं है। हरभजन सिंह क्रिकेटर को छोड़ जिसने भी अपनी पहचान बनाई है वह केजरीवाल व आप पार्टी के साथ काम कर ही बनाई है। हालांकि केजरीवाल व आप का साथ छोड़कर जाने वाले नेताओं की फेहरिस्त भी बहुत लंबी है। यह भी सच है कि केजरीवाल के आचरण व स्वभाव में जरूर कुछ न कुछ कमी है जिसके चलते प्रशांत भूषण व योगेंद्र यादव जैसे अनेक बुद्धिजीवी व सुलझे हुए लोग भी केजरीवाल को छोड़कर चले गए। परन्तु इस ताजातरीन दलबदल के बाद जनता की राय बिल्कुल विपरीत है। जनता इस बार के दलब. दलुओं की तुलना इतिहास के गद्दार जय चंद व मीर जाफर से कर रही है। यह सरासर पंजाब के उनलोगों से धोखा व गद्दारी है जिन्होंने इन दलब. दलुओं को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा। ऐसा माना जा रहा है कि पहले भी विभिन्न राज्यों में राजनैतिक तोड़फोड़ कर सत्ता परिवर्तन करने वाली भाजपा पंजाब में भी निर्वाचित सरकार को गिराने या अस्थिर करने के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ भी यही घिनौना खेल, खेल सकती है परन्तु भाजपा व इनके पाले में गए अवसरवादी दलबदलुओं को इसबार यह खेल मंहगा पड़ सकता है, क्योंकि इस दल बदल से आम जनता में भारी रोष है। कई किसान नेता भी खुलकर इन अवसरवादियों के विरुद्ध मैदान में आ गए हैं। जिससे ऐसा लगता है कि इन लोगों का भविष्य में जनता के बीच जाना आसान नहीं होगा। इस बात की भी उम्मीद की जा रही है कि भाजपा ने अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले जिन उम्मीदों से ऑपरेशन लोटस चलाया था उन उम्मीदों पर भी पानी फिरने वाला है। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि इस राजनैतिक घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी को नुक्सान हुआ भी तो भी भाजपा को कोई फायदा नहीं मिलने वाला। बजाए इसके कांग्रेस जरूर राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। उधर कानूनी जानकारों का भी कहना है कि यह सातों सांसद भले ही दो तिहाई सदस्यों के पार्टी छोड़ने को दल बदल कानून के दायरे से बाहर बता रहे हों परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांसदों से पहले यदि आम आदमी पार्टी के सदस्यों द्वारा बाकायदा दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर पार्टी छोड़ने की घोषणा की गई होती उसके बाद ही सांसदों का दो तिहाई दल बदल कानूनी रूप से सही माना जाता। परन्तु चूंकि पार्टी की तरफ से ऐसा कुछ भी नहीं है इसलिए इन सभी का दलबदल पूरी तरह गैरकानूनी है। लिहाजा यदि राज्य सभा के सभापति से लेकर अदालत तक ने समय रहते ईमानदारी से फैसला किया तो इन सभी दलबदलुओं की राज्य सभा सदस्यता जा सकती है। बहरहाल यह महाराष्ट्र नहीं जहां भाजपा ने शिवसेना में विभाजन कराकर सत्ता हथियाने का चक्रव्यूह रचा था। बल्कि यह वह पंजाब है जिसने किसान आंदोलन में इसी सरकार को नाकों चने चबाने और विवादित कृषि कानून वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। पंजाब में ही कांग्रेस व अकाली दल छोड़कर अपने उज्जवल राजनैतिक कैरियर की तलाश में भाजपा में शामिल अनेक प्रमुख नेताओं का आज कोई अता पता ही नहीं है। भारतीय राजनीति के इन जय चंदों और और मीर जाफरों को भी न तो पंजाब की जनता बख्शने वाली है न ही भाजपा में इन्हें वह मान सम्मान व अवसर मिलने वाला है जो इन्हें आम आदमी पार्टी में हासिल था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बिना गुरु का शिष्य : रामानुजन की सूत्रों वाली आध्यात्मिक क्रांति

उनकी नोटबुक्स और शोध समय के साथ और अधिक अमूल्य बनते गए, और यह सत्य स्थापित हुआ कि सच्ची प्रतिभा कभी समाप्त नहीं होती, वह समय के प्रवाह में और भी अधिक तेजस्वी होकर उभरती है। आज रामानुजन का नाम केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेरणा के एक अनंत प्रवाह के रूप में जीवित है। उनका जीवन यह स्पष्ट संदेश देता है कि प्रतिभा किसी सुविधा या संसाधन की मो. हताज नहीं होती, बल्कि वह गहरे समर्पण, अटूट विश्वास और निरंतर साधना से जन्म लेती है। भारत सरकार द्वारा उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाना तथा उनकी विरासत को सम्मान देना इस तथ्य का सशक्त प्रमाण है कि उनका योगदान केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अमूल्य धरोहर है।

काल के पन्नों में 26 अप्रैल 1920 वह दिन बनकर दर्ज हुआ, जब गणित की दुनिया ने अपना सबसे उज्ज्वल नक्षत्र खो दिया। उस क्षण गणित के आकाश से एक ऐसा सूर्य अस्त हुआ, जिसकी प्रकाश-रेखाएं आज भी विच. ारों को दिशा देती हैं। निवास रामानुजन का भौतिक अंत भले हो गया, पर उनकी चेतना आज भी हर संख्या, हर सूत्र और हर रहस्यमई समीकरण में स्पंदित होती है। वे केवल गणितज्ञ नहीं थे, बल्कि संख्याओं के ऐसे साधक थे जिन्होंने गणित को तर्क की सीमाओं से उठाकर एक आध्यात्मिक अनुभव में बदल दिया। उनकी पुण्यतिथि शोक नहीं, बल्कि उस विलक्षण प्रतिभा का उत्सव है जिसने मानव बुद्धि की सीमाओं को खुलकर चुनौती दी। तमिलनाडु के इरोड में 22 दिसंबर 1887 को जन्मा एक बालक आगे चलकर गणित के इतिहास में असाधारण अध्याय बन गया। निवास रामानुजन का जीवन प्रारंभ से ही अभावों और संघर्षों की कठोर परीक्षा से गुजरता रहा। आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी और सीमित औपचारिक शिक्षा उनके रास्ते में लगातार दीवार बनकर खड़ी रहीं, लेकिन उनकी प्रतिभा किसी भी सीमा में बंध नहीं सकी। किशोरावस्था में जब उनके हाथ गणित की एक दुर्लभ पुस्तक लगी, तो जैसे उनके भीतर छिपा ब्रह्मांड जाग उठा। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के ही उन्होंने गणित की गहराइयों में उतरकर ऐसे सूत्र और सिद्धांत रचे, जिनकी कल्पना उस समय के विद्वान भी नहीं कर सकते थे। रामानुजन के चिंतन में गणित मात्र अंकों और समीकरणों की गणना नहीं था, बल्कि एक गहन, लगभग दैवीय अनुभव था। वे .ढ़ता से मानते थे कि उनके मन में उभरने वाले सूत्र किसी अ.श्य शक्ति की प्रेरणा से आते हैं। अपनी कुलदेवी नमगिरी में अटूट आस्था के कारण वे हर नई गणितीय खोज को ईश्वर का संकेत समझते थे। इसी आध्यात्मिक दृष्टि ने उनकी रचनाओं को एक रहस्यमय सौंदर्य प्रदान किया। अनंत श्रेणियां, जटिल भिन्नराशियां और विभाजन सिद्धांत जैसे उनके कार्य केवल गणितीय निष्कर्ष नहीं, बल्कि मानो ब्रह्मांडीय संगीत के स्वर हों, जिनमें हर लय के भीतर गहरी और शाश्वत सच्चाई छिपी हुई प्रतीत होती है। 1913 गणित के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ बन गया, जब निवास रामानुजन ने जी.एच. हार्डी को अपने सूत्रों से भरा पत्र भेजा। उन सूत्रों ने समूची गणितीय दुनिया को हिला दिया। हार्डी ने स्वयं स्वीकार किया कि ऐसे मौलिक और गहन विचार उन्होंने पहले कभी नहीं देखे थे। यह किसी सामान्य परिचय का नहीं, बल्कि एक स्वशिक्षित भारतीय युवक की अद्भुत प्रतिभा का विस्फोट था, जिसने कैम्ब्रिज में अपनी सशक्त पहचान बनाई। आगे चलकर हार्डी-रामानुजन की जोड़ी ने गणित को नई दिशा दी और संख्या सिद्धांत सहित अनेक जटिल समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। कैम्ब्रिज की विद्वतापूर्ण दीवारों के बीच भी रामानुजन का अंतर्मन निरंतर गणित की अनंत गहराइयों में विचरण करता रहा। उनकी प्रसिद्ध नोटबुक्स में ऐसे हजारों सूत्र संकलित हैं, जो आज भी आधुनिक गणित के लिए एक अबूझ रहस्य बने हुए हैं। उनकी खोजें केवल अपने युग की सीमा में कैद नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए ज्ञान के नए द्वार खोल दिए। विशेष रूप से उनके द्वारा विकसित मॉक थीटा फलन और विभाजन सिद्धांत आज भी क्वांटम भौतिकी, क्रिप्टोग्राफी और स्ट्रिंग थ्योरी जैसे अत्याधुनिक वैज्ञानिक क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, मानो रामानुजन का चिंतन समय की सीमाओं को भी पार कर चुका हो। रामानुजन की विलक्षणता का सबसे आश्चर्यजनक पक्ष यह था कि वे जटिल से जटिल गणितीय समस्याओं का समाधान बिना लंबे प्रमाणों के अपने सहज अंतर्ज्ञान से ही खोज लेते थे। यही अद्भुत क्षमता उन्हें अपने समकालीन गणितज्ञों से स्पष्ट रूप से अलग करती थी। उनकी गणनाएं केवल तर्क और नियमों पर आधारित नहीं थीं, बल्कि उनमें एक ऐसी गहरी अंतर्दृष्टि समाहित थी, जो मानो सीधे ब्रह्मांड के रहस्यमय सत्य से जुड़ी हो। इसी कारण जी.एच. हार्डी ने उन्हें गणित का ऋषि कहा था एक ऐसा संबोधन जो आज भी उनकी असाधारण प्रतिभा और आध्यात्मिक गहराई को पूर्णत: अभिव्यक्त करता है। जीवन की अंतिम पगडंडी पर रामानुजन ने अत्यंत कठिन संघर्षों का सामना किया। इंग्लैंड की कठोर जलवायु और लगातार बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं ने उनके शरीर को धीरे-धीरे दुर्बल कर दिया। अंतत: वे भारत लौटे, परंतु बीमारी ने उन्हें लगातार घेर रखा। मात्र 32 वर्ष की अल्पायु में उनका देहावसान हो गया। **-कृति आरके जैन**

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अब बदलाव की प्रयोगशाला बनने को तैयार है मप्र का धार

प्रो. आर.के. जैन

मप्र के धार की पहचान अब केवल उसके प्राचीन वैभव से नहीं, बल्कि एक नए साहसिक संकल्प से जुड़ने जा रही है। 22 अप्रैल 2026 की घोषणा ने इस शांत, ऐतिहा. सिक नगर को अचानक राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दियाकृजब इसे 'सेफ सिटी प्रोजेक्ट 2026' के लिए चुना गया। देश के 10 चुनिंदा शहरों में स्थान पाना और मध्य प्रदेश से अकेले प्रतिनिधि के रूप में उभरना इस बात का संकेत है कि धार अब बदलाव की प्रयोगशाला बनने को तैयार है। घ10 करोड़ का आवंटन और पांच वर्षों की समयसीमा केवल प्रशासनिक आंकड़े नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव हैं। प्राचीन मालवा की राजधानी अब महिलाओं की सुरक्षा के आधुनिक प्रतीक की ओर बढ़ रही है एक ऐसा रूपांतरण, जो शहर का चेहरा ही नहीं, उसकी सोच भी बदल सकता है। यह योजना सिर्फ सुरक्षा के इंतजाम खड़े करने की नहीं, बल्कि हर महिला के भीतर भरोसे का अहसास जगाने की पहल है। इसके तहत संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, बेहतर स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग और सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा। महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन इस ढांचे को और प्रभावी बनाएंगे। 'पिंक टॉयलेट्स' जैसी सुविधाएं स्पष्ट करती हैं कि लक्ष्य केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा भी है। निर्भया फंड से जुड़ी इस पहल को धार लोकसभा क्षेत्र की सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के सक्रिय प्रयासों से गति मिली, जबकि जिला प्रशासन ने चरणबद्ध योजना में हाई-रिस्क क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर इसे जमीनी जरूरतों से जोड़ दिया है। धार की मौजूदा तस्वीर ही इस पहल की अपरिहार्यता को रेखांकित करती है। ग्रामीण और शहरी जीवन का संगम जहां इसकी पहचान है, वहीं यही मिश्रण सुरक्षा की चुनौतियों को और पेचीदा बना देता है। अंधेरी गलियां, कमजोर रोशनी वाले बाजार और सूने सार्वजनिक स्थल यह परिस्थितियां महिलाओं के लिए असहजता और असुरक्षा का माहौल गढ़ती हैं। कामकाजी महिलाएं, छात्राएं और पर्यटक अक्सर भय के साए में गुजरते हैं। ऐसे में यह परियोजना केवल ढांचे का सुधार नहीं, बल्कि भरोसे को फिर से मजबूत करने का प्रयास है। स्थानीय महिलाओं की आवाज इसे दिशा देती है अब हमारी बेटियां बिना डरे बाहर निकल सकेंगी। यह सिर्फ उम्मीद नहीं, बल्कि लौटते सामाजिक आत्मविश्वास का सशक्त संकेत है। यह पहल बदलाव का निर्णायक मोड़ बन सकती है, जिसका असर शहर के हर कोने में दिखेगा। महिलाओं की बढ़ती सुरक्षा के साथ उनकी भागीदारी शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में तेजी से बढ़ेगी। बाजार देर तक जीवंत रहेंगे, छोटे कारोबारों को संबल मिलेगा और निवेश का भरोसा मजबूत होगा। पर्यटन को भी नई रफ्तार मिलेगी, क्योंकि धार के ऐतिहासिक स्थल अब अधिक सुरक्षित और आकर्षक बनेंगे। इससे स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प विक्रेता, होटल व्यवसाई और परिवहन सेवाएं सीधे लाभान्वित होंगी, और शहर की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा आएगी। मध्य प्रदेश सरकार इसे एक मॉडल मान रही है, जो इंदौर, भोपाल सहित अन्य शहरों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर यह पहल इस धारणा को तोड़ती है कि 'सेफ सिटी' केवल महानगरों तक सीमित है। इस चमकती तस्वीर के पीछे कुछ सख्त सच भी छिपे हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। 2012-16 के दौरान मध्य प्रदेश के चार शहरों में लागू 'सेफ सिटी इनिशिएटिव' की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि केवल बुनियादी ढांचे के सुधार से अपराध में अपेक्षित कमी नहीं आई। सामाजिक मान्यताओं और व्यवहार में बदलाव की कमी ने इसकी प्रभावशीलता सीमित कर दी। यही अनुभव इस नई परियोजना के लिए एक अहम चेतावनी है। कैमरे और रोशनी सुरक्षा के साधन हैं, समाधान नहीं असल परिवर्तन समाज की सोच में आता है। इसलिए व्यवहार परिवर्तन, लैंगिक संवेदनशीलता और जन-जागरूकता अभियानों को अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा, ताकि सुरक्षा दिखावे से आगे बढ़कर जीवन की स्वाभाविक सच्चाई बन सके। जमीन पर उतरते ही असली परीक्षा शुरू होती है, और यहीं चुनौतियां सामने आती हैं। रु. 10 करोड़ का फंड तभी असर दिखाएगा, जब उसका पारदर्शी और सुविचारित उपयोग हो। तकनीकी उपकरणों का नियमित रखरखाव, कर्मचारियों का समुचित प्रशिक्षण और निगरानी तंत्र की सतत सक्रियताकृयही इसकी सफलता की धुरी हैं। सीसीटीवी के विस्तार के साथ गोपनीयता का सवाल भी उठेगा, जिसे संतुलित और संवेदनशील तरीके से संभालना होगा। साथ ही डिजिटल साक्षरता और तकनीकी जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि नागरिक इस व्यवस्था से जुड़ सकें और उसका सही उपयोग करें। पांच वर्षों के बाद इसकी निरंतरता बनाए रखना भी चुनौती होगी, क्योंकि योजनाएं तभी सफल मानी जाती हैं जब वे समय के साथ जीवित और प्रासंगिक बनी रहें। फिर भी, यह पहल एक साझा जिम्मेदारी का दुर्लभ अवसर बनकर उभरती है। प्रशासन, पुलिस, गैर-सरकारी संगठन और नागरिक सभी को मिलकर इस बदलाव को जमीन पर उतारना होगा। सांसद सावित्री ठाकुर के नेतृत्व में बनी रूपरेखा में इस साझेदारी की स्पष्ट झलक है। यदि स्कूलों, कॉलेजों, महिला समूहों और स्थानीय संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा गया, तो यह पहल केवल योजना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक आंदोलन बन सकती है जो सुरक्षा से आगे बढ़कर समाज के हर आयाम को छुएगी। यही सामूहिक प्रयास इसे स्थायित्व और वास्तविक गहराई दे सकता है। इतिहास के मोड़ पर खड़ा धार अब ऐसे बदलाव की ओर बढ़ रहा है, जो सिर्फ रूप नहीं, सोच भी बदलेगा। सवाल केवल चेहरे के परिवर्तन का नहीं, बल्कि उसकी गहराई और स्थायित्व का है। इस यात्रा में आशा और सतर्कता दोनों जरूरी हैं। मजबूत वित्तीय आधार, केंद्र-राज्य सहयोग और पांच वर्षों की समयसीमा इसे सफलता की मजबूत नींव देते हैं। यदि क्रियान्वयन पारदर्शी रहा, जनभागीदारी मजबूत हुई और सोच में बदलाव आया, तो धार की सड़कें रोशनी के साथ भरोसे और स्वतंत्रता से चमकेंगी। तब यह शहर संदेश देगा कि सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है और इसी में विकास का असली अर्थ छिपा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इजरायल के साथ सीधी बातचीत की संभावना नहीं: हिजबुल्लाह

तेल अवीव। हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने सोमवार को इजरायल के साथ सीधी बातचीत की मेज पर बैठने से इनकार करते हुए कहा कि इस तरह का अनुमान लगाने का 'सवाल ही नहीं पैदा होता'। कासिम ने सशस्त्र प्रतिरोध के प्रति समूह के मजबूत इरादे को फिर से दोहराया। कासिम ने साफ तौर पर कहा कि हम हथियार नहीं छोड़ेंगे, और रक्षा तथा मैदान-ए-जंग ने टकराव के लिए हमारी तैयारी साबित कर दी है।

■ नईम कासिम ने जोर दिया कि केवल अप्रत्यक्ष बातचीत पर ही विचार किया जाना चाहिए

उन्होंने जोड़ा कि हिजबुल्लाह इजरायली आक्रामकता का जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने लेबनान सरकार की भी आलोचना की और कहा कि सरकार ने 'रियायत देने में अनावश्यक जल्दबाजी की' है। उन्होंने जोर दिया कि केवल अप्रत्यक्ष बातचीत पर ही विचार किया जाना चाहिए। ये बयान इजरायल-लेबनान सीमा पर फिर से बढ़ते तनाव के बीच आया है, जबकि वहां अप्रैल के मध्य से अमेरिका की मध्यस्थता वाला संघर्ष विराम लागू है, जिसे हाल ही में बढ़ाया गया है। इस युद्धविराम ने बड़े पैमाने पर लड़ाई को कम तो किया है, लेकिन सीमा पार होने वाले हमलों को पूरी तरह से नहीं रोका जा सका है और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर उल्लंघन के इल्जाम लगा रहे हैं। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के कई शहरों के लिए नई निकासी चेतावनी जारी की है, जिसमें बाशिदों को उन इलाकों से हटने की सलाह दी गई है जिन्हें वह हिजबुल्लाह की गतिविधियों से जुड़ा बता रहा है। एक इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि हिजबुल्लाह लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है और चेता. वनी दी कि यदि जरूरत पड़ी तो इजरायल पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। उधर, हिजबुल्ला ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसकी कार्रवाई बार-बार होने वाले इजरायली उल्लंघनों का 'वैध जवाब' है। समूह का दावा है कि संघर्ष विराम समझौते का सैकड़ों बार उल्लंघन हुआ है, जिससे यह नाजुक युद्धविराम कमजोर हो रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हालिया हमलों के बाद सेना को दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज करने का निर्देश दिया है। इन हमलों में कथित तौर पर कई लोग मारे गए हैं। इजरायली अधिकारियों का मानना है कि उत्तरी सीमा पर सुरक्षा पक्की करने के लिए सैन्य अभियान जरूरी हैं। अमेरिका की मध्यस्थता वाला यह संघर्ष विराम समझौता लगातार हो रही झड़पों और एक-दूसरे पर शर्तों को न मानने के आरोपों के कारण दबाव में है, क्योंकि दोनों ही पक्ष इस युद्धविराम के लंबे समय तक टिकने पर चिंता जता रहे हैं।

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 71वीं संयुक्त मुख्य (लिखित) प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने से पहले कतारों में इंतजार करते उम्मीदवार।

एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ मंगलवार को किर्गिजस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में एक उच्च-स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बैठक के दौरान विभिन्न सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-रोधी प्रयासों तथा एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न हो रही भू-राजनीतिक अस्थिरता की पृष्ठभूमि में आयोजित हो रही है। क्षेत्र के सबसे बड़े राजनीतिक एवं आर्थिक संगठनों में से एक एससीओ इस संघर्ष के प्रभाव को कम करने के उपायों पर भी चर्चा कर सकता है।

राजा चार्ल्स तृतीय की अमेरिका यात्रा योजनानुसार होगी: राजमहल

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के रात्रि भोज के दौरान हुई गोलीबारी की घटना के बावजूद ब्रिटिश सम्राट चार्ल्स तृतीय की अमेरिका यात्रा योजनानुसार जारी रहेगी।बकिघम पैलेस ने एक बयान में यह जानकारी दी है। इससे पहले, राजमहल के सूत्रों ने कहा था कि चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला की अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा पर इस घटना के संभावित प्रभावों के बारे में लंदन और वाशिंगटन के बीच चर्चा की जा रही है। 'इंडिपेंडेंट' समाचार पत्र ने राज. महल के हवाले से कहा है कि दिन भर दोनों देशों के बीच हुई चर्चा के बाद और सरकार की सलाह पर कार्रवाई करते हुए, हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि उनकी राजकीय यात्रा योजनानुसार आगे बढ़ेगी।

पश्चिमी देशों में परमाणु हथियारों की तैनाती पर रूस चिंतित

मास्को। रूस ने पश्चिमी देशों के अपने क्षेत्रों में परमाणु हथियार तैनात करने की बढ़ती इच्छा पर गहरी चिंता व्यक्त की है और चेता. वनी दी है कि यह रुझान भविष्य में और तेजी से बढ़ सकता है। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन में रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और रूसी विदेश मंत्रालय के एंबेसडर-एट-लार्ज आंद्रेई बेलौसोव ने स्पुतनिक को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि रूस एनपीटी के संदर्भ में कई मुद्दों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है। उनके अनुसार, पश्चिम के देशों में एक ऐसा चलन देखा जा रहा है जो जल्द ही 'हिमस्खलन जैसी वृद्धि' में बदल सकता है। उल्लेखनीय है कि एनपीटी की 11वीं समीक्षा बैठक आज से से 22 मई तक न्यूयॉर्क में आयोजित की जा रही है। बेलौसोव ने कहा कि गैर-परमाणु पश्चिमी देशों में तैनाती करने की मांग की जा रही है। नाटो के 'संयुक्त परमाणु मिशनों' और 'विस्तारित' या 'अग्रिम' परमाणु निवारण (न्यूक्लियर डिटरेंस) की योजनाएं गहरी अस्थिरता पैदा करने वाली और एनपीटी को नुकसान पहुंचाने वाली हैं। रूसी राजनयिक ने 'यूरोपीय संघ (ईयू) को परमाणु क्षमता संपन्न' बनाने की कोशिश और इसके गैर-परमाणु सदस्य देशों द्वारा खुद के परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में बढ़ने की संभावना पर भी चिंता जताई।

पाक मध्यस्थ बनने के लायक नहीं: इब्राहिम

ईरानी सांसद बोले: पाकिस्तान अमेरिका के पक्ष में झुका है, ट्रम्प के खिलाफ कुछ नहीं बोलता इस्लामाबाद

■ पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता, इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता: रेजई

तेहरान। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विद. `श मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। सांसद ने कहा पाकिस्तान हमारा एक अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह बातचीत के लिए उपयुक्त मध्यस्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान का मानना है कि एक मध्यस्थ को निष्पक्ष होना चाहिए और दोनों पक्षों को असहज सच बोलने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिसमें पाकिस्तान विफल रहा है। रजाई के अनुसार, पाकिस्तान यह सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि अमेरिका ने शुरू में प्रस्ताव स्वीकार किया और फिर उससे पीछे हट गया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान लेबनान और ईरान की रुकी हुई वित्तीय संपत्तियों के संबंध में अमेरिका को उसकी प्रतिबद्धताओं के लिए जवाबदेह ठहराने में विफल रहा है। सबसे गंभीर आरोप उस 10-सूत्रीय वार्ता ढांचे को लेकर है, जिसे ईरान का दावा है कि तेहरान यात्रा के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को सौंपे गया था। ईरान के अनुसार, जनरल मुनीर को यह प्रस्ताव इस समझ के साथ दिया गया था कि इसे अमे. रिकी पक्ष तक पहुंचाया जाएगा, लेकिन ईरान का कहना है कि उसे अब तक कोई प्रतिक्रिया या पावती नहीं मिली है। यह कूटनीतिक तनाव 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद शुरू हुए संघर्ष की पृष्ठभूमि में सामने आया है। इस युद्ध ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग बंद कर दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार कर दिया है। दूसरी ओर, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर संकेत दिया कि यदि ईरान बात करना चाहता है, तो उन्हें बस फोन करना चाहिए, लेकिन अमेरिका अब इस्लामाबाद में वरिष्ठ वार्ताकार नहीं भेजेगा। पाकिस्तान की मुस्लिम जगत के शांति मध्यस्थ बनने की महत्वाकांक्षा को इस कूटनीतिक गतिरोध से बड़ा झटका लगा है। ईरान का संदेश स्पष्ट है-तटस्थता दिखाई देनी चाहिए, केवल उसका दावा करना पर्याप्त नहीं है।

बीएलए ने किया 42 पाक सैनिकों को मारने का दावा

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने कहा है कि उन्होंने 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर 27 हमले किए हैं। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने एक बयान जारी कर हमलों की जिम्मेदारी ली। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया कि संगठन के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट, घात लगाकर हमले, छापेमारी और ड्रोन हमले किए। बीएलए ने दावा किया कि इस दौरान 42 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हुए और एक सैनिक को बंदी बना लिया गया। बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की कई चौकियों पर कब्जा करने और पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के हथियार लूटने का भी दावा किया। बीएलए ने बयान में यह भी स्वीकार किया कि पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के साथ हुई झड़पों में उसके तीन लड़ाके मारे गए। बीएलए के अनुसार, उसके लड़ाकों ने सोहंदा क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना को रिमोट कंट्रोल आईईडी से निशाना बनाया और इसके बाद घात लगाकर हमला किया, जिसमें कई जवानों के मारे जाने का दावा किया गया। बयान में यह भी आरोप लगाया गया कि हमले के बाद में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नागरिक क्षेत्रों में कार्रवाई की, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। बीएलए ने ये भी कहा कि उन्होंने खारान के अलमार्क क्षेत्र में आईईडी और घात लगाकर हमले किए गए, जिससे सुरक्षा बलों को पीछे हटना पड़ा और उन्हें नुकसान हुआ। इसके अलावा, कोहलू जिले में एक कथित सरकारी समर्थक सशस्त्र व्यक्ति की हत्या की जिम्मेदारी भी ली गई। संगठन ने बेसिमा क्षेत्र में भी सशस्त्र समूहों और सुरक्षा बलों पर हमले कर नुकसान पहुंचाने का दावा किया। बीएलए के मुताबिक, हरनाई के शहराग इलाके में झड़प के दौरान एक सैनिक को जिंदा पकड़ लिया गया। वहीं झल मगसी में एक चौकी पर कब्जा कर हथियार जब्त करने का भी दावा किया गया।

माली के रक्षामंत्री सादियो की बम धमाके में मौत

बमाको। माली के रक्षा मंत्री सादियो कामारा की बम धमाके में मौत हो गई। शनिवार को राजधानी बमाको से करीब 15 किमी दूर काटी शहर में उनके घर पर आत्मघाती कार से हमला किया गया। हमले में सादियो की दूसरी पत्नी और दो पोते भी मारे गए।

यह जानकारी उनके परिवार और अधिकारियों ने दी। एक रिश्तेदार ने रायटर्स को उनकी मौत की पुष्टि की, जबकि उनके साले ने फेसबुक पोस्ट में इसकी जानक. ारी दी। हमले के पीछे अल-कायदा से जुड़ा जिहादी संगठन जेएनआईएम और तुआरेग विद्रोही समूह एफएलएए का गठजोड़ बताया जा रहा है। दोनों संगठनों ने मिलकर यह हमला किया। इस हमले के साथ ही देश के कई हिस्सों में भी हिंसा भड़क गई। बमाको, गाओ, किदाल और सेवरे समेत कई शहरों में गोलीबारी और धमाकों की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति असीमी गोइता को सुरक्षित जगह ले जाया गया क्योंकि उनके घर को भी निशाना बनाया गया था। रक्षा मंत्री सादियो कामारा माली की सैन्य सरकार के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। वे पेशे से सैन्य अधिकारी थे और लंबे समय तक सेना में सेवा देने के बाद शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे। 2020 और 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद उनका कद तेजी से बढ़ा और वे सत्ता के केंद्र में आ गए। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने माली की सुरक्षा नीति तय करने में अहम भूमिका निभाई। कामारा को माली और रूस के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों का प्रमुख सूत्रधार माना जाता था। उनके कार्यकाल में माली ने फ्रांस और पश्चिमी देशों से दूरी बनाकर रूस के साथ सहयोग बढ़ाया। वे केवल रक्षा मंत्री ही नहीं, बल्कि सैन्य शासन के सबसे ताकतवर चेहरों में शामिल थे। तुआरेग विद्रोही संगठन एफएलए ने उत्तरी शहर किदाल पर कब्जा करने का दावा किया है। एफएलए का कहना है कि किदाल अब पूरी तरह उनके नियंत्रण में है। हालांकि माली की सेना ने कहा है कि किदाल समेत कई इलाकों में अभी भी आपरेशन जारी हैं और हमलावरों को खदेड़ा जा रहा है। विद्रोहियों ने यह भी दावा किया है कि एक समझौते के तहत माली सेना और उसके रूसी सहयोगियों को शहर छोड़ने की अनुमति दी गई है, लेकिन इसकी आधिका. रिक पुष्टि नहीं हुई है।

■ कल घर पर सुसाइड कार से हमला हुआ, हमले में सादियो की दूसरी पत्नी और दो पोते भी मारे गए

कनाडा में सिख बुजुर्ग पर हमला

ओटावा। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के वुडस्टाक शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर नस्लीय टिप्पणी के साथ हमला किया गया। आरोपी युवक ने पीड़ित को धक्का दिया और चिल्लाते हुए कहा मेरे देश से निकल जाओ।

पुलिस ने इस घटना को नफरत-आधारित अपराध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। वुडस्टाक पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 अप्रैल की है। जब सिख बुजुर्ग फुटपाथ पर चल रहे थे, तभी एक युवक ने उन्हें बिना किसी उकसावे के रोककर धक्का दे दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने केवल हमला ही नहीं किया, बल्कि पीड़ित की जातीय पहचान को लेकर आपत्तिजनक और नस्लीय टिप्पणियां भी कीं। हालांकि, इस हमले में बुजुर्ग को गंभीर शारीरिक चोट नहीं आई। जांच में यह भी सामने आया कि घटना के बाद आरोपी युवक ने पास के टर्टल आइलैंड स्कूल की बाउंड्री फांदकर परिसर में प्रवेश किया और फिर वहां से बाहर निकल गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस दौरान किसी छात्र को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें आरोपी को बार-बार नस्लीय अपशब्द कहते सुना जा सकता है, जैसे-'तुम मेरे देश में क्या कर रहे हो?' यहां से निकल जाओ। वुडस्टाक पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने कहा हमारे समुदाय में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वर्ल्ड सिख आर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ) ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई है। संगठन ने इसे अस्वीकार्य बताया और वुडस्टाक पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। डब्ल्यूएसओ ने कहा कि यह घटना किसी अकेली नहीं है, बल्कि सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ते नफरत अपराधों के एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है।

■ नस्लीय टिप्पणी भी की आरोपी ने कहा: मेरे देश से निकल जाओ, आरोपी गिरफ्तार, हिरासत में भेजा

चाड में पानी को लेकर विवाद, 40 से अधिक लोगों की मौत

न्जामेना। दक्षिण अफ्रीकी देश चाड में पानी के स्रोत पर अधिकार को लेकर दो परिवारों के बीच हुई हिसक झड़प में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। चाड के उप प्रधानमंत्री लिमाने महामत के अनुसार, यह हिंसा एक जल स्रोत को लेकर दो परिवारों के बीच शुरू हुए झगड़े का परिणाम थी। यह विवाद बाद में बदले की कार्रवाइयों में बदल गया। चाड के राष्ट्रपति महामत इदरीस देबी इतनो ने स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर एक आयोग भेजा है, जिसमें उप प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और जनरल स्टाफ के प्रमुख शामिल हैं।

इंटरव्यू में पत्रकार पर भड़के ट्रम्प

कहा: मैं रेपिस्ट नहीं, मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक इंटरव्यू के दौरान महिला पत्रकार पर भड़क गए। यह मामला हिल्टन होटल में फायरिंग के आरोपी कोल टामस एलन के मैसेज से जुड़ा था।

एलन ने हमले से 10 मिनट पहले परिवार को एक मैनिफेस्टो (लिखित बयान) भेजा था। इसमें उसने 'पेडोफाइल, रेपिस्ट और गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था, लेकिन उसने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। इसी मामले को लेकर पत्रकार नोरा ओश्डोनल ने जब ट्रम्प से पूछा कि क्या ये आरोप उन्हीं की तरफ इशारा करते हैं? इस पर ट्रम्प ने कहा कि मैं न तो रेपिस्ट हूं, न ही किसी का रेप किया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ये भी कहा कि आपने एक बीमार आदमी की बकवास टीवी पर पढ़ दी। मुझे उन चीजों से जोड़ा गया, जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पहले ही पूरी तरह क्लीन चिट मिल चुकी है। इस पर नोरा ने साफ किया कि वे मेरे शब्द नहीं थे, बल्कि आरोपी ने लिखे थे। इस पर ट्रम्प ने कहा कि ऐसे आरा. `प टीवी पर पढ़ना ही गलत था। इंटरव्यू में जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वे खुद निशाने पर थे, उन्होंने कहा कि मुझे पक्के तौर पर नहीं पता। हालांकि, घटना के दौरान मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि दुनिया ऐसी ही है और ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। ट्रम्प ने कहा कि पहले मुझे लगा था कि यह छोटी घटना है, लेकिन फिर समझ आया कि मामला गंभीर है। उस वक्त एक आर्टिस्ट शो कर रहा था और माहौल सामान्य लग रहा था, लेकिन अचानक सब बदल गया। ट्रम्प ने कहा कि सुरक्षा टीम मुझे तुरंत बाहर ले जाना चाहती थी, लेकिन मैं देखना चाहता थे कि क्या हो रहा है।

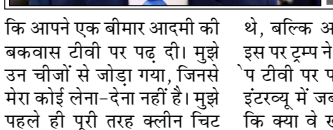

■ एंकर ने हमलावर का बयान टीवी पर पढ़ दिया था

निर्मित कौर अहलूवालिया के नए फ्रैश हेयर लुक ने मचाई हलचल

मुंबई। अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया ने इस गर्मी में एक नया और फ्रेश लुक अपनाया है। निर्मित कौर ने फ्रेश हेयरस्टाइल ट्राय किया है, जो सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन गया है। यह छोटा लेकिन खास बदलाव उनके लुक को और भी सॉफ्ट और स्टाइलिश बना रहा है।

इन दिनों बॉलीवुड में फ्रेश हेयरकट का ट्रेंड भी काफी चल रहा है। अनन्य पांडे, अदिति राव हैदरी और भूमि पेडणेकर जैसी अभिनेत्री भी इस लुक में नजर आ चुकी हैं, लेकिन निर्मित का स्टाइल अपनी सादगी और एलिगेंस के कारण अलग नजर आता है, जो उनकी पर्सनैलिटी को अच्छी तरह सूट करता है। शुरुआत में फैंस को लगा कि यह सिर्फ उनका पर्सनल स्टाइल चेंज है या किसी रोल के लिए, लेकिन अब निमृत ने खुद इस बात का खुलासा कर दिया है। अपने नए लुक के बारे में निर्मित ने कहा कि मैंने हाल ही में एक नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया है और यह लुक उसी के लिए है। मैं कुछ अलग ट्राय करना चाहती थी और फ्रेश मुझे सही लगा। नए अंदाज के साथ किसी नई चीज की शुरुआत करना हमेशा एक्साइटिंग होता है, और यह उसी सफर का एक हिस्सा है। एक करीबी सूत्र ने बताया कि निर्मित काफी समय से अपने लुक के साथ कुछ नया करना चाहती थीं, और जब यह प्रोजेक्ट आया तो उन्हें लगा कि यही सही समय है। यह फ्रेश उनके स्क्रीन प्रेजेंस में एक नया पहलू जोड़ता है। निर्मित लगातार अपने काम में सादगी और नएपन के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत और उनके इस लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखते हुए, वह एक बार फिर कुछ नया और खास लेकर आने के लिए तैयार हैं।

■ यह छोटा लेकिन खास बदलाव उनके लुक को और भी सॉफ्ट और स्टाइलिश बना रहा